

चुनौतीपूर्ण समष्टि आर्थिक परिदृश्य के बीच माँग के कमजोर पड़ने और साथ ही, जोखिम विमुखता की प्रवृत्ति बढ़ने के कारण ऋणों और अग्रिमों में वृद्धि अवरुद्ध हो गयी जिसके कारण एनबीएफसी के समेकित तुलन-पत्र में विस्तार की गति वर्ष 2019-20 में धीमी पड़ गयी। तथापि, वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में एनबीएफसी के तुलन-पत्रों में विस्तार फिर से प्रारंभ हुआ। आस्ति की गुणवत्ता में हालांकि मामूली गिरावट देखी गयी है, तथापि, एनबीएफसी क्षेत्र मजबूत पूंजी बफर्स के साथ आघात-सह बना हुआ है। वर्ष 2019-20 में ऋण वृद्धि में गिरावट, लाभप्रदता में कमी और आस्ति गुणवत्ता घट जाने से आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के सम्मुख चुनौतियाँ आयीं। वर्ष 2019-20 के दौरान ऋणों और अग्रिमों में तीव्र वृद्धि से अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं (एआईएफआई) के समेकित तुलन-पत्र का विस्तार हुआ।

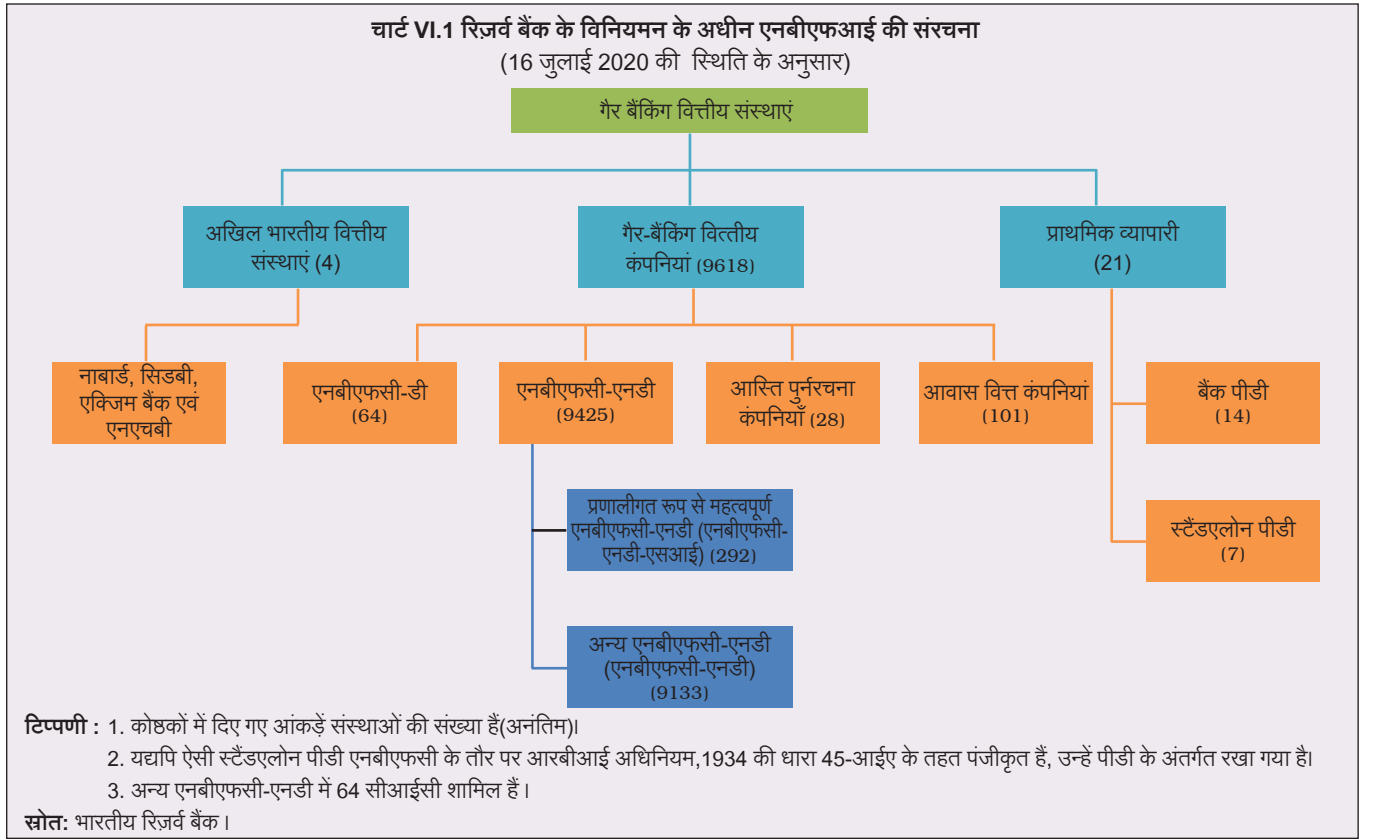
1. भूमिका

VI.1 वर्ष 2019-20 के दौरान अभी तक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने (एनबीएफसी) आईएल एंड एफएस की घटना¹ के बाद से आत्मविश्वास की कमी, रेटिंग घट जाने और चलनिधि दबाव के रूप में चुनौतियों का सामना किया है, इन सभी चुनौतियों को कोविड-19 महामारी ने ओर भी बढ़ा दिया है। हालांकि, 2020-21 की पहली छमाही में एनबीएफसी क्षेत्र में सुधार हुआ। भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं (एनबीएफआई), बैंक वित्तीयन के पर्याय, उपयुक्त वित्तीयन और अंतिम गंतव्य की पहुंच के साथ ही ऋण मध्यस्थता को बढ़ावा देने में अपनी मुख्य भूमिका निभाती हैं। रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित एनबीएफआई में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी), अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाएं (एआईएफआई) और प्राथमिक व्यापारी (पीडी) शामिल हैं²। एआईएफआई अर्थात् राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय निर्यात आयात बैंक, भारतीय लघु उद्योग

विकास बैंक (सिडबी) और राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) ऐसी शीर्ष वित्तीय संस्थाएं हैं जो कृषि और ग्रामीण क्षेत्र, विदेश व्यापार, लघु उद्योगों, आवासीय वित्तीय कंपनियों, एनबीएफसी, सूक्ष्म वित्त संस्थाओं (एमएफआई) तथा अन्य विशेष क्षेत्रों और संस्थाओं के दीर्घावधि निधीयन में मुख्य भूमिका निभाती हैं। एनबीएफसी सरकारी/सार्वजनिक/प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां होती हैं जो ऋण देने और वित्तीय मध्यस्थता का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। इनकी विशेषज्ञता विभिन्न प्रकार के विशेष क्षेत्रों में ऋण देने की होती है, इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं और वाहन वित्तपोषण शामिल हैं। एचएफसी देश में आवास संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तियों, सहकारी समितियों, कॉरपोरेट निकायों तथा पट्टे पर दिए गए वाणिज्यिक एवं आवासीय परिसरों को आवास वित्त प्रदान करती हैं (चार्ट VI.1)। पीडी वर्ष 1995 में अस्तित्व में आए हैं और ये प्राथमिक निर्गमों का सब्सक्रिप्शन सुनिश्चित करने के अलावा सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में बाजार निर्माता के रूप में काम करते हैं।

¹ इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएल एंड एफएस) जो एक प्रमुख निवेशक कंपनी है, यह सितंबर 2018 में अपने कर्ज चुकौती के दायित्व से चूक गई।

² यद्यपि, व्यापारिक बैंकिंग कंपनियां, स्टॉक एक्सचेंज, स्टॉक-ब्रोकिंग/सब-ब्रोकिंग का कारोबार करने वाली कंपनियां, जोखिम पूंजी निधि कंपनियां, निधि कंपनियां, बीमा कंपनियां और चिट फंड कंपनियां एनबीएफसी हैं, तथापि उन्हें आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत रिजर्व बैंक के साथ पंजीयन से छूट प्रदान की है।



VI.2 यह अध्याय वर्ष 2019-20 एवं अप्रैल-सितंबर 2020 में एनबीएफआई के परिचालन और प्रदर्शन की समीक्षा करता है। इस अध्याय के शेष हिस्से को चार खंडों में बांटा गया है। खंड 2 पूरे एनबीएफसी क्षेत्र- जमाराशि न स्वीकार करने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी (एनबीएफसी-एनडी-एसआई) और जमाराशि स्वीकार करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी) दोनों का एक सिंहावलोकन प्रस्तुत करता है। इस खंड में आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के वित्तीय निष्पादन और गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। एआईएफआई के प्रदर्शन का आकलन खंड 3 में किया गया है। खंड 4 में पीडी की भूमिका और प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया है। खंड 5 में निष्कर्ष के साथ-साथ कुछ नीतिगत परिदृश्यों पर भी प्रकाश डाला गया है।

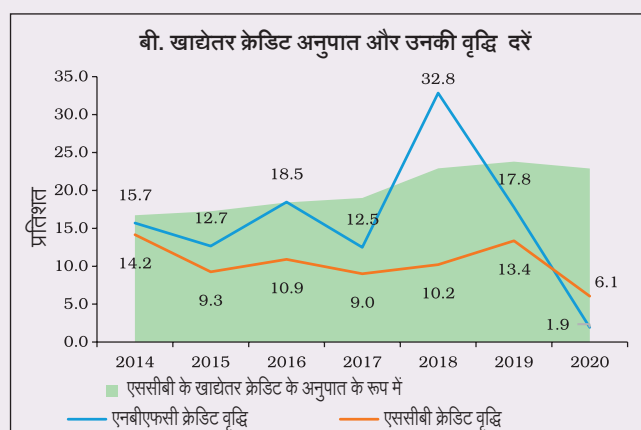
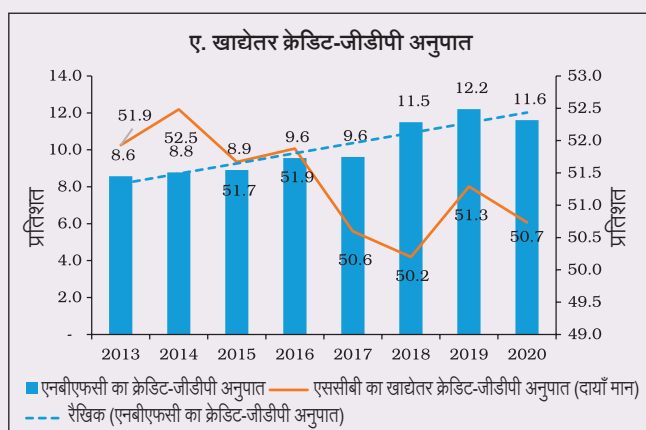
2. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी)

VI.3 एनबीएफसी भारतीय वित्तीय परिवेश में निरंतर रूप से उभर रही हैं और अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। क्रेडिट तीव्रता जैसे कि इसका मापन एनबीएफसी क्रेडिट की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात से किया जाता है, उसमें

सतत बढ़त देखी जा रही है, महामारी के परिणामस्वरूप यह वर्ष 2019-20 में कम रहने से पहले वर्ष 2018-19 के अब तक के सर्वाधिक स्तर पर पहुंच रही है (चार्ट VI.2ए)। वर्ष 2014 से 2019 के दौरान एससीबी खाद्येतर ऋण के अनुपात के रूप में एनबीएफसी के ऋण में और तेजी से वृद्धि हो गई (चार्ट VI.2बी)।

VI.4 एनबीएफसी को ए) आस्ति/देयता संरचना; बी) प्रणालीगत महत्व; और सी) उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है। देयता संरचना के मामले में, एनबीएफसी को दो उप-खंडों में विभाजित किया गया है जिनमें जमाराशि स्वीकार करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी), जो सार्वजनिक जमाराशियों को स्वीकार करती हैं तथा उसे रखती हैं और जमाराशि स्वीकार नहीं करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-एनडी) शामिल हैं, जिनके निधीयन का स्रोत बाजार एवं बैंक हैं। वैसे जमाराशि स्वीकार नहीं करने वाली एनबीएफसी को जमाराशि स्वीकार नहीं करने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी (एनबीएफसी-एनडी-एसआई) के तौर पर वर्गीकृत किया जाता है जिनका आस्ति आकार ₹ 500 करोड़ या उससे अधिक का है।

चार्ट VI.2: एनबीएफसी और एससीबी के क्रेडिट : खाद्येतर ऋण



टिप्पणी : जीडीपी से आशय है- वर्तमान बाजार भाव पर जीडीपी, आधार: 2011-12.

स्रोत: 1. भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट, विभिन्न अंका
2. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका, विभिन्न अंका

16 जुलाई 2020 के अनुसार 64 एनबीएफसी-डी और 292 एनबीएफसी-एनडी-एसआई हैं जबकि मार्च 2019 अंत के अनुसार इनकी संख्या क्रमशः 88 एवं 263 थी।

VI.5 गतिविधि-आधारित वर्गीकरण में एनबीएफसी की 11 श्रेणियां हैं। वर्ष 2018-19 में एनबीएफसी की तीन श्रेणियां थी यथा आस्ति वित्त कंपनियां (एएफसी), ऋण कंपनियां (एलसी) और निवेश कंपनियां (आईसी), इन्हें सुसंगत बनाने और परिचालनगत सहूलियत के लिए एक नई श्रेणी में विलय कर

दिया गया जिसे निवेश एवं ऋण कंपनियां (आईसीसी) कहा गया (सारणी VI.1)।

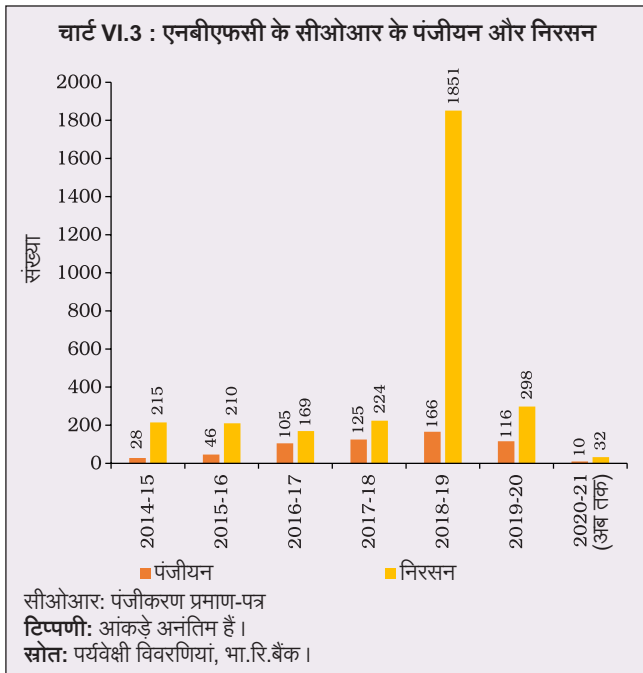
VI.6 विनियामकीय दिशा-निर्देशों के अनुसार, न्यूनतम ₹ 2 करोड़ की निवल स्वाधिकृत निधि (एनओएफ) वाली एनबीएफसी को ही परिचालन की अनुमति प्रदान की जा सकती है। वर्ष 2018-19 में जब अनुपालन न करने वाली एनबीएफसी के लाइसेंस रिकॉर्ड संख्या में रद्द / अभ्यर्पित हुए थे परंतु उसकी तुलना में इनकी संख्या वर्ष 2019-20 में घट गई है (चार्ट VI.3)।

सारणी VI.1: गतिविधियों के आधार पर एनबीएफसी का वर्गीकरण

एनबीएफसी के प्रकार	गतिविधि
1. निवेश एवं ऋण कंपनी (आईसीसी)	उधार एवं निवेश।
2. एनबीएफसी- इन्फ्रास्ट्रक्चर वित्त कंपनी (एनबीएफसी-आईएफसी)	इन्फ्रास्ट्रक्चर ऋणों का प्रावधान।
3. एनबीएफसी- प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण कोर निवेश कंपनी (सीआईसी-एनडी-एसआई)	समूह कंपनियों में इक्विटी शेयर, अधिमान शेयर, कर्ज और ऋणों में निवेश।
4. एनबीएफसी- इन्फ्रास्ट्रक्चर कर्ज निधि (एनबीएफसी-आईडीएफ)	इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में दीर्घकालिक ऋण के प्रवाह को सुगम बनाना।
5. एनबीएफसी सूक्ष्म वित्त संस्थाएं- (एनबीएफसी-एमएफआई)	आर्थिक रूप से वंचित समूहों को ऋण देना।
6. एनबीएफसी- फेक्टर	समनुदेशक की प्राप्ति/अर्जित करना या छूट पर प्रतिभूति हित के सापेक्ष ऋण प्रदान करना।
7. एनबीएफसी- निष्क्रिय वित्तीय होल्डिंग कंपनी (एनबीएफसी-एनओएफएचसी)	प्रमोटरों/प्रमोटरों के समूहों को नए बैंक स्थापित करने की सुविधा प्रदान करना।
8. बंधक गारंटी कंपनी (एमजीसी)	बंधक गारंटी का कारोबार करना।
9. एनबीएफसी- खाता समूहक (एनबीएफसी-एए)	ग्राहक की वित्तीय आस्तियों के बारे में समेकित, संगठित और पुनः प्राप्ति योग्य तरीके से जानकारी एकत्रित करना और ग्राहक या ग्राहक द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अन्य को वह जानकारी प्रदान करना।
10. एनबीएफसी- समकक्षीय उधार प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी- पी2पी)	धन जुटाने में सहायता करने हेतु ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं को एक साथ लाने के लिए ऑनलाइन मंच प्रदान करना।
11. आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी)	आवास हेतु वित्तपोषण।

स्रोत: भा.रि.बैंक।

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20



2.1 स्वामित्व का स्वरूप

VI.7 एनबीएफसी क्षेत्र में एनबीएफसी-एनडी-एसआई का वर्चस्व है, इनके पास क्षेत्र की कुल आस्तियों का 85.7 प्रतिशत है, कुछ बड़ी सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी जो मुख्यतः इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र को सेवाएं देती हैं, इनमें एनबीएफसी-एनडी-एसआई की कुल आस्तियों का 43.3 प्रतिशत शामिल है (सारणी VI.2)।

VI.8 इस बात के भी मद्देनजर कि निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) के द्वारा एनबीएफसी-डी की जमाशियों को कवर नहीं किया जाता, रिज़र्व बैंक एनबीएफसी-

डी के परिचालनों और उनकी वृद्धि की निगरानी करता रहा है ताकि जमाकर्ताओं का हित सुरक्षित रहे। रिज़र्व बैंक ने यह अनिवार्य बना दिया है कि केवल निवेश श्रेणी वाली एनबीएफसी-डी ही जनता से अपने एनओएफ के 1.5 गुना तक की जमाशियों को स्वीकार करेंगी और यह सिर्फ 12 से 60 महीने की अवधि के लिए ही होगा, जिस पर 12.5 प्रतिशत की दर से अधिक ब्याज देय नहीं होगा।

VI.9 मार्च 2020 के अंत तक एनबीएफसी-डी के पास एनबीएफसी क्षेत्र की कुल आस्तियों का 14.3 प्रतिशत हिस्सा था। सरकारी स्वाधिकृत एनबीएफसी-एनडी-एसआई की तुलना में सरकारी स्वाधिकृत एनबीएफसी-डी के पास कंपनियों की संख्या के साथ-साथ आस्तियों के आधार पर हिस्सेदारी कम है। वर्ष 2019-20 में एनबीएफसी-डी की आस्तियों का 89.5 प्रतिशत गैर-सरकारी कंपनियों के पास था (सारणी VI.2)।

2.2 तुलन पत्र

VI.10 पिछले तीन वर्षों में हुई द्वि-अंकीय तुलन-पत्र वृद्धि के बाद वर्ष 2019-20 में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। चुनौतीपूर्ण समष्टि आर्थिक परिवेश, जोखिम लेने के प्रति अरुचि के कारण और अधिक कमजोर पड़ती मांग, चलनिधि के दबाव तथा आईएलएंडएफएस की चूक के परिप्रेक्ष्य में उधार लेने की लागतों में होने वाली वृद्धि के परिणामस्वरूप वर्ष 2019-20 में आस्तियों की वृद्धि में काफी कमी आ गई। यह प्रभाव एनबीएफसी-एनडी-एसआई पर अधिक स्पष्ट दिखाई दिया। दूसरी ओर एनबीएफसी-डी ने इस कठिन दौर को सह लिया और स्वस्थ गति में बढ़ते

सारणी VI.2: एनबीएफसी के स्वामित्व का स्वरूप
(मार्च 2020 के अंत में)

प्रकार	एनबीएफसी- एनडी- एसआई			एनबीएफसी- डी		
	कंपनियों की संख्या	आस्तियों का आकार	आस्तियों का हिस्सेदारी, प्रतिशत में	कंपनियों की संख्या	आस्तियों का आकार	आस्तियों का हिस्सेदारी, प्रतिशत में
1	2	3	4	5	6	7
ए. सरकारी कंपनियां	21	12,56,164	43.3	8	51,061	10.5
बी. गैर-सरकारी कंपनियां(1+2)	264	16,47,722	56.7	56	4,34,320	89.5
1. पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	152	12,91,898	44.5	54	3,25,739	67.1
2. प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	112	3,55,824	12.3	2	1,08,580	22.4
कुल (ए+बी)	285	29,03,886	100.0	64	4,85,381	100.0

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि.बैंक।

रहना जारी रखा। महामारी के मद्देनज़र तथा पर्याप्त चलनिधि बनाए रखने के लिए एनबीएफसी ने वर्ष के दौरान अपनी नकदी तथा बैंक शेषों को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया और यह बात एनबीएफसी-डी के मामले में अधिक उल्लेखनीय है। फिर भी, वर्ष 2020-21 में (सितंबर तक) एनबीएफसी विशेष रूप से एनबीएफसी-एनडी-एसआई के तुलन-पत्र विस्तार में ऋणों तथा अग्रिमों में वृद्धि तथा आधार प्रभाव के बल पर थोड़ी तेजी आई (सारणी VI-3, परिशिष्ट सारणी VI.1 और VI.2)।

VI.11 प्रमुख एनबीएफसी श्रेणियों के सामंजस्य के परिणामस्वरूप, एनबीएफसी में अब केवल आईसीसी ही शामिल हैं। सार्वजनिक जमाराशियां निधीयन का स्थिर स्रोत बनी रहीं। आस्तियों की बात करें तो, निवेशों का तेज गति से बढ़ना जारी है जबकि ऋण तथा अग्रिमों की गति धीमी रही है (सारणी VI.3)।

VI.12 एनबीएफसी-एनडी-एसआई द्वारा दिए गए ऋणों के संवितरण के संबंध में प्रति ₹ 1000 करोड़ रुपए से अधिक लोन बुक वाली लगभग एक तिहाई कंपनियों ने वर्ष 2019-20 में वितरित कुल ऋण का लगभग 97 प्रतिशत उधार दिया। जिनके लोन बुक ₹ 500 करोड़ रुपए तक के हैं, उन्होंने एनबीएफसी-एनडी-एसआई के कुल बकाया ऋण का केवल 1.15 प्रतिशत उधार दिया (चार्ट VI.4)।

VI.13 कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के लिए रिजर्व बैंक ने उधारदात्री संस्थाओं को 1 मार्च 2020 तथा 31 मई 2020 के बीच तिमाही ऋण की किस्तों के भुगतान पर अधिस्थगन प्रदान करने की अनुमति दी। इस अवधि को बाद में 31 अगस्त 2020 तक बढ़ा दिया गया। एनबीएफसी ने अपने ग्राहकों को भी इसका लाभ प्रदान किया³। एनबीएफसी ने जिन क्षेत्रों को उधार दिया, उनमें एमएसएमई ने इस योजना का सबसे अधिक लाभ उठाया।

सारणी VI.3: एनबीएफसी का संक्षिप्त तुलन पत्र

(₹ करोड़ में)

मदें	मार्च 2019 के अंत में			मार्च 2020 के अंत में			सितंबर 2020 के अंत में		
	एनबीएफसी	एनबीएफसी- एनडी-एसआई	एनबीएफसी- डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी- एनडी-एसआई	एनबीएफसी- डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी- एनडी-एसआई	एनबीएफसी- डी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. शेयर पूंजी एवं आरक्षित निधि	7,13,228 (15.5)	6,46,070 (14.7)	67,158 (23.7)	7,88,633 (10.6)	7,02,828 (8.8)	85,805 (27.8)	8,84,138 (14.8)	7,88,623 (13.3)	95,515 (29.4)
2. सार्वजनिक जमाराशियां	40,057 (33.0)	-	40,057 (33.0)	50,033 (24.9)	-	50,033 (24.9)	55,665 (16.7)	-	55,665 (16.7)
3. डिबेंचर्स	9,19,314 (3.4)	8,20,157 (1.8)	99,157 (18.8)	9,40,499 (2.3)	8,37,373 (2.1)	1,03,126 (4.0)	9,15,293 (-1.2)	8,16,786 (-1.7)	98,507 (3.1)
4. बैंक उधारियां	6,26,495 (50.3)	5,20,265 (50.6)	1,06,229 (48.9)	7,08,035 (13.0)	5,83,786 (12.2)	1,24,249 (17.0)	7,34,322 (16.4)	6,09,958 (18.9)	1,24,364 (5.7)
5. वाणिज्यिक पत्र	1,59,158 (9.5)	1,41,046 (10.9)	18,112 (-0.3)	70,066 (-56.0)	62,588 (-55.6)	7,478 (-58.7)	89,065 (-24.4)	80,459 (-18.7)	8,605 (-54.6)
6. अन्य	6,54,646 (35.7)	5,63,537 (41.4)	91,109 (8.8)	8,32,000 (27.1)	7,17,310 (27.3)	1,14,690 (25.9)	9,07,371 (28.5)	7,91,991 (30.7)	1,15,380 (14.9)
कुल देयताएं/आस्तियां	31,12,899 (20.6)	26,91,076 (20.1)	4,21,823 (23.7)	33,89,267 (8.9)	29,03,886 (7.9)	4,85,381 (15.1)	35,85,854 (12.1)	30,87,817 (12.5)	4,98,037 (9.7)
1. ऋण एवं अग्रिम	23,15,608 (17.8)	19,36,593 (16.9)	3,79,015 (22.6)	23,60,504 (1.9)	19,44,889 (0.4)	4,15,615 (9.7)	24,63,279 (5.2)	20,51,581 (5.9)	4,11,698 (1.7)
2. निवेश	4,83,759 (21.2)	4,59,868 (18.8)	23,891 (99.8)	5,41,863 (12.0)	5,02,650 (9.3)	39,213 (64.1)	6,14,408 (14.8)	5,63,570 (10.4)	50,838 (105.4)
3. नकदी एवं बैंक जमा शेष	99,763 (31.7)	89,978 (34.4)	9,785 (11.3)	1,38,746 (39.1)	1,21,689 (35.2)	17,057 (74.3)	1,50,775 (32.9)	1,27,593 (25.7)	23,181 (93.1)
4. अन्य चालू आस्तियां	1,33,450 (23.5)	1,25,919 (27.7)	7,531 (-20.2)	2,49,345 (86.8)	2,38,344 (89.3)	11,000 (46.1)	2,33,979 (78.7)	2,24,038 (86.2)	9,941 (-6.4)
5. अन्य आस्तियां	80,317 (150.4)	78,716 (159.4)	1,601 (-7.3)	98,809 (23.0)	96,314 (22.4)	2,495 (55.9)	1,23,414 (59.2)	1,21,035 (59.7)	2,379 (35.0)

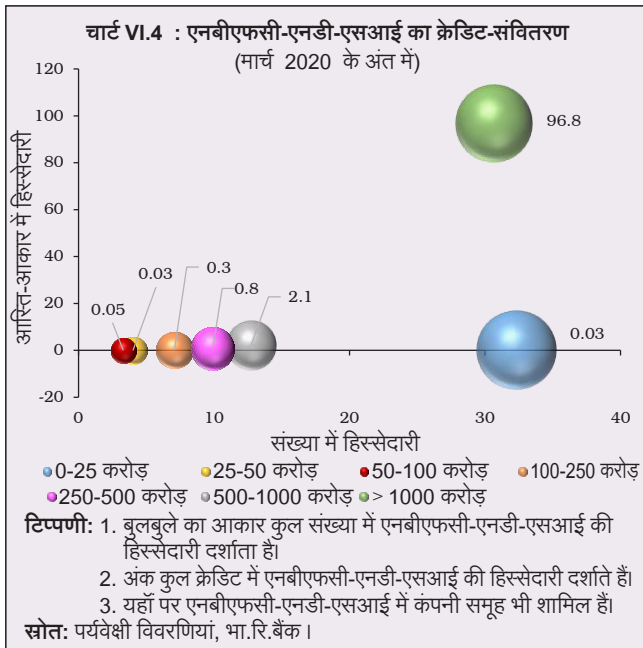
टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. कोष्ठक में प्रदत्त आंकड़े प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि.बैंक।

³ अध्याय III, परिशिष्ट III.1 देखें।

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20



अप्रैल⁴ तथा अगस्त 2020 की अवधि में अधिस्थगन के अंतर्गत व्यक्तियों जैसी अन्य श्रेणियों में ग्राहकों की हिस्सेदारी में कमी देखी गई जबकि कॉर्पोरेट्स में ऋण की राशियों में कमी दर्ज हुई। समग्र रूप से एनबीएफसी के लिए अधिस्थगन का लाभ उठाने वाले ग्राहकों का प्रतिशत तुलनात्मक रूप में कम रहा जबकि अधिस्थगन के अंतर्गत बकाया ऋण अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा प्रदान किए गए ऋणों से ज्यादा थे, जो कि आरंभिक दबाव दर्शाता है (सारणी VI.4)।

VI.14 एनबीएफसी-एनडी-एसआई के बीच देखें तो आईसीसी, आईएफसी तथा एनबीएफसी-एमएफआई की सम्मिलित

आस्तियां इस उपक्षेत्र की कुल आस्तियों का 87.8 प्रतिशत हैं। आईडीएफ-एनबीएफसी को छोड़कर एनबीएफसी-एनडी-एसआई की सभी श्रेणियों के तुलन पत्र की वृद्धि वर्ष 2019-20 में कम हो गई (सारणी VI.5)।

VI.15 समग्र करोबारी परिवेश में गिरावट, विशेष रूप से अभी तक तीव्रता से बढ़ने वाले सेवा क्षेत्र और कोविड-19 से प्रभावित क्षेत्रों यथा - निर्माण, विनिर्माण और स्थावर संपदा के साथ-साथ ऐसे व्यक्ति जिनकी आय के स्रोतों में कमी आई है (अगस्त 2020 अंत तक एनबीएफसी से व्यक्तियों द्वारा लिए गए ऋणों पर अधिस्थगन 57 प्रतिशत रहा) - में कमजोर पड़ती मांग के चलते आईसीसी की हिस्सेदारी में गिरावट आई। कई आईसीसी ने रिपोर्ट किया है कि संवितरण, विशेषतः वाहन ऋणों के, रोक दिए गए हैं। सूक्ष्म वित्त संस्थाओं (एनबीएफसी-एमएफआई) के तुलन-पत्र में विस्तार हुआ है अलबत्ता बड़े एनबीएफसी-एमएफआई का बैंक में विलय के कारण इसकी गति पहले की तुलना में धीमी है (चार्ट VI.5 ए और बी)।

VI.16 अन्य आस्तियों में, प्रमुख रूप से निवेश में विस्तार के चलते वर्ष 2019-20 में एनबीएफसी-एनडी-एसआई की कुल आस्तियों में वृद्धि हुई। आईसीसीएस की भांति इनके ऋण संवितरण का संकुचन नहीं हुआ क्योंकि इसमें कई सरकारी स्वामित्व की हैं तथा इन्होंने ऊर्जा क्षेत्र और रेलवे को उधार दिया है और उधार देने वाली सरकारी स्वामित्व की एक प्रमुख आईएफसी मजबूत बनी रही। सरकारी स्वामित्व वाली दो बड़ी एनबीएफसी, जो ऊर्जा क्षेत्र में कार्य कर रहीं हैं, को केंद्र सरकार द्वारा राज्य बिजली वितरण उपयोगिताओं (डिस्कॉम) के लिए

सारणी VI.4: ऋण अधिस्थगन का विश्लेषण

(31 अगस्त 2020 को प्राप्त)

क्षेत्र	कारपोरेट		एमएसएमई		वैयक्तिक		अन्य		कुल	
	कुल ग्राहकों का प्रतिशत	कुल बकाया का प्रतिशत	कुल ग्राहकों का प्रतिशत	कुल बकाया का प्रतिशत	कुल ग्राहकों का प्रतिशत	कुल बकाया का प्रतिशत	कुल ग्राहकों का प्रतिशत	कुल बकाया का प्रतिशत	कुल ग्राहकों का प्रतिशत	कुल बकाया का प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
एनबीएफसी	42.7	37.2	68.8	67.0	23.1	56.5	50.2	33.2	26.6	44.9
एससीबी	18.0	30.4	77.2	68.1	43.7	33.9	35.6	39.1	43.8	37.9
प्रणाली	31.3	34.3	77.5	69.3	42.6	41.0	45.4	42.1	45.6	40.4

स्रोत: भा.रि.बैंक पर्यवेक्षी विवरणियाँ।

⁴ वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, अंक 21, जुलाई 2020। सारणी 1.4, जो <https://www.rbi.org.in> पर उपलब्ध है।

सारणी VI.5 : एनबीएफसी-एनडी-एसआई की गतिविधियों के आधार पर देयताओं और आस्तियों के प्रमुख घटक

(₹ करोड़ में)

श्रेणी/देयता	मार्च 2019 के अंत में			मार्च 2020 के अंत में			सितंबर 2020 के अंत में			कुल देयताओं में प्रतिशत घट-बढ़	
	उधारियां	अन्य देयताएं	कुल देयताएं	उधारियां	अन्य देयताएं	कुल देयताएं	उधारियां	अन्य देयताएं	कुल देयताएं	मार्च 2018 की तुलना में मार्च 2019	मार्च 2019 की तुलना में मार्च 2020
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
निवेश और ऋण कंपनी	864.891	4,51,814	13,16,705	8,89,277	4,66,188	13,55,466	8,89,119	5,16,762	14,05,882	16.9	2.9
कोर निवेश कंपनी	1,07,977	1,79,783	2,87,760	99,343	2,20,254	3,19,597	1,15,069	2,52,264	3,69,669	27.4	11.1
फैक्टरिंग -एनबीएफसी	2,087	2,087	4,174	1,943	2,132	4,075	1,584	2,008	3,592	9.9	-2.4
आईडीएफ-एनबीएफसी	20,487	4,169	24,656	24,868	4,935	29,804	27,756	5,637	33,393	19.6	20.9
इंफ्रास्ट्रक्चर वित्त कंपनी	8,01,996	1,90,288	9,92,284	9,20,051	2,02,763	11,22,814	9,73,609	2,19,043	11,92,652	22.1	13.2
एनबीएफसी-एमएफआई	43,219	22,278	65,497	50,854	21,277	72,131	58,007	24,624	82,631	29.3	10.1
कुल	18,40,657	8,50,419	26,91,076	19,86,337	9,17,549	29,03,886	20,65,144	10,20,337	30,87,817	20.1	7.9
श्रेणी/आस्ति	मार्च 2019 के अंत में			मार्च 2020 के अंत में			सितंबर 2020 के अंत में			कुल आस्तियों में प्रतिशत घट-बढ़	
	ऋण और अग्रिम	अन्य आस्तियां	कुल आस्तियां	ऋण और अग्रिम	अन्य आस्तियां	कुल आस्तियां	ऋण और अग्रिम	अन्य आस्तियां	कुल आस्तियां	मार्च 2018 की तुलना में मार्च 2019	मार्च 2019 की तुलना में मार्च 2020
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
निवेश और ऋण कंपनी	9,50,538	3,66,167	13,16,705	9,39,032	4,16,433	13,55,466	9,67,540	4,38,341	14,05,882	16.9	2.9
कोर निवेश कंपनी	20,238	2,67,522	2,87,760	14,225	3,05,372	3,19,597	31,347	3,38,322	3,69,669	27.4	11.1
फैक्टरिंग -एनबीएफसी	3,393	781	4,174	3,278	797	4,075	2,688	904	3,592	9.9	-2.4
आईडीएफ-एनबीएफसी	18,843	5,813	24,656	27,410	2,394	29,804	29,110	4,283	33,393	19.6	20.9
इंफ्रास्ट्रक्चर वित्त कंपनी	891,659	1,00,625	9,92,284	9,04,743	2,18,072	11,22,814	9,58,519	2,34,132	11,92,652	22.1	13.2
एनबीएफसी-एमएफआई	51,922	13,574	65,497	56,201	15,930	72,131	62,377	20,254	82,631	29.3	10.1
कुल	19,36,593	7,54,483	26,91,076	19,44,889	9,58,997	29,03,886	20,51,581	10,36,237	30,87,817	20.1	7.9

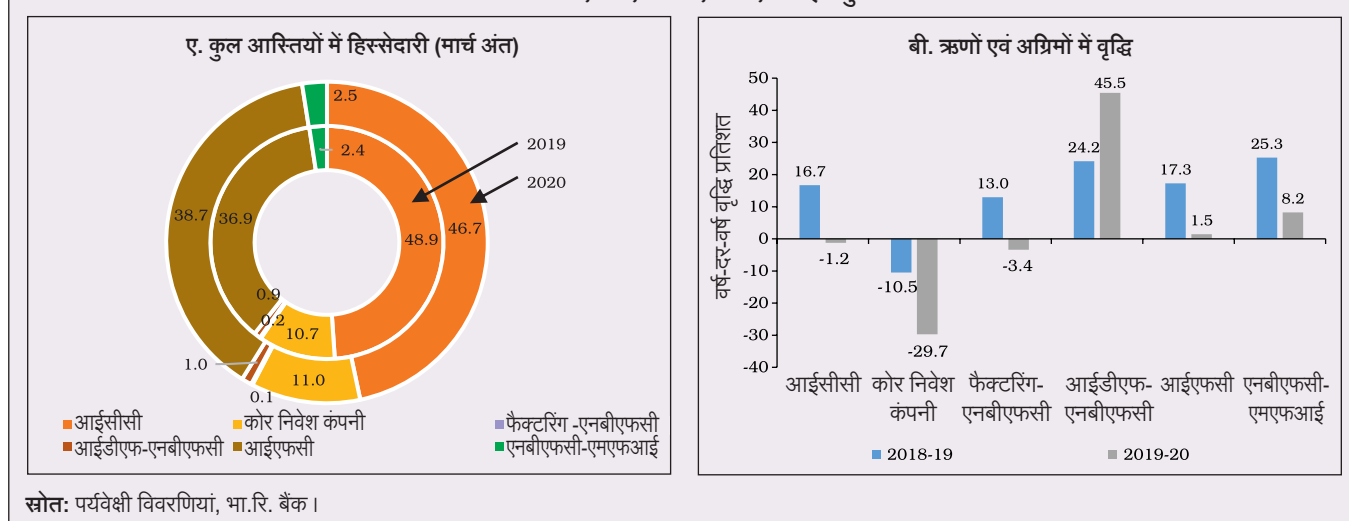
टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

घोषित ₹ 90,000 करोड़ की चलनिधि के अंतर्वेशन का लाभ मिला है। वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में एनबीएफसी-

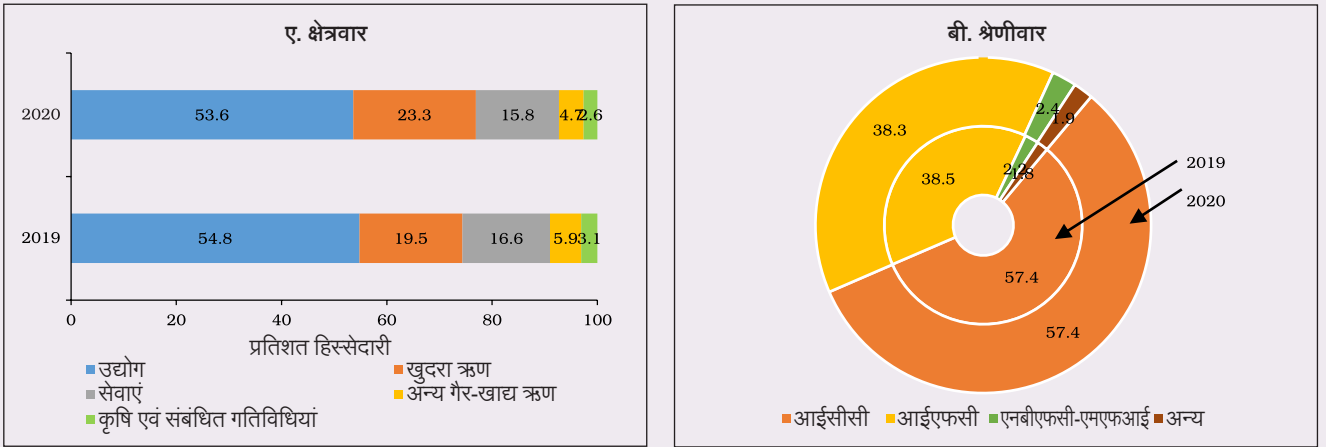
एमएफआई, आईएफसी और आईसीसी के तुलन पत्र में अपेक्षाकृत उच्च वृद्धि देखी गई।

चार्ट VI.5 : श्रेणीवार एनबीएफसी -एनडी-एसआई : चुनिंदा संकेतक



भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

चार्ट VI.6 : एनबीएफसी क्रेडिट का वितरण
(मार्च-अंत तक की स्थिति)



स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि. बैंक

2.3 एनबीएफसी का क्षेत्रवार ऋण

VI.17 एनबीएफसी क्षेत्र द्वारा मुहैया कराए जाने वाले ऋण के सबसे बड़े लाभार्थी उद्योग रहे और उनके उपरांत खुदरा ऋण और सेवाएं रहीं। वर्ष 2019-20 में इस क्षेत्र के खुदरा ऋण पोर्टफोलियो की हिस्सेदारी में बढ़त देखी गई और अन्य सभी क्षेत्रों की हिस्सेदारी में गिरावट देखी गई (चार्ट VI.6 ए)। इस क्रम में आईसीसी, आईएफसी और एनबीएफसी-एमएफआई ऋण के मुख्य प्रदाता हैं। मार्च 2020 अंत तक एनबीएफसी द्वारा दिए गए ऋणों में सभी को शामिल करते हुए इनका हिस्सा 98.1 प्रतिशत है (चार्ट VI.6 बी)।

VI.18 समग्र ऋण में आई कमी के अनुरूप, खुदरा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में भी ऋण वृद्धि में तीव्र कमी आई। 2019-20 के दौरान कृषि, उद्योग और सेवाओं को दिए जाने वाले ऋण में अधिक गिरावट दर्ज हुई वहीं खुदरा क्षेत्र में अपेक्षाकृत धीमी गति से विस्तार हुआ (सारणी VI.6)।

VI.19 वर्ष 2019-20 के दौरान खुदरा ऋणों को आवास ऋणों और वाहन ऋणों द्वारा संचालित किया जा रहा था। एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा उद्योग को उधार देने में आए बदलाव के कारण कृषि ऋण में कमी देखी गई। एनबीएफसी के बीच सबसे बड़े उधारदाता आईसीसी ने अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के समान ही उद्योग और सेवा क्षेत्रों को कम उधार दिया (चार्ट VI.7)।

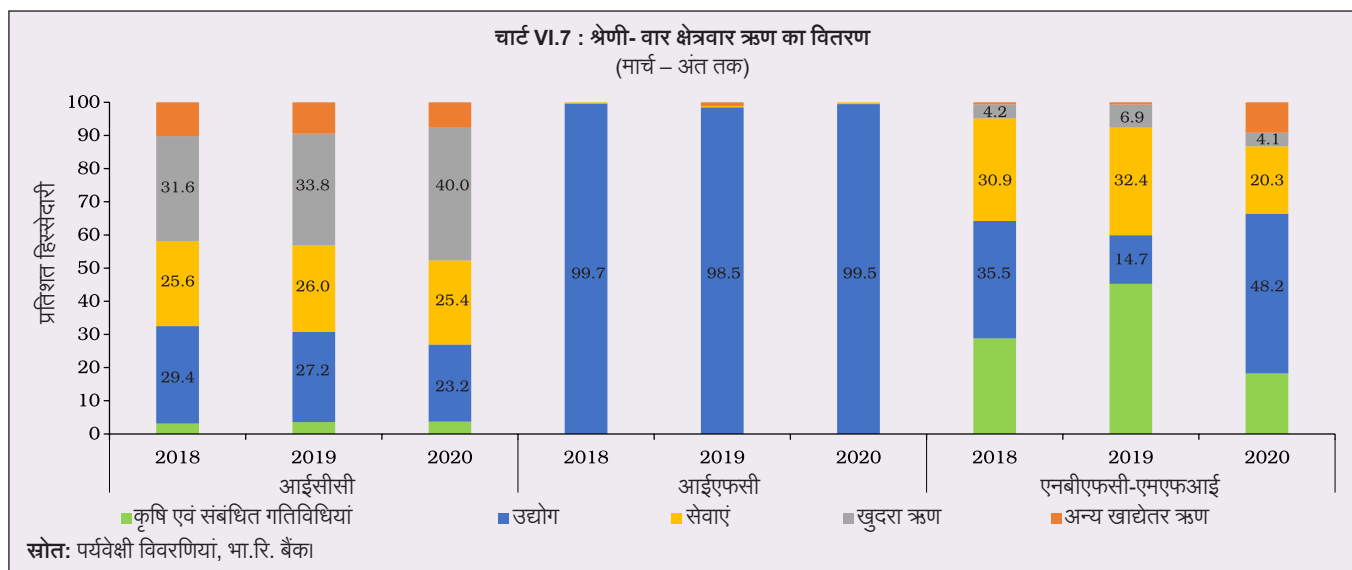
VI.20 वर्ष 2019-20 में प्रमुख उप क्षेत्रों में सूक्ष्म और लघु उद्योगों के ऋण प्रवाह में सुधार हुआ, हालांकि यह मामूली ही था।

सारणी VI.6: एनबीएफसी द्वारा क्षेत्रवार ऋण का विनियोजन

प्रकार	मार्च 2019 के अंत में	मार्च 2020 के अंत में	प्रतिशत घट-बढ़	
			2018-19	2019-20
1	2	3	4	5
I. सकल अग्रिम	23,15,608	23,60,504	17.8	1.9
II. खाद्य ऋण	232	310	-3.6	33.5
III. खाद्येतर ऋण (1 से 5)	23,15,376	23,60,194	17.8	1.9
1. कृषि एवं संबंधित गतिविधियां	70965	61,759	51.7	-13.0
2. उद्योग (2.1 से 2.4)	12,69,075	12,65,248	13.1	-0.3
2.1 सूक्ष्म एवं लघु	41,985	75,849	-24.2	80.7
2.2 मध्यम	18,464	17,388	-24.2	-5.8
2.3 बड़े	7,08,181	5,86,983	13.7	-17.1
2.4 अन्य	5,00,445	5,85,028	19.4	16.9
3. सेवाएं	3,85,177	3,72,596	19.8	-3.3
जिसमें से				
3.1 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,51,617	1,29,232	21.2	-14.8
3.2 खुदरा व्यापार	29,296	37,179	8.3	26.9
4. खुदरा ऋण	4,52,442	5,50,302	25.9	21.6
जिसमें से				
4.1 आवासीय ऋण	15,663	21,468	18.2	37.1
4.2 टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं	5,151	5,128	-40.3	-0.4
4.3 वाहन/ऑटो ऋण	2,02,136	2,38,970	23.0	18.2
5. अन्य खाद्येतर ऋण	1,37,716	1,10,289	18.4	-19.9

टिप्पणी: आंकड़े अंतिम हैं।

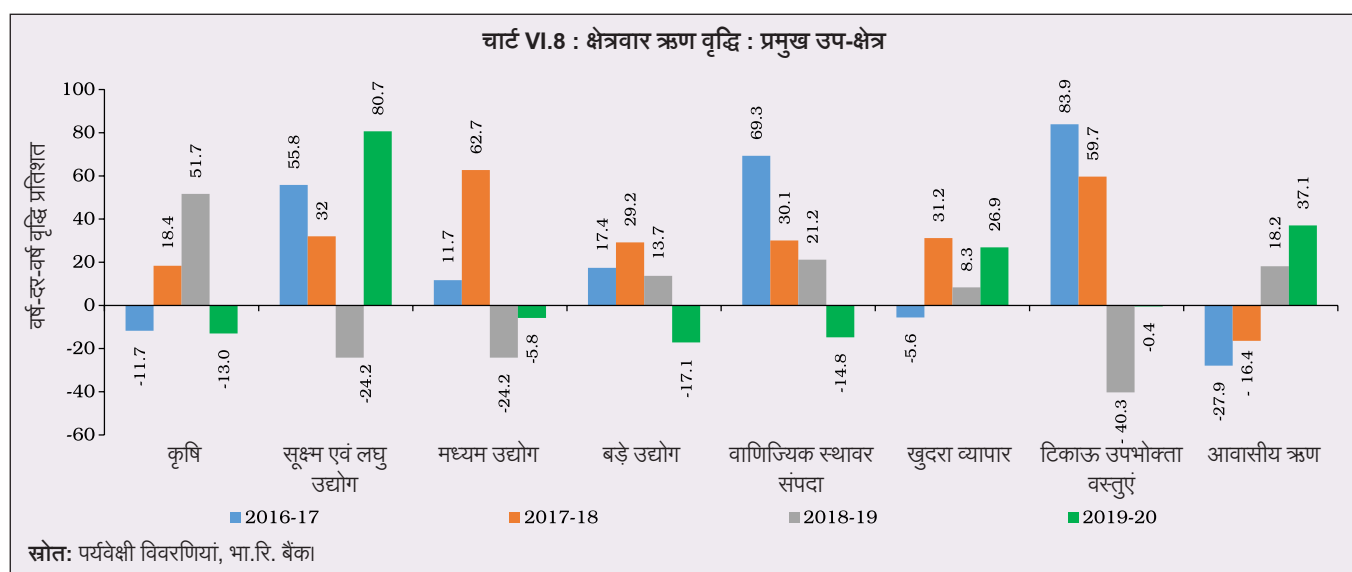
स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि. बैंक



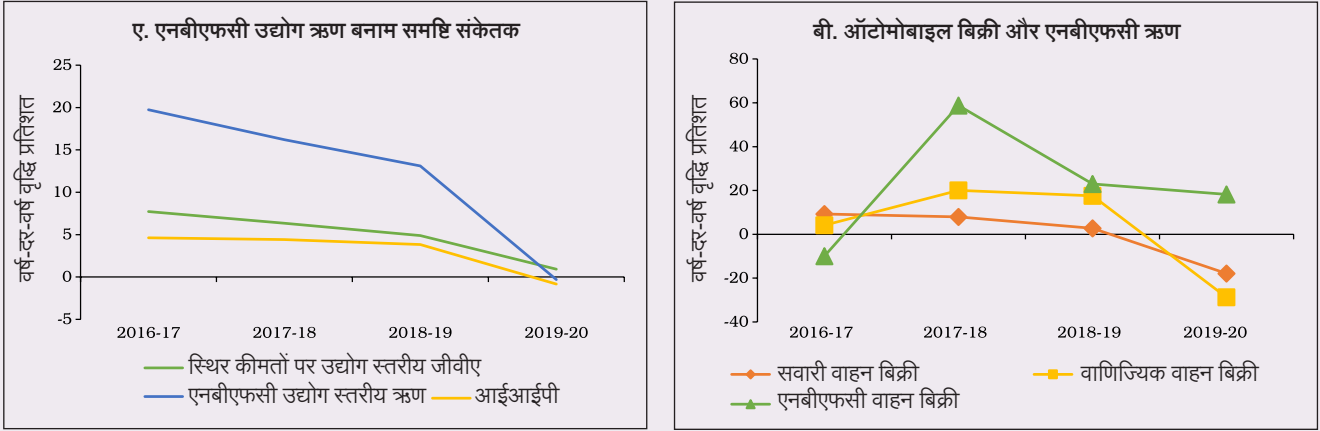
वाणिज्यिक स्थावर संपदा के लिए ऋण, जो एनबीएफसी द्वारा सेवा क्षेत्र को दिए जाने वाले ऋण का लगभग एक तिहाई है, में महामारी के प्रभाव के कारण तीव्र गिरावट देखी गई। कई कंपनियों ने घर से कार्य करना आरंभ कर दिया है। प्रवासी मजदूरों के सामूहिक पलायन से भी रुकावटें पैदा हुईं। नीतिगत उपायों, जैसे कि वाणिज्यिक स्थावर संपदा की परियोजनाओं के लिए वाणिज्यिक परिचालन आरंभ करने की तारीख (डीसीसीओ) में विस्तार, ने राहत प्रदान की। सुस्त मांग के चलते टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के ऋण में गिरावट जारी रही। सस्ते आवास

हेतु सरकार की योजना और रियल एस्टेट विनियमन एवं विकास अधिनियम, 2016 के कारण आए सुधार के चलते आवास, जो एनबीएफसी के लोन बुक का एक छोटा हिस्सा है, में वृद्धि जारी रही (चार्ट VI.8)।

VI.21 वर्ष के दौरान ताप विद्युत परियोजनाओं में आए दबाव, निर्माण गतिविधियों में सुस्ती से वित्त की मांग में कमी, विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में गिरावट के साथ-साथ कोविड-19 के कारण आए व्यवधानों से एनबीएफसी औद्योगिक ऋण की वृद्धि प्रभावित हुई (चार्ट VI.9 ए)। तथापि, वाहन वित्तपोषण के अंतर्गत



चार्ट VI.9 : क्षेत्रवार ऋण वृद्धि : उद्योग और वाहन ऋण



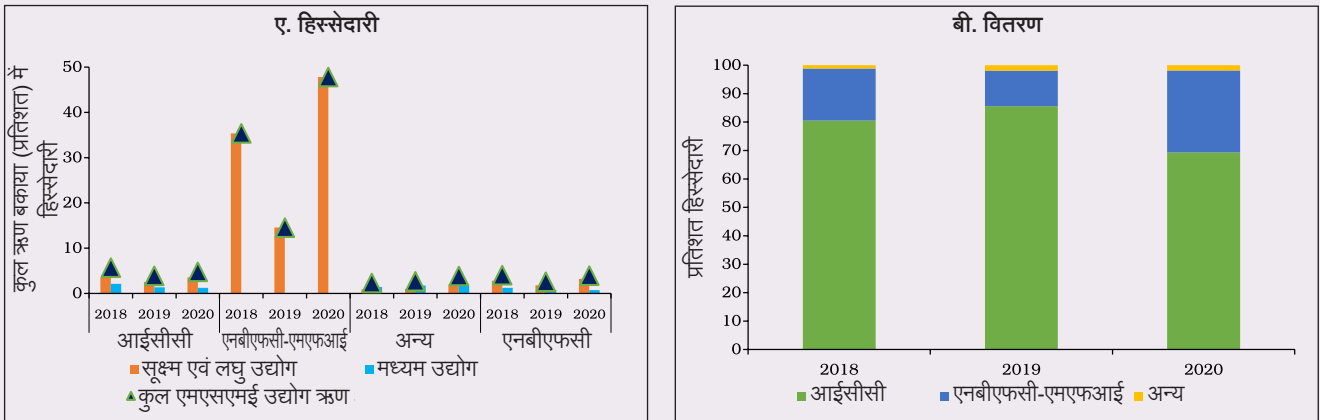
स्रोत: 1. पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि. बैंक।
2. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका, भारिबैं।
3. भारतीय आटोमोबाइल विनिर्माण सोसाइटी।

विविधता लाते हुए कई एनबीएफसी ने वाणिज्यिक वाहनों के स्थान पर वाहन ऋणों के अन्य प्रकारों यथा उपयोग किए गए वाहन, दोपहिया और तिपहिया वाहनों को चुना। इससे इस क्षेत्र को दिए जा रहे ऋण में हो रही गिरावट को रोकने में मदद मिली (चार्ट VI.9 बी)।

VI.22 विशेष रूप से सूक्ष्म और लघु ऋण क्षेत्र में एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा उधार देने में हुई बढ़ोतरी से वर्ष 2019-20 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को एनबीएफसी

द्वारा दिए गए उधार ने रफ्तार पकड़ी। वर्ष के केंद्रीय बजट में सरकार की घोषणाओं के साथ-साथ अन्य नीतिगत उपाय जैसे कि वस्तु एवं सेवा कर के अंतर्गत पंजीकृत सभी एमएसएमई के नए अथवा वृद्धिशील ऋणों पर ब्याज अनुदान योजना, इस क्षेत्र के लिए अच्छे साबित हुए। एमएसएमई के लिए अद्यतन ऋण सहबद्ध पूंजी सब्सिडी योजना जो वर्ष 2019-20 में शुरू की गई और जिसमें एमएसएमई को संपार्श्विक मुक्त उधार देने की गारंटी है, ने एनबीएफसी को उधार देने के लिए प्रोत्साहित किया हालांकि कोविड-19 से इसमें क्षति हुई है (चार्ट VI.10)।

चार्ट VI.10 : एनबीएफसी को एमएसएमई ऋण (मार्च-समाप्ति तक)



टिप्पणी: एमएसएमई उधार सिर्फ औद्योगिक क्षेत्र में।
स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि. बैंक।

2.4 संसाधन जुटाना

VI.23 एनबीएफसी अपने अधिकांश संसाधन डिबेंचर और बैंक उधार के माध्यम से जुटाते हैं। आईएलएंडएफएस चूक और उसके कारण हुई अत्यधिक गिरावट के साथ, एनबीएफसी की बाजार में पहुंच बाधित हुई और निधियों के लिए उनकी बैंकों पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई। रिजर्व बैंक और सरकार द्वारा कोविड-19 के प्रभाव से निपटने के लिए किए गए विभिन्न नीतिगत उपायों से 2020-21 में (सितंबर तक) बाजार में फिर से भरोसा लौट आया और एनबीएफसी की बैंको तथा एफआई से उधारी में वृद्धि हुई (सारणी VI.7)।

VI.24 व्यापक जोखिम विमुखता वाले माहौल के बीच, एनबीएफसी द्वारा बाजार उधारियों की तुलना में बैंक उधारियों में जबर्दस्त गति से वृद्धि जारी रही। चूंकि रिजर्व बैंक ने दिसंबर 2020 से एनबीएफसी के लिए एक चलनिधि जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क अपनाया जाना अनिवार्य कर दिया है, एनबीएफसी ने पर्याप्त चलनिधि बनाए रखने के उद्देश्य से अपनी अल्पावधि उधारियों को दीर्घावधि उधारियों से बदलना शुरू कर दिया। 2020-21 में (सितंबर तक) बाजार और बैंक उधारियों दोनों की हिस्सेदारी में थोड़ी बढ़त हुई (चार्ट VI.11)।

VI.25 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) एनबीएफसी के प्रमुख ऋणदाता बने रहे, जिसके बाद निजी क्षेत्र के बैंकों (पीवीबी) का क्रम आता है।

सारणी VI.7 एनबीएफसी की उधारियों के स्रोत

(₹ करोड़ में)

मद	मार्च 2019	मार्च 2020	सितंबर	प्रतिशत घट -बढ़	
	के अंत में	के अंत में	2020 के अंत में	2018-19	2019-20
1	2	3	4	5	6
1. डिबेंचर	9,19,314 (43.6)	9,40,499 (41.2)	9,15,293 (38.9)	3.4	2.3
2. बैंक उधारियां	6,26,495 (29.7)	7,08,035 (31.0)	7,34,322 (31.2)	50.3	13.0
3. वित्तीय संस्थानों से उधारियां	40,759 (1.9)	73,811 (3.2)	1,16,443 (4.9)	27.2	81.1
4. अंतर-कॉर्पोरेट उधारियां	75,805 (3.6)	78,288 (3.4)	81,044 (3.4)	33.1	3.3
5. वाणिज्यिक पत्र	1,59,158 (7.5)	70,066 (3.1)	89,065 (3.8)	9.5	-56.0
6. अन्य उधारियां	2,89,254 (13.7)	4,09,642 (18.0)	4,16,276 (17.7)	25.9	41.6
7. कुल उधारियां	21,10,785 (100.0)	22,80,341 (100.0)	23,52,444 (100.0)	19.3	8.0

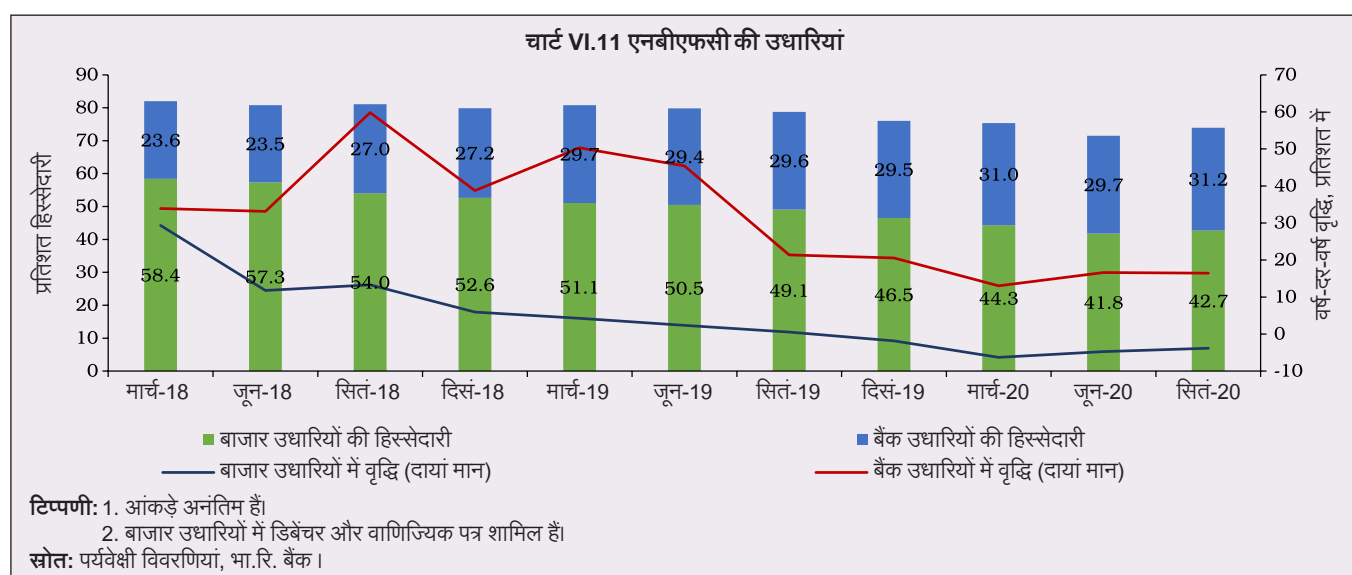
टिप्पणी: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल उधारियों में हिस्सेदारी को दर्शाते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि. बैंक।

2020-21 की पहली छमाही में निजी क्षेत्र के बैंकों ने एनबीएफसी को दिए जाने वाले उधार में वृद्धि दर्ज की (सारणी VI.8; चार्ट VI.12ए)।

VI.26 रिजर्व बैंक और सरकार द्वारा कोविड-19 से उत्पन्न बाधा को दूर करने के लिए किए गए विभिन्न उपायों से मार्च तथा



भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

सारणी VI.8 एनबीएफसी को बैंक द्वारा उधार (बकाया)

(₹ करोड़ में)

बैंक समूह	मार्च-18	जून-18	सितं-18	दिसं-18	मार्च-19	जून-19	सितं-19	दिसं-19	मार्च-20	जून-20	सितं-20
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	3,17,198	2,99,927	3,70,422	3,70,835	4,26,195	4,15,621	4,76,967	4,85,452	5,11,702	4,72,577	4,55,154
निजी क्षेत्र के बैंक	1,11,149	1,19,155	1,39,053	1,55,381	1,66,404	1,52,630	1,89,263	1,91,201	1,78,662	1,86,151	2,09,910
विदेशी बैंक समूह	22,921	29,605	31,280	34,427	30,844	36,944	39,094	38,462	41,964	40,638	37,289
लघु वित्त बैंक समूह-अनुसूचित	1,854	2,247	3,028	2,918	3,646	4,327	4,665	4,344	4,120	3,620	3,862
एससीबी	4,53,123	4,50,934	5,43,783	5,63,561	6,27,089	6,09,523	7,09,988	7,19,459	7,36,447	7,02,986	7,06,216

टिप्पणी: 1. आंकड़े अनतिम हैं।

2. विवरणियों में अंतर होने से, डेटा की पूर्णतया तुलना संभव नहीं है।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि. बैंक।

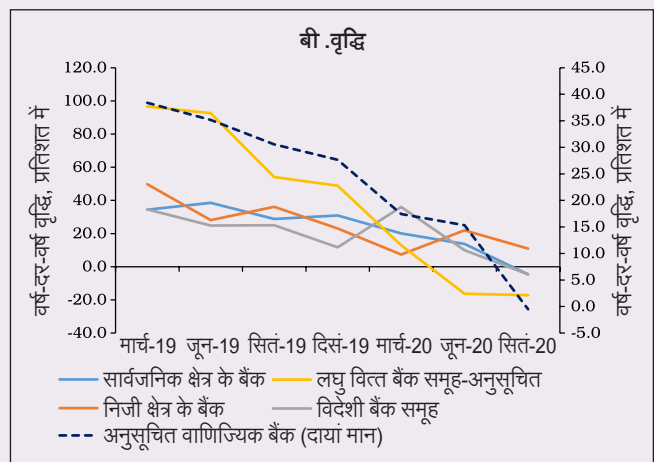
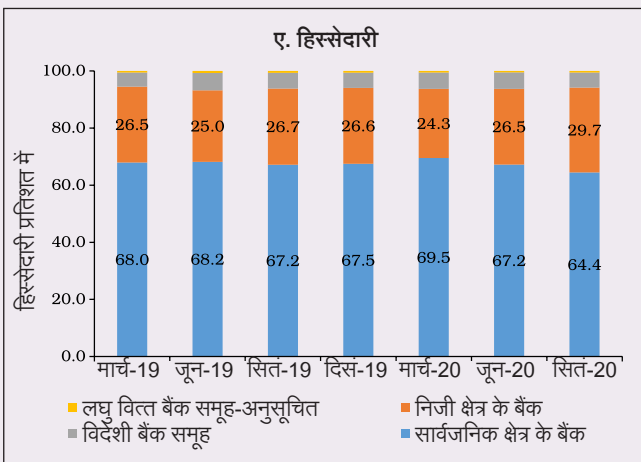
सितंबर 2020 के बीच निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा एनबीएफसी को दिए जाने वाले अग्रिमों में तेजी आई (चार्ट VI.12 बी)।

VI.27 बैंक एनबीएफसी को सीधे उधार देते हैं, और एनबीएफसी द्वारा जारी डिबेंचर तथा वाणिज्यिक पत्रों (सीपी) को भी खरीदते हैं। यद्यपि 2019-20 में, जोखिम विमुखता के मद्देनजर, एनबीएफसी के डिबेंचर और सीपी में बैंकों द्वारा अभिदान में गिरावट देखी गई। वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में, बैंकों द्वारा सीधे तौर पर एनबीएफसी को अधिक उधार दिए जाने तथा साथ ही, एनबीएफसी डिबेंचर में उनके निवेश के कारण एनबीएफसी में बैंकों का समग्र एक्सपोजर लगातार बढ़ता रहा, प्रचुर चलनिधि और आंशिक क्रेडिट गारंटी योजना

(पीसीजीएस), लक्षित दीर्घावधि रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ) तथा विशेष चलनिधि योजना (एसएलएस) के कारण एनबीएफसी के प्रति बाजार में विश्वास बहाल होने से वे मजबूत हुए। सितंबर 2020 में सीपी के जरिए एनबीएफसी को मिलने वाले उधार में वृद्धि ऋणात्मक बनी हुई थी, परंतु 2020-21 की पहली तिमाही में इसमें तेजी देखी गई (चार्ट VI.13 ए तथा बी)।

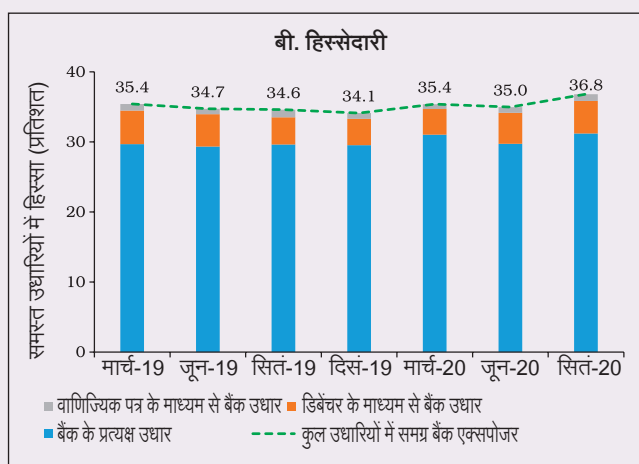
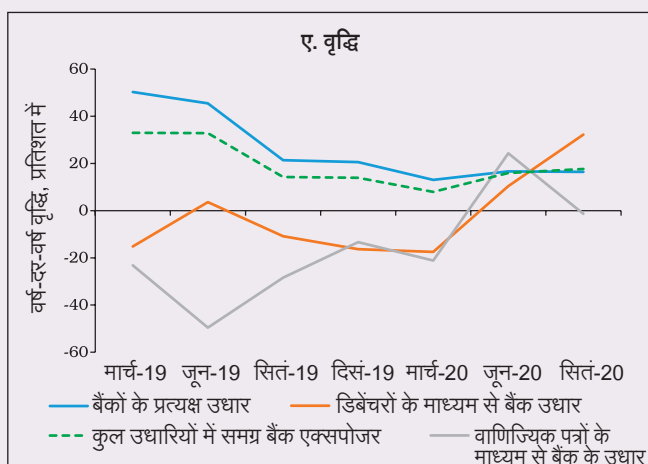
VI.28 निवेशकों का विश्वास निम्न बने रहने की पृष्ठभूमि के बीच, 2019-20 की चौथी तिमाही में, अपरिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के निजी आबंटन के निर्गमन के जरिए संसाधन जुटाने में मामूली गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में प्रणाली में अतिरिक्त चलनिधि आ जाने के कारण यह स्थिति पलट गई। इस स्थान पर मुख्य रूप से उच्च श्रेणी तथा बेहतर

चार्ट VI.12 एनबीएफसी को बैंकों द्वारा उधार, समूहवार



स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि. बैंक।

चार्ट VI.13 एनबीएफसी को बैंक ऋण के लिखत



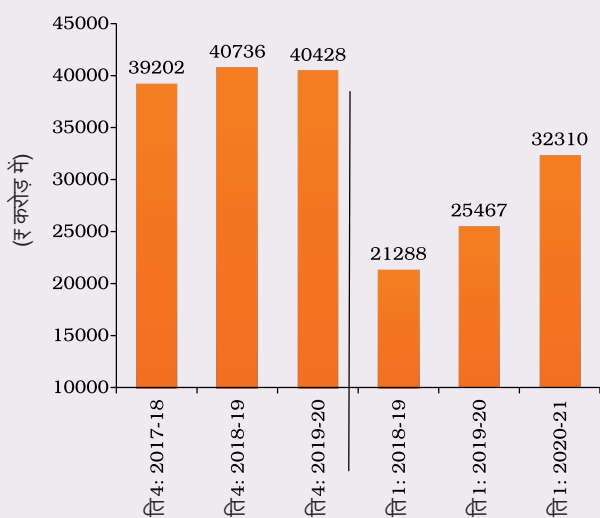
टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।
 स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, भा.रि. बैंक।

कार्यप्रणाली वाली एनबीएफसी का अधिग्रहण हो गया (चार्ट VI.14)।

VI.29 वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही में एए रेटेड एनबीएफसी की कूपन दरों में काफी नरमी आई। वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में बाजार में विश्वास वापस लौटने के साथ ही कूपनों और स्प्रेडों में 2019-20 की चौथी तिमाही के उनके स्तरों की तुलना में नरमी आई (चार्ट VI.15)।

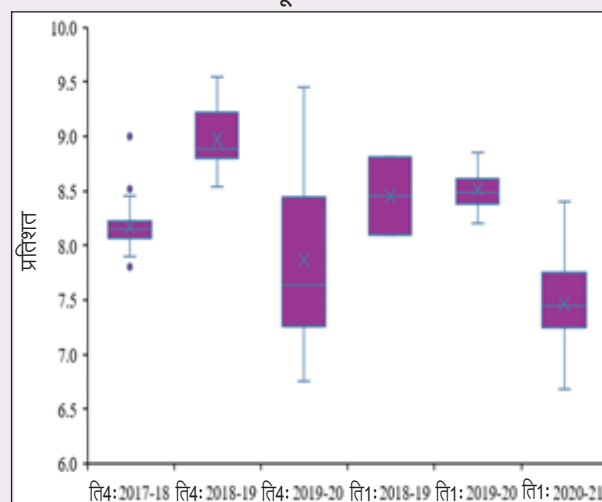
VI.30 वर्ष 2019-20 में एनबीएफसी की उधारियों में से सीपी की हिस्सेदारी में गिरावट रहने के बावजूद ये अभी भी कुल सीपी निर्गमों का लगभग एक तिहाई हिस्सा हैं (चार्ट VI.16ए)। कोविड-19 के कारण लगाए गए लॉकडाउन के तत्काल बाद अप्रैल 2020 में एनबीएफसी के सीपी निर्गमों में जबर्दस्त गिरावट आई जिसका आंशिक कारण 2019 की उसी अवधि की तुलना में कुछ बड़ी कंपनियों का कम मात्रा में धन जुटाना है जबकि जोखिम से बचने के कारण उधार दरों में हुई तेजी इसका बड़ा कारण है।

चार्ट VI.14: निजी एनबीएफसी का एनसीडी निजी स्थानन निर्गम



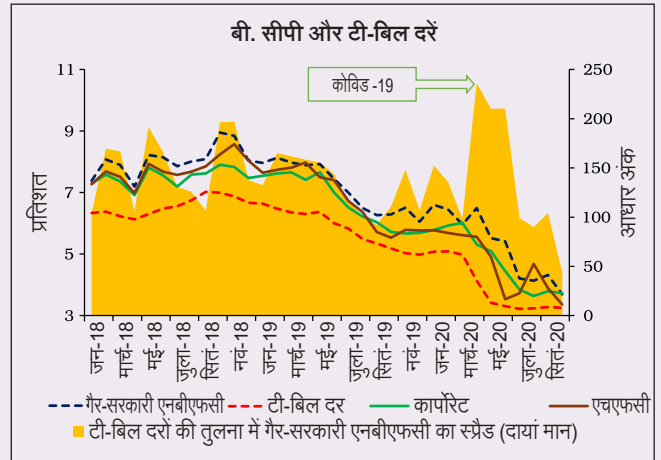
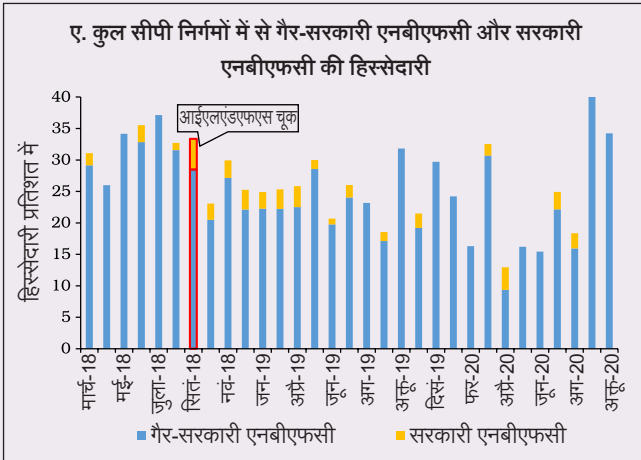
स्रोत: 1. स्टाफ गणनाएं।
 2. प्राइम डेटाबेस।

चार्ट VI.15 एए रेटेड निजी एनबीएफसी की तीन वर्षीय एनसीडी कूपन दरें



स्रोत: 1. स्टाफ गणनाएं।
 2. प्राइम डेटाबेस।

चार्ट VI.16 सीपी निर्गम और दरें



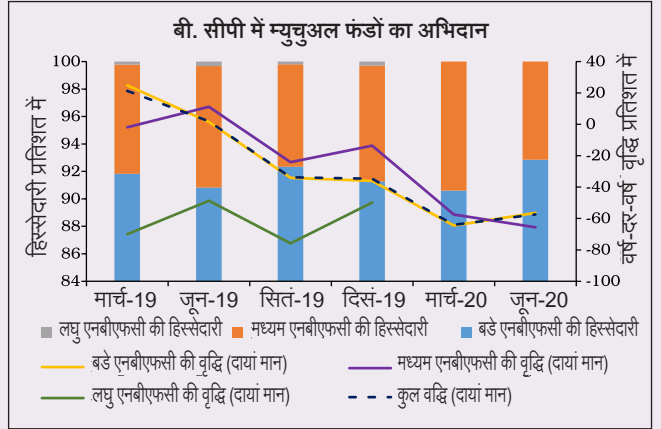
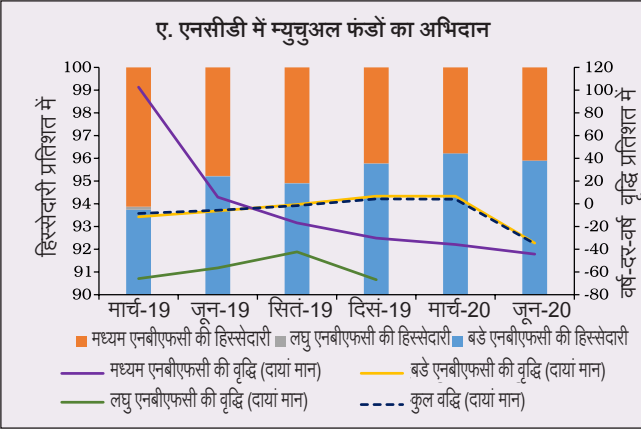
स्रोत: 1. पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।
2. भारतीय अर्थव्यवस्था संबंधी डेटाबेस, आरबीआई।

अप्रैल-मई 2020 की अवधि में गैर-सरकारी एनबीएफसी की सीपी दरों और खजाना बिल (टी- बिल्स) दरों के बीच स्प्रेड बढ़ गया (चार्ट VI.16 बी)। तदुपरांत, सामान्य स्थिति बहाल करने और निवेशकों के विश्वास को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार के साथ-साथ रिजर्व बैंक द्वारा किए गए नीतिगत हस्तक्षेपों से इस क्षेत्र में जुलाई 2020 से निर्गमों में वृद्धि के साथ-साथ दरों में भी नरमी आई।

रही और यह मुख्य तौर पर कुछ बड़ी और अच्छी रेटिंग वाली एनबीएफसी तक सीमित थी। वर्ष 2019-20 की दूसरी छमाही से मध्यम आकार वाली एनबीएफसी के एनसीडी में म्युचुअल फंडों के अभिदान में गिरावट रही। बाजार में मौजूद निराशा और चलनिधि दबावों के कारण सीपी के मामलों में म्युचुअल फंडों का विश्वास कम रहा। म्युचुअल फंडों का लघु एनबीएफसी के एनसीडी और सीपी में बहुत कम हिस्सा होने के बावजूद वे मार्च 2020 और जून 2020 में कोविड-19 के कारण बढ़े हुए जोखिम से बचने के लिए इससे बाहर हो गए (चार्ट VI.17)।

VI.31 एनबीएफसी के पेपरों में म्युचुअल फंडों के विश्वास में हो रही कमी 2019-20 और 2020-21 (जून 2020 तक) जारी

चार्ट VI.17 एनबीएफसी क्षेत्र में म्युचुअल फंडों का एक्सपोजर



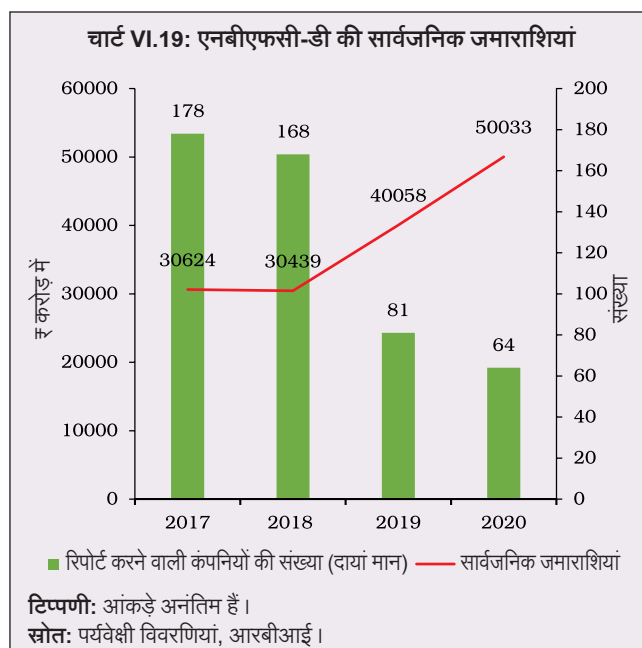
टिप्पणी: 1. आस्तित् आकार के आधार पर; बड़े एनबीएफसी जिनके पास ₹ 5000 करोड़ से अधिक, मध्यम एनबीएफसी जिनके पास ₹ 5000 करोड़ से ₹ 500 करोड़ के बीच और लघु एनबीएफसी जिनके पास ₹ 500 करोड़ से कम की आस्तित् हो।
2. आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

VI.32 इस क्षेत्र की विदेशी देयताओं में, विशेष रूप से बांडों और डिबेंचरों के माध्यम से, बढ़ोतरी जारी रही। रिज़र्व बैंक की बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) मानदंडों में ढिलाई की नीति से एनबीएफसी को ईसीबी रूट के माध्यम से निधियां प्राप्त करने में सहायता मिली। एनबीएफसी द्वारा दर्शाए गए उच्च प्रतिफलों के कारण विदेशी निवेशकों ने रुचि प्रदर्शित की, जबकि हेजिंग समेत कम समग्र लागत ने एनबीएफसी को इस माध्यम (विंडो) का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, 2020-21 की पहली छमाही में विदेशी देयताओं में गिरावट देखी गई जिसका आंशिक कारण ईसीबी के प्रति नगण्य रुचि होना था (चार्ट VI.18)।

2.5 एनबीएफसी-डी: जमाराशियां

VI.33 एनबीएफसी द्वारा जमाराशि जुटाने में तेज गति से प्रगति हुई हालांकि जमाराशियां स्वीकार करने हेतु प्राधिकृत कंपनियों की संख्या 2017-18 में 168 से घटकर 2018-19 में 81 और 2019-20 में 64 हो गई (चार्ट VI.19)। एनबीएफसी-डी ने मोटे तौर पर 1-3 वर्षीय परिपक्वता बकेट की सावधि जमाराशियां जुटाई जो भविष्य के हिसाब से उनके एएलएम प्रोफाइल के लिए अच्छा है (चार्ट VI.19)।

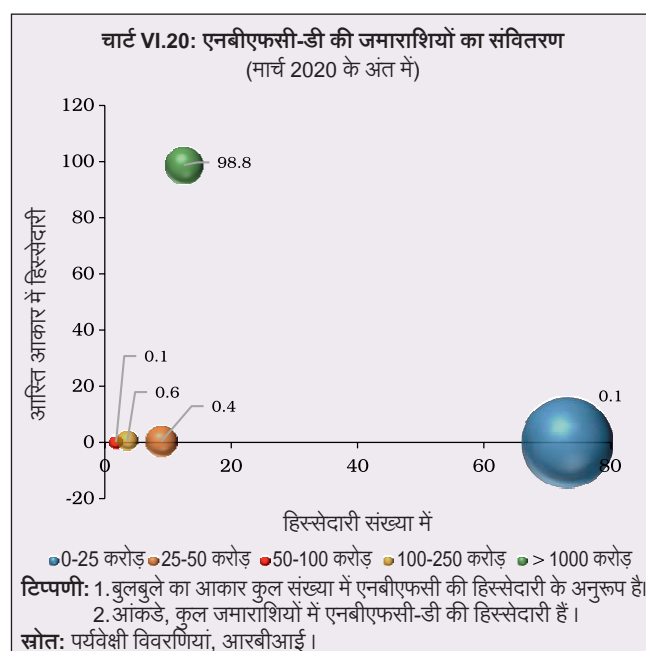
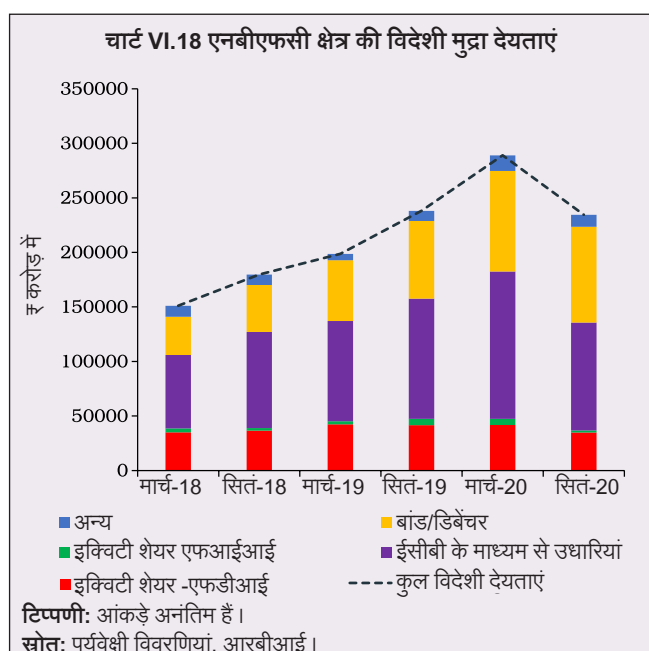
VI.34 एनबीएफसी-डी में अधिकांश हिस्सा कुछ बड़ी संस्थाओं का है – 87.5 प्रतिशत एनबीएफसी-डी ने कुल



जमाराशियों का केवल 1.2 प्रतिशत जुटाया और इन सभी संस्थाओं का न्यूनतम जमा ₹ 250 करोड़ से भी कम था (चार्ट VI.20)।

2.6 आस्ति बिक्री और प्रतिभूतिकरण

VI.35 एनबीएफसी द्वारा की जाने वाली आस्ति बिक्री और प्रतिभूतिकरण दोनों में ही बैंकों की भूमिका अहम है। एनबीएफसी



भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

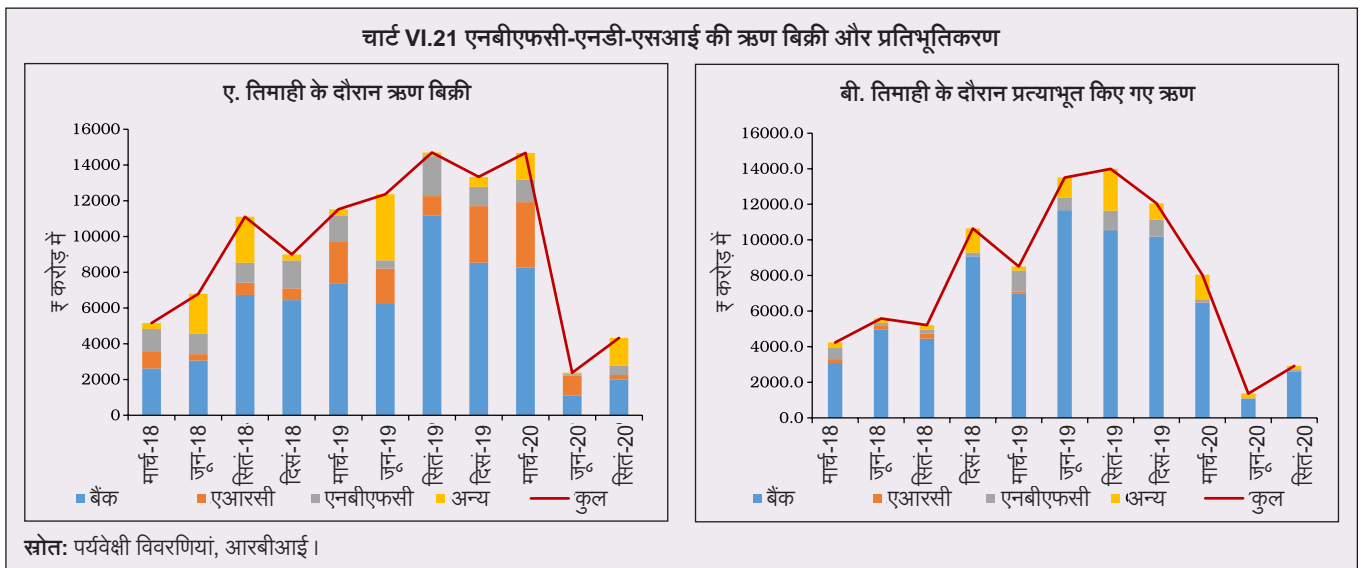
से क्रय करने वाली आस्तियों से बैंकों को अपने तुलनपत्र में विविधता लाने में सहायता मिलती है जबकि एनबीएफसी को उनके तुलन पत्र पर और अधिक लीवरेजिंग के बगैर ही उच्च नकद प्रवाह का लाभ मिलता है। वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही के दौरान एनबीएफसी-एनडी-एसआई की ऋण बिक्री की मात्रा प्रतिभूतिकरण की मात्रा से अधिक थी। ऋण चुकौती पर अधिस्थगन के चलते चुकौती प्रभावित हुई, जिससे पूलड आस्तियों की मांग कम हो गई और इस कारण 2020-21 की पहली तिमाही में आस्ति बिक्री और प्रतिभूतिकरण में गिरावट आई। वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में इसमें सुधार हुआ (चार्ट VI.21)।

2.7 एनबीएफसी का आस्ति और देयता प्रोफाइल

VI.36 एनबीएफसी ने धीरे-धीरे अपने उधार प्रोफाइल को बदला है और जैसा कि पहले ही उल्लेख किया जा चुका है, अल्पकालिक उधारियों को दीर्घकालिक उधारियों में बदल दिया है। एनबीएफसी/एचएफसी के अस्थायी चलनिधि असंतुलन को कम करने के लिए केंद्रीय बजट 2019-20 में आंशिक क्रेडिट गारंटी योजना (पीसीजीएस) की घोषणा की गई थी। वित्तीय रूप से सुदृढ़ ऐसी एनबीएफसी / एचएफसी, जिनकी पहली हानि आस्तियों के वास्तविक मूल्य के 10 प्रतिशत तक अथवा ₹10,000 करोड़, जो भी न्यूनतम हो तक सीमित हो, से पूलित आस्तियों की खरीद करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सरकारी गारंटी प्रदान करना पीसीजी का उद्देश्य था। एचएफसी

की तुलना में पीसीजीएस के तहत पीएसबी द्वारा पूलित आस्तियों की खरीद में एनबीएफसी का हिस्सा अधिक था और एए रेटिंग वाली अधिकांश आस्तियों का ही क्रय किया गया जबकि इस योजना में बीबीबी+ तक की रेटिंग वाली पूलित आस्तियों को खरीदने की अनुमति है। लगातार जोखिम से बचने और कोविड-19 के संयोजन के कारण पिछली अवधि की तुलना में मार्च 2020 में एक माह और 6 माह की अल्पावधिक परिपक्वता विंडो में आस्ति-देयता के बीच असंतुलन देखा गया। आस्ति और देयता असंतुलन का प्रबंधन करने के लिए रिजर्व बैंक और भारत सरकार ने एनबीएफसी को नीतिगत सहायता प्रदान की। टीएलटीआरओ विशिष्ट रूप से एनबीएफसी के एक से तीन वर्ष की परिपक्वता के निवेश ग्रेड वाले पेपर में बैंकों के निवेश में सहायता प्रदान करता है, सरकार द्वारा शुरू की गई ₹ 30,000 करोड़ की चलनिधि योजना ने विशेष प्रयोजन के माध्यम से अल्पावधि कर्ज के अधिग्रहण की सुविधा प्रदान की। अच्छे रेटेड बड़े एनबीएफसी ने टीएलटीआरओ रूट के माध्यम से थोक में निधियां जुटाई हैं (बॉक्स VI.1)। विशेष चलनिधि योजना (एसएलएस) के अंतर्गत मुख्य रूप से सीपी के माध्यम से ₹7,126 करोड़ संवितरित किए गए, जिनमें से 53 प्रतिशत हिस्सा एनबीएफसी को गया और शेष एचएफसी को गया। टीएलटीआरओ के मामले में एसएलएस रूट के माध्यम से निवेश अच्छे रेटेड सीपी और एनसीडी में किया गया। अन्यथा शोधक्षम एनबीएफसी / एचएफसी / एमएफआई की अस्थायी चलनिधि असंतुलन के समाधान हेतु उन्हें अतिरिक्त चलनिधि उपलब्ध

चार्ट VI.21 एनबीएफसी-एनडी-एसआई की ऋण बिक्री और प्रतिभूतिकरण



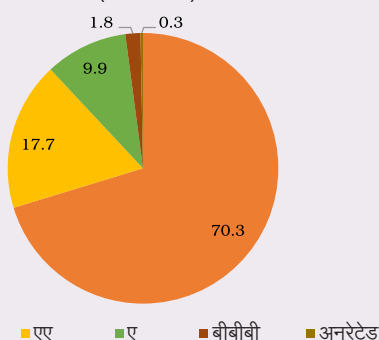
बॉक्स VI.1 टीएलटीआरओ निधियों का संवितरण

कोविड -19 के कारण आए व्यवधानों को दूर करने के लिए रिजर्व बैंक ने चलनिधि की कमी और बाजार तक सीमित पहुँच का सामना करने वाले क्षेत्रों और संस्थाओं को प्रणाली-स्तर की चलनिधि के साथ-साथ लक्षित चलनिधि प्रदान करने के उद्देश्य से लक्षित दीर्घावधिक रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ) को शुरू किया।

टीएलटीआरओ निधियों के संवितरण के एक अध्ययन से पता चलता है कि एनबीएफसी और एचएफसी द्वारा ₹ 76,843 करोड़* का अनुरोध किया गया है, जिसमें से अस्सी प्रतिशत हिस्सा संवितरित किया जा चुका है। एनबीएफसी ने कुल संवितरण का 60 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त किया। जमा स्वीकार न करने वाली एनबीएफसी विशेष रूप से एनबीएफसी-एनडी-एसआई प्रमुख लाभार्थी हैं (चार्ट 1 ए)। एनबीएफसी-एनडी-एसआई के भीतर निवेश और ऋण कंपनियों (एनबीएफसी-आईसीसी) और इंफ्रास्ट्रक्चर वित्त कंपनियों (आईएफसी) ने निधियों का 88 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त किया। इसके अलावा, एक रेटिंग-वार विश्लेषण से पता चलता है कि ये अच्छी रेटेड फर्म थीं जिसमें एएए और एए-रेटेड कंपनियों ने संवितरण का 88 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त किया (चार्ट 1 बी)।

एनबीएफसी-एनडी-एसआई, जिन्होंने टीएलटीआरओ निधीयन प्राप्त किया, की एनबीएफसी क्षेत्र में 57.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इन फर्मों का जीएनपीए

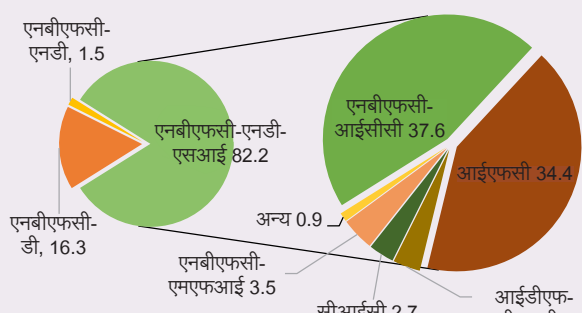
चार्ट 1बी: कुल संवितरण में एनबीएफसी का रेटिंग-वार हिस्सा (प्रतिशत में)



स्रोत: पर्यवेक्षी डेटा पर आधारित स्टाफ गणनाएं और प्राईम डेटाबेस।

अनुपात भी कम था और अन्य एनबीएफसी-एनडी-एसआई की तुलना में बेहतर पूंजीकृत थे (चार्ट 2)। कोविड -19 के कारण आए व्यवधानों से निपटने और एनबीएफसी क्षेत्र की आघात-सहनियता में सुधार लाने में टीएलटीआरओ रिजर्व बैंक के तरकश में से एक उपयोगी तीर साबित हुआ।

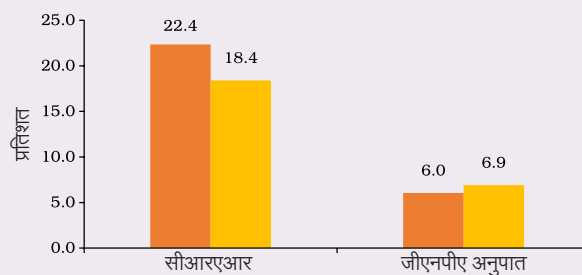
चार्ट 1ए: एनबीएफसी की श्रेणियों के बीच टीएलटीआरओ निधियों का संवितरण (प्रतिशत में)



स्रोत: पर्यवेक्षी डेटा पर आधारित स्टाफ गणनाएं।

*04 सितंबर 2020 की स्थिति।

चार्ट 2. टीएलटीआरओ एनबीएफसी-एनडी-एसआई के सुदृढता संकेतक (मार्च 2020 के अंत में)



स्रोत: पर्यवेक्षी डेटा पर आधारित स्टाफ गणनाएं।

करवाते हुए उनकी आस्तियों की आपात बिक्री टालने के लिए आंशिक ऋण गारंटी योजना (पीसीजीएस) 2.0 मई 2020 में सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में आरंभ की गई थी। सितंबर 2020 में एनबीएफसी की चलनिधि संबंधी स्थिति को सुधारने में ये योजनाएं बहुत मददगार रहीं (चार्ट VI.22)।

2.8 एनबीएफसी का वित्तीय प्रदर्शन

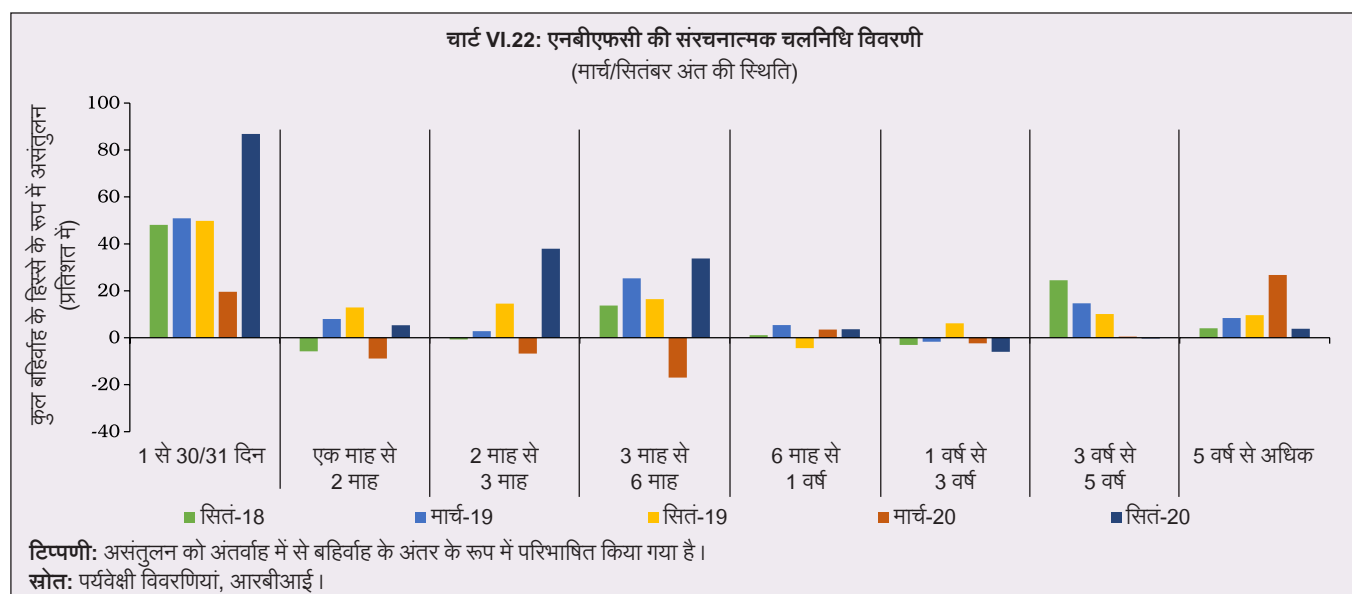
VI.37 वर्ष 2019-20 में एनबीएफसी की आय वृद्धि में गिरावट हुई परंतु एनबीएफसी-एनडी-एसआई की निधि आधारित आय के समर्थन से उनकी वृद्धि जारी रही। दूसरी ओर, मंदी के कारण

कारोबार की लागत में कटौती हुई जिससे उनके खर्चों में गिरावट आई। आईएलएंडएफएस संकट के बाद निम्न आधार प्रभावों और कम हुए लागत-आय अनुपात से एनबीएफसी के निवल लाभ में तीव्र सुधार देखा गया। इसके विपरीत, आय में कमी और बढ़ते हुए ब्याज भुगतानों और परिचालनगत व्ययों के कारण एनबीएफसी-डी के लाभों में गिरावट आने से हुई (सारणी VI.9, परिशिष्ट VI.4 और VI.5)।

2.9 लाभप्रदता

VI.38 एनबीएफसी क्षेत्र की लाभप्रदता का सार तीन संकेतकों से प्रस्तुत किया जा सकता है; आस्तियों पर प्रतिफल (आरओए);

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20



इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई); और निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम)। 2019-20 में आरओए और आरओई में सुधार को, आईएलएंडएफएस घटना के कारण 2018-19 में आधार में हुई कमी के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। एनबीएफसी-डी के मामले में आरओए और आरओई में कमी रही। दोनों श्रेणियों में एनआईएम स्थिर रहा (चार्ट VI.23)। 2020-21 में अब तक,

एनबीएफसी-एनडी-एसआई के आरओए और आरओई ने सुधार दर्ज किया, जबकि एनबीएफसी-डी के मामलों में गिरावट हुई। इस अवधि के दौरान दोनों श्रेणियों का एनआईएम मामूली रूप से कम हुआ।

VI.39 एनबीएफसी-एनडी-एसआई की विभिन्न श्रेणियों में से एनबीएफसी-आईसीसी के लाभप्रदता संकेतकों में खर्चों में हुई

सारणी VI.9: एनबीएफसी क्षेत्र के वित्तीय मापदंड

(₹ करोड़ में)

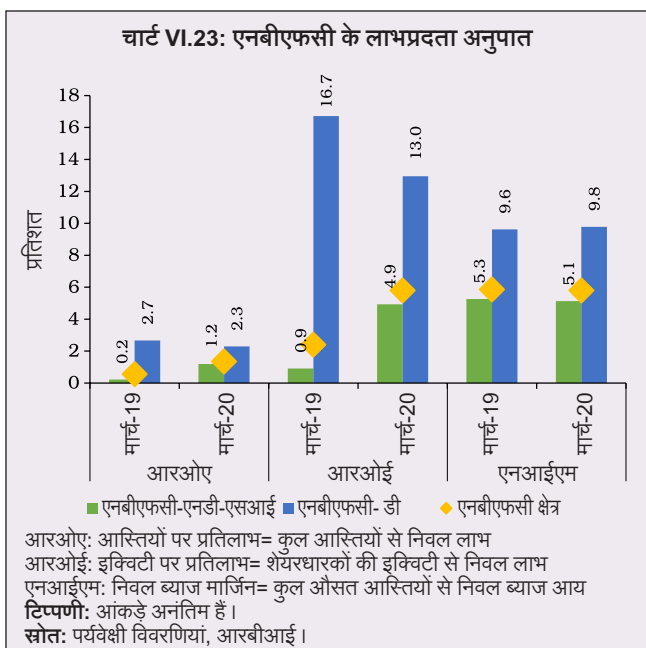
मद	2018-19			2019-20			छ1: 2020-21		
	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ए. आय	3,39,057 (13.9)	2,77,589 (11.0)	61,468 (28.9)	3,82,800 (12.9)	3,12,326 (12.5)	70,475 (14.7)	1,88,357 (1.7)	1,56,515 (3.9)	31,842 (-7.9)
बी. व्यय	2,99,104 (25.9)	2,54,428 (26.9)	44,676 (20.5)	3,19,285 (6.7)	2,64,387 (3.9)	54,898 (22.9)	1,36,943 (-3.9)	1,10,857 (-5.0)	26,086 (1.0)
सी. निवल लाभ	17,106 (-59.4)	5,881 (-83.3)	11,226 (61.2)	45,720 (167.3)	34,608 (488.5)	11,113 (-1.0)	42,391 (33.9)	38,125 (49.3)	4,266 (-30.3)
डी. कुल आस्तियां	31,12,899 (20.6)	26,91,076 (20.1)	4,21,823 (23.7)	33,89,267 (8.9)	29,03,886 (7.9)	4,85,381 (15.1)	35,85,854 (12.1)	30,87,817 (12.5)	4,98,037 (9.7)
ई. वित्तीय अनुपात (कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)									
(i) आय	10.9	10.3	14.6	11.3	10.8	14.5	5.3	5.1	6.4
(ii) व्यय	9.6	9.5	10.6	9.4	9.1	11.3	3.8	3.6	5.2
(iii) निवल लाभ	0.5	0.2	2.7	1.3	1.2	2.3	1.2	1.2	0.9
एफ. लागत-आय अनुपात (प्रतिशत)	88.2	91.7	72.7	83.4	84.7	77.9	72.7	70.8	81.9

टिप्पणी: 1 आंकड़ें अनंतिम हैं।

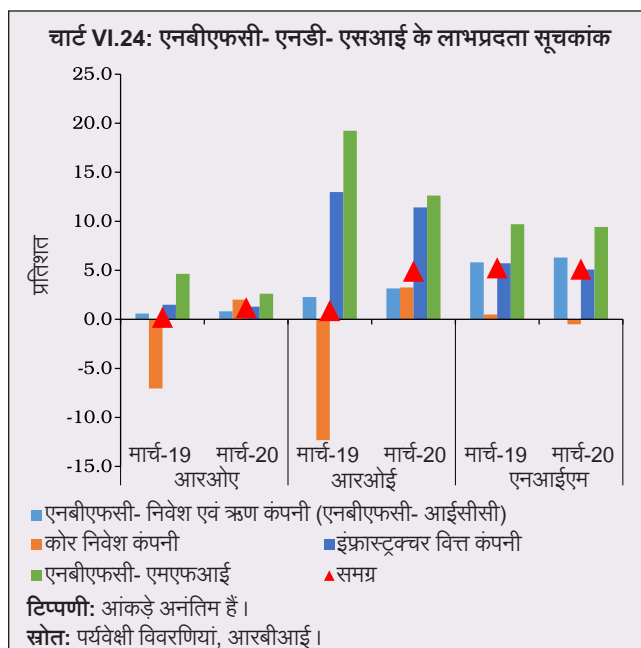
2 कोष्ठकों के आंकड़ें प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

चार्ट VI.23: एनबीएफसी के लाभप्रदता अनुपात



चार्ट VI.24: एनबीएफसी- एनडी- एसआई के लाभप्रदता सूचकांक



कमी के कारण सुधार देखा गया। संकटग्रस्त सीआईसी खंड में आईएलएंडएफएस संकट के 18 महीने बाद सुधार के संकेत मिले। इसके विपरीत, समीक्षाधीन अवधि में आईएफसी और एमएफआई की लाभप्रदता, आय की अपेक्षा व्यय ज्यादा होने के

कारण कम हो गई (चार्ट VI.24)।

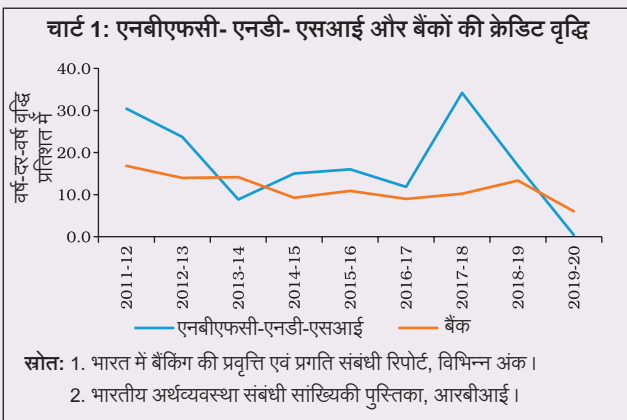
VI.40 आय अनुपात, निधीयन लागत, ऋण जोखिम और दक्षता एनबीएफसी-एनडी-एसआई की लाभप्रदता को काफी प्रभावित करती है (बॉक्स VI.2)।

बॉक्स VI.2 : एनबीएफसी-एनडी-एसआई की लाभप्रदता के संचालक

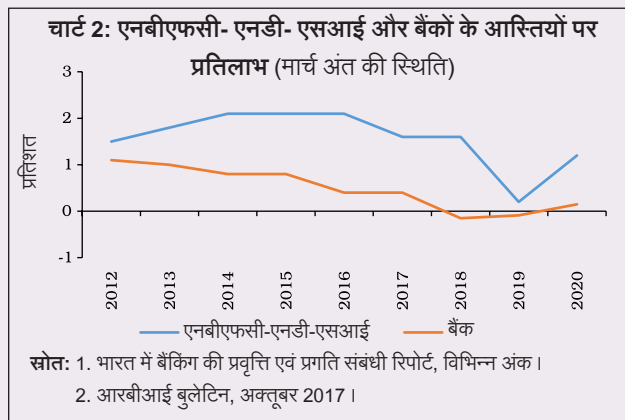
अनूठे कारोबारी मॉडल को देखते हुए हाल के दिनों में एनबीएफसी ने बढ़ी हुई जोखिम विमुखता और खराब होती आस्ति गुणवत्ता के बावजूद मजबूत लाभप्रदता अनुपात दर्ज किया है। हाल ही तक एनबीएफसी के ऋण

पोर्टफोलियो में सुदृढ़ वृद्धि देखी गई जिसने मजबूत आस्ति गुणवत्ता (एससीबी की तुलना में) के साथ-साथ एससीबी की तुलना में लाभप्रदता में योगदान दिया (चार्ट 1 और 2)।

चार्ट 1: एनबीएफसी- एनडी- एसआई और बैंकों की क्रेडिट वृद्धि



चार्ट 2: एनबीएफसी- एनडी- एसआई और बैंकों के आस्तियों पर प्रतिलाभ (माघ अंत की स्थिति)



(आगे जारी..)

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

2011 की चौथी तिमाही से 2019 की चौथी तिमाही की अवधि का समष्टि-आर्थिक आंकड़ों और 149 एनबीएफसी-एनडी-एसआई के असंतुलित तिमाही आंकड़ों पर नियत प्रभाव पैरल का आकलन निम्नलिखित समीकरण के साथ किया गया था:

$$\begin{aligned} \text{लाभप्रदता}_{\text{एनबीएफसी}_t} &= \beta_1 \text{एनबीएफसी_कारोबारवृद्धि}_{it} + \beta_2 \text{Ln आस्तियां}_{it} + \beta_3 \text{आय_अनुपात}_{it} \\ &+ \beta_4 \text{पूँजी_आस्तियां_अनुपात}_{it} + \beta_5 \text{चलनिधि}_{it} - \beta_6 \text{ऋण जोखिम}_{it} - \beta_7 \text{दक्षता}_{it} \\ &- \beta_8 \text{निधायन_लागत}_{it} - \beta_9 \text{प्रभावी_कर_दर}_{it} + \beta_{10} \text{एचएचआई}_{it} + \beta_{11} \text{जीडीपी_वृद्धि}_{t-1} \\ &+ \beta_{12} \text{मुद्रास्फीति}_{it} + \epsilon_{it} \end{aligned}$$

एनबीएफसी के विशिष्ट कारकों में, आय अनुपात (कुल आस्तियों पर कुल आय) और निधायन लागत (कुल उधारियों पर ब्याज व्यय) एनबीएफसी की लाभप्रदता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऋण जोखिम (कुल ऋण के लिए ऋण हानि प्रावधान) और दक्षता (कुल आय के लिए परिचालन लागत का अनुपात) नकारात्मक प्रभाव डालते हैं, जैसा कि अपेक्षित था-अतिरिक्त प्रावधानीकरण ऋण देने और निवेश के लिए निधि की उपलब्धता कम कर देता है और बढ़ी हुई वेतन और प्रशासनिक लागत लाभ कम कर देती है। एनबीएफसी कारोबार (क्रेडिट प्लस निवेश) ने सकारात्मक रूप से लाभप्रदता (सारणी 1) को प्रभावित किया। पूंजीगत आस्ति अनुपात और चलनिधि (कुल आस्ति के लिए नकद और बैंक शेष) महत्वपूर्ण नहीं पाए गए।

उद्योग संबंधी विशिष्ट कारकों में, कर की प्रभावी दर- जिसे कर-पूर्व लाभ से भुगतान किए गए कर द्वारा विभाजन के रूप में परिभाषित किया गया है- जैसा कि अपेक्षित था, लाभ पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। समष्टि-आर्थिक नियंत्रण चरों के मामले में, प्रति कारणत्व और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए रिवर्स जीडीपी ग्रोथ के साथ नाममात्र जीडीपी ग्रोथ को रिवर्स करणीयता और मुद्रास्फीति के लिए नियंत्रित करने के लिए अंतराल के साथ ली गई नामिक जीडीपी वृद्धि ने आरओई को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया जो एनबीएफसी की लाभप्रदता की प्र-चक्रियता की महत्ता दर्शाता है। हरफिडल-हिरश्चमैन सूचकांक (एचएचआई) जो कि बाजार संकेद्रण के लिए प्रॉक्सि के रूप में लिया गया और एक तिमाही में प्रत्येक एनबीएफसी के बाजार शेयर के वर्गों के योग के रूप में परिभाषित किया गया, को एनबीएफसी की लाभप्रदता को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण नहीं पाया गया।

संक्षेप में, एनबीएफसी की लाभप्रदता को निर्धारित करने में आय अनुपात, निधायन लागत, ऋण जोखिम और दक्षता जैसे फर्म-विशिष्ट कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उद्योग और समष्टि चरों के बीच, प्रभावी कर दर, जीडीपी वृद्धि और मुद्रास्फीति भी लाभप्रदता के प्रमुख निर्धारक थे।

सारणी 1 : अनुमान

व्याख्यात्मक चर ↓	आश्रित चर →			
	(1) आरओए	(2) आरओए	(3) आरओई	(4) आरओई
एनबीएफसी कारोबार वृद्धि	0.000717*** (0.000)	0.000711*** (0.000)	0.00455*** (0.001)	0.00460*** (0.001)
आस्ति (लॉग)	-0.0493 (0.031)	-0.0312 (0.028)	0.108 (0.128)	0.120 (0.114)
आय अनुपात	0.261*** (0.021)	0.262*** (0.022)	1.082*** (0.081)	1.097*** (0.084)
कुल आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात	0.285 (0.270)	0.240 (0.274)	-1.377 (1.108)	-1.402 (1.145)
चलनिधि	0.00187 (0.003)	0.00173 (0.003)	0.000684 (0.010)	-0.00145 (0.011)
ऋण जोखिम	-0.0413*** (0.010)	-0.0444*** (0.010)	-0.172*** (0.042)	-0.189*** (0.044)
दक्षता	-0.0119*** (0.001)	-0.0119*** (0.001)	-0.0382*** (0.005)	-0.0385*** (0.005)
निधायन लागत	-0.185*** (0.027)	-0.183*** (0.027)	-0.722*** (0.105)	-0.738*** (0.107)
प्रभावी कर दर		-0.00247*** (0.001)		-0.00866*** (0.003)
एचएचआई		-1.845 (1.148)		-4.564 (4.518)
नाममात्र जीडीपी वृद्धि (एक अंतराल के साथ) मुद्रास्फीति दर		-0.000606 (0.004)		0.0296* (0.016)
		0.00140 (0.004)		-0.00243 (0.015)
अचर	0.883** (0.343)	0.835** (0.369)	0.137 (1.441)	0.256 (1.451)
एन	3180	3125	3180	3125
आर ²	0.376	0.376	0.361	0.356
समूहों की संख्या	149	149	149	149
एनबीएफसी के नियत प्रभाव	Yes	Yes	Yes	Yes
समय के नियत प्रभाव	Yes	No	Yes	No

कोष्ठक में मानक सुदृढ़ त्रुटियां
* $p < 0.10$, ** $p < 0.05$, *** $p < 0.01$

संदर्भ:

अथानासोग्लू, पी. पी., ब्रिस्मिस. एन., एंड डेलिस, एम. डी. (2008)। बैंक-स्पेसिफिक, इंडस्ट्री-स्पेसिफिक एंड मैक्रोइकानॉमिक डिटर्मिनेंट्स ऑफ बैंक प्रोफिटिबिलिटी। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंशियल मार्केट्स, इंस्टीट्यूशनल एंड मनी, 18 (2), 121-136।

डीट्रिच, ए. एंड वान्जेनरीड, जी. (2014)। द डिटर्मिनेंट्स ऑफ कमर्शियल बैंकिंग प्रोफिटिबिलिटी इन लो-मिडल, एंड हाई-इनकम कंट्रीज। द क्वाटर्ली रिव्यू ऑफ इकानॉमिक्स एंड फाइनेंस, 54 (3), 337-354।

कोहल्सशेन, ई., मर्सिया पाबोन, ए., एंड कॉन्ट्रास, जे. (2018)। डिटर्मिनेंट्स ऑफ बैंक प्रोफिटिबिलिटी इन इमिजिंग मार्केट्स। बीआईएस वर्किंग पेपर्स, नं. 686।

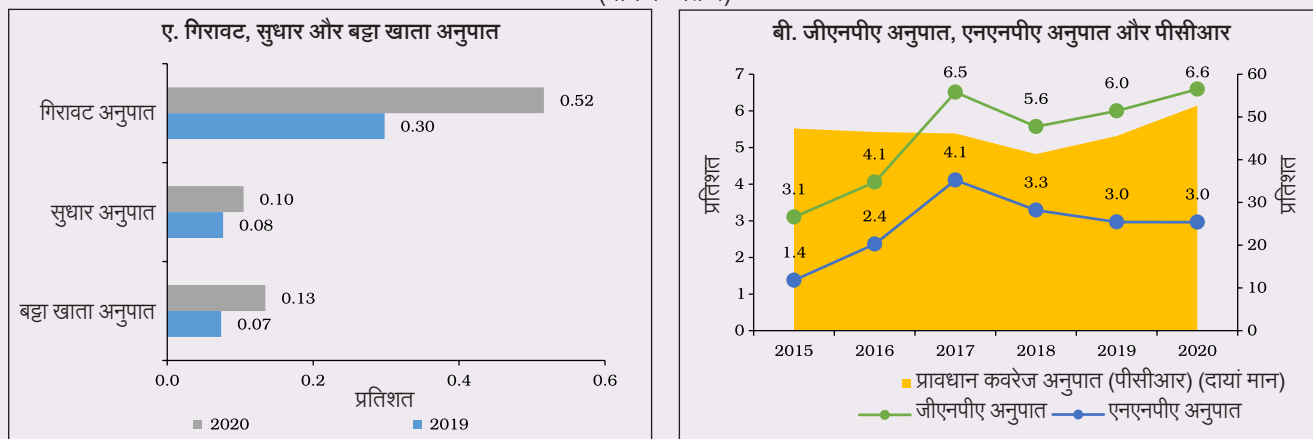
2.10 आस्ति गुणवत्ता

VI.41 वर्ष 2019-20 में ज्यादा गिरावट होने के कारण एनबीएफसी क्षेत्र की आस्ति गुणवत्ता खराब हो गई। हालांकि, एनबीएफसी द्वारा उनके तुलन पत्र साफ करने के प्रयत्न किए गए थे जो उनके बड़े खाते और वसूली अनुपातों से परिलक्षित होता है। विचाराधीन अवधि के दौरान एनएनपीए अनुपात स्थिर रहा

और प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) में सुधार हुआ (चार्ट VI.25)। आस्ति गुणवत्ता 2020-21 में (सितंबर तक) तीव्रता से खराब हुई।

VI.42 वह अवधि जिसमें आस्ति अनर्जक बन जाती है, उसके आधार पर एनपीए को अवमानक, संदिग्ध और हानि आस्तियों में वर्गीकृत किया जाता है। 2018-19 से मानक

चार्ट VI.25: एनबीएफसी के चुनिंदा आस्ति गुणवत्ता संकेतक
(मार्च के अंत में)



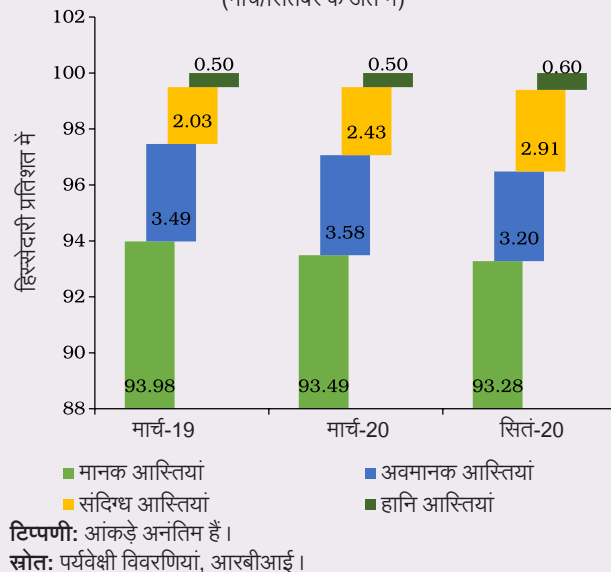
टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

आस्तियों के अनुपात में गिरावट आई है क्योंकि उनका दर्जा घटकर अवमानक श्रेणी हो गया था। 2019-20 में संदिग्ध आस्तियों में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि हानि आस्तियों का हिस्सा स्थिर रहा (चार्ट VI.26)। 2020-21 की पहली छमाही में जैसे ही संदिग्ध और हानि आस्तियों के हिस्से में बढ़ोतरी हुई, मानक आस्तियां और कम हो गईं।

VI.43 एनबीएफसी-आईसीसी की बिगड़ती आस्ति गुणवत्ता के कारण एनबीएफसी-एनडी-एसआई का जीएनपीए अनुपात 2019-20 में खराब हो गया। जैसाकि प्रमुख सरकारी एनबीएफसी की दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान में दिखा, आईएफसी ने अपने जीएनपीए अनुपात में सुधार दर्ज किया। एनबीएफसी-एमएफआई ने आस्ति गुणवत्ता में और सुधार दर्ज किया जो एमएफआई ऋण पोर्टफोलियो की अंतर्निहित मजबूत गुणवत्ता को दर्शाता है (चार्ट VI.27 ए)। एनबीएफसी-एनडी-एसआई का एनएनपीए अनुपात स्थिर रहा जो बेहतर प्रावधानों को दर्शाता है, हालांकि, आईसीसी का एनएनपीए अनुपात बढ़ गया था। दूसरी ओर, आईएफसी और एनबीएफसी-एमएफआई के एनएनपीए अनुपात में गिरावट आई, जिसमें से एनबीएफसी-एमएफआई ने मार्च 2020 के अंत में एनएनपीए नहीं दर्शाया है (चार्ट VI.27 बी)। 2020-21 की पहली छमाही में एनबीएफसी-

चार्ट VI.26: एनबीएफसी की आस्तियों का वर्गीकरण
(मार्च/सितंबर के अंत में)



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

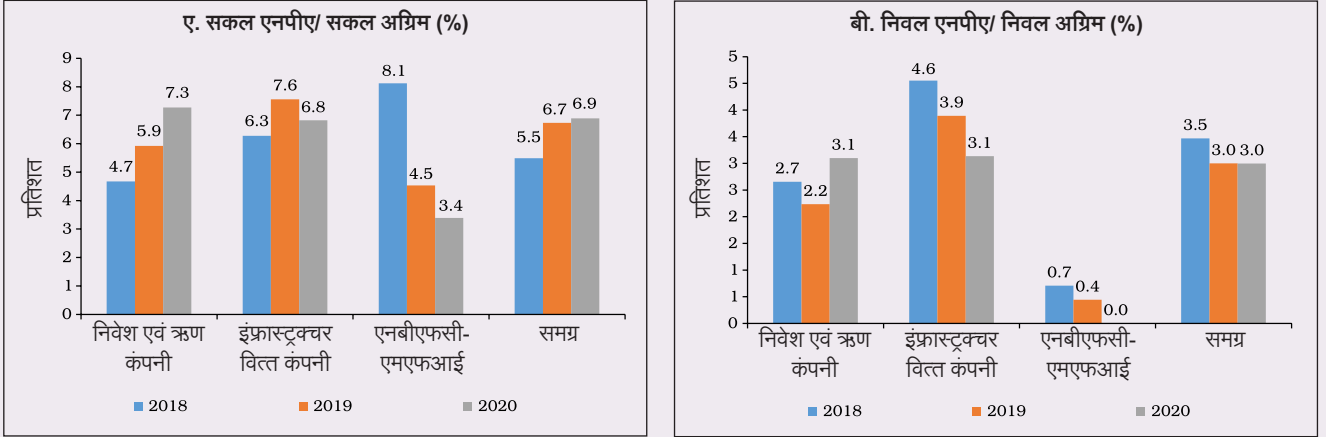
एनडी-एसआई के जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात में बढ़ोतरी हुई।

VI.44 एनबीएफसी-एनडी-एसआई की दबावग्रस्त आस्तियों⁵ के क्षेत्रगत परिदृश्य से पता चलता है कि जो उद्योग एनबीएफसी उधार का सबसे बड़ा लाभार्थी है पारंपरिक रूप से दबावग्रस्त

⁵ दबावग्रस्त आस्तियां = एनपीए + पुनर्चित ऋण

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

चार्ट VI. 27 एनबीएफसी- एनडी- एसआई के एनपीए
(मार्च के अंत में)



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

आस्तियों में उसी का हिस्सा सबसे बड़ा है। सेवा क्षेत्र का संकट, विशेष रूप से सेवा क्षेत्र ऋणों और अग्रिमों का 34.7 प्रतिशत के साथ वाणिज्यिक स्थावर संपदा, में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया क्योंकि 2019-20 में इसकी दबावग्रस्त आस्तियां इतनी तेजी से बढ़ी कि वे उद्योगव्यापी सीमा को भी पार कर गईं (चार्ट VI.28)। हालांकि, कोविड-19 के कारण सभी क्षेत्रों में हुई आर्थिक क्षति के मद्देनजर खुदरा ऋण श्रेणी में भी एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता

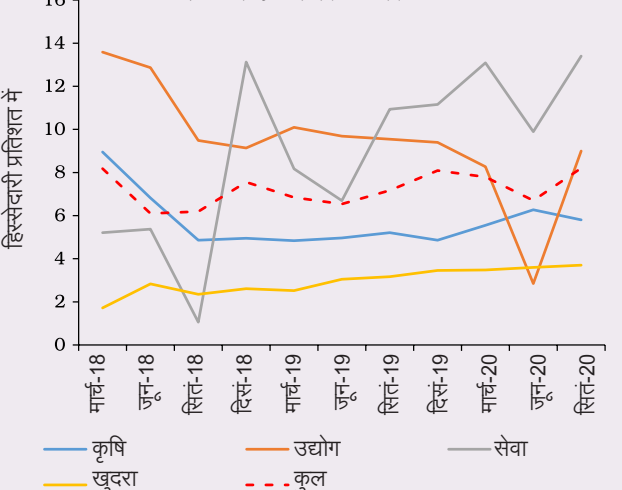
खराब हो सकती है, जिसे आमतौर पर दबावग्रस्त आस्तियों के सबसे कम हिस्से के साथ एक सुरक्षित आश्रय माना जाता है। इस संबंध में, रिजर्व बैंक ने 31 अगस्त 2020 तक ऋण चुकौती पर छह महीने के अधिस्थगन और उसके बाद एकमुश्त कर्ज पुनर्चना योजना की घोषणा की। ये कदम एनपीए में हो रही बढ़ोतरी को रोकने और वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र पर महामारी के प्रभावों को कम करने के लिए उठाए गए।

VI.45 आस्ति गुणवत्ता के मामले में एनबीएफसी-डी, एनबीएफसी-एनडी-एसआई से अधिक बेहतर है। संवितरणों में निरंतर वृद्धि की सहायता से 2019-20 में उनके जीएनपीए अनुपात में मामूली गिरावट आई। उनका एनएनपीए अनुपात भी स्थिर रहा (चार्ट VI.29)। उनकी आस्ति गुणवत्ता ने 2020-21 (सितंबर तक) में और सुधार दर्ज किया।

2.11 पूंजी पर्याप्तता

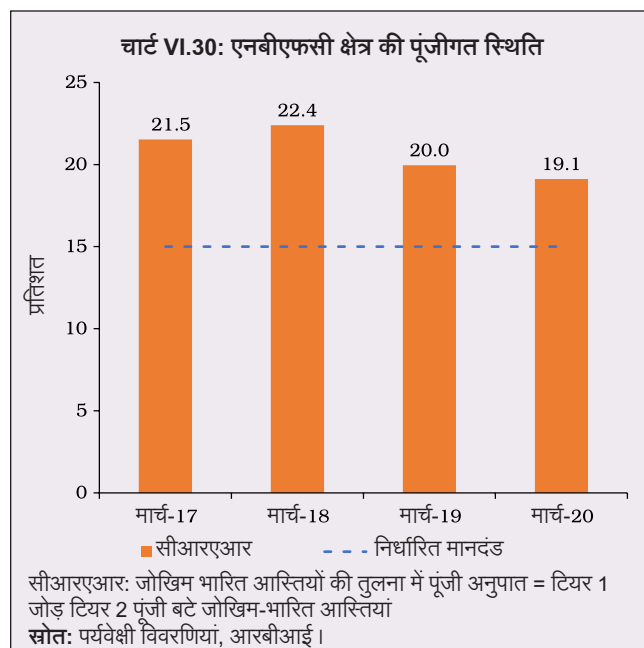
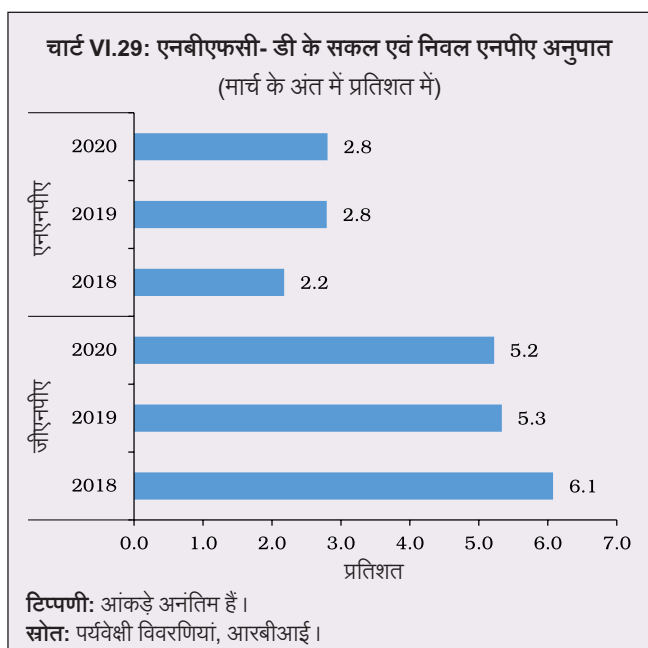
VI.46 एनबीएफसी का प्रणाली स्तर का पूंजी जोखिम भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर) एनपीए बढ़ने के कारण 2019-20 में मामूली रूप से कम हो गया। हालांकि, ये अच्छी तरह पूंजीकृत बने रहे (चार्ट VI.30), मार्च 2020 के अंत में इनकी टियर-1 पूंजी 16 प्रतिशत पर बरकरार रही जो 10 प्रतिशत की विनियामकीय अपेक्षाओं से कहीं अधिक थी।

चार्ट VI.28: एनबीएफसी- एनडी- एसआई की क्षेत्रवार दबावग्रस्त आस्तियां



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

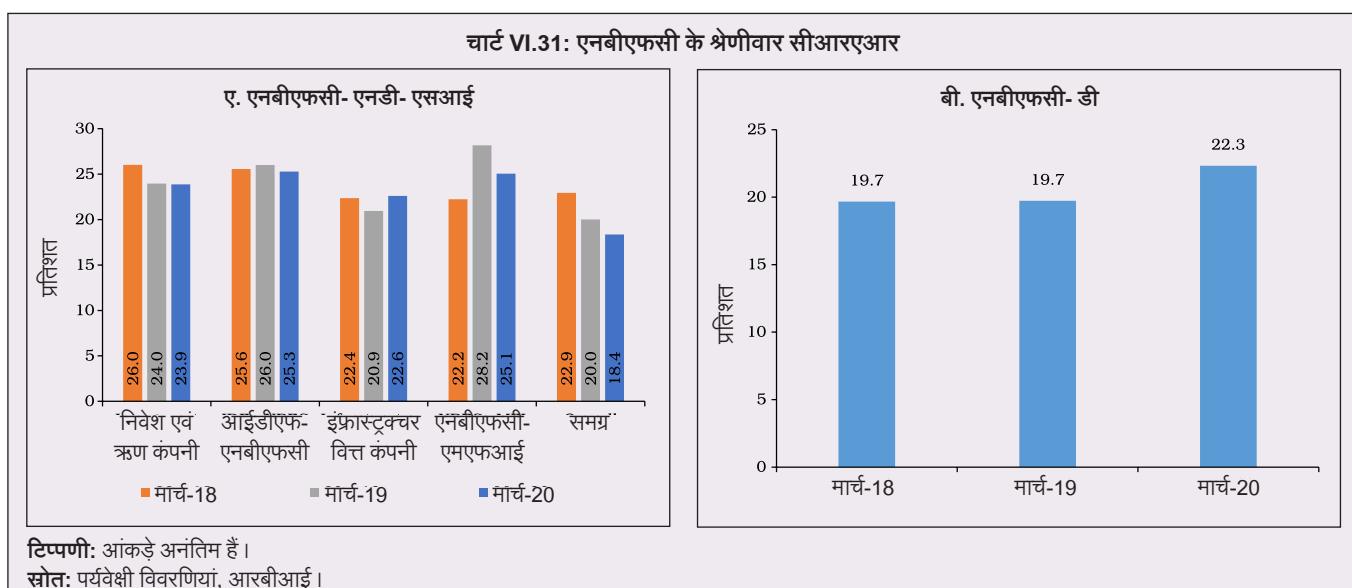


VI.47 एनबीएफसी-एनडी-एसआई के बीच टियर-1 पूंजी में हुई बढ़ोतरी से आईएफसी ने सुधार दर्ज किया। पूंजी में आई कमी और उनकी जोखिम-भारित आस्तियों में हुई वृद्धि के कारण एनबीएफसी-एमएफआई का सीआरएआर खराब हो गया (चार्ट VI.31ए)। दूसरी ओर, इक्विटी अंतर्वाह की सहायता से एनबीएफसी-डी के सीआरएआर में वृद्धि हुई जिससे उनका तुलन पत्र मजबूत हुआ (चार्ट VI.31बी)। एनबीएफसी-एनडी-

एसआई और एनबीएफसी-डी दोनों ने ही रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित पूंजी पर्याप्तता मानदंडों का पालन किया।

2.12 संवेदनशील क्षेत्रों में एक्सपोजर

VI.48 रिजर्व बैंक ने पूंजी बाजार, स्थावर संपदा और पण्यों को उनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न होने वाले जोखिमों के मद्देनजर उनकी संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में पहचान की है। इस क्षेत्र में निधीयन की कमी के कारण तनाव होने से एनबीएफसी



भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

लगातार स्थावर संपदा से अपना एक्सपोजर घटा रहे हैं। पूंजी बाजार एक्सपोजर में तेजी होने के बावजूद 2019-20 में स्थावर संपदा को दिए गए क्रेडिट में भी तीव्र गिरावट हुई। परिणामस्वरूप, संवेदनशील क्षेत्र एक्सपोजर में मामूली वृद्धि दर्ज की गई (चार्ट VI.32)।

2.13 अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनियों (आरएनबीसी)

VI.49 आरएनबीसी का प्रमुख कारोबार जमाराशियां प्राप्त करना और रिजर्व बैंक के निदेशों के अनुसार अनुमोदित प्रतिभूतियों में उनका नियोजन करना है। आरएनबीसी की संख्या 1998-99 से लगातार कम हो रही है, मार्च 2020 के अंत तक केवल एक ही आरएनबीसी कार्यरत रही, जो नई जमाराशियां स्वीकार नहीं कर रही है।

VI.50 सारांश में, आईएलएंडएफएस चूक के प्रभाव व नतीजतन चलनिधि दबावों और कमजोर समष्टि आर्थिक परिवेश से उपजी चुनौतियों जैसे प्रमुख कारणों से 2019-20 में एनबीएफसी क्षेत्र के तुलन पत्र के विस्तार की गति काफी कम हो गई। देयताओं की ओर से, निधीयन अंतराल को बैंक उधारियों से भरने के साथ बाजार उधारियों में गिरावट हुई। एनबीएफसी-

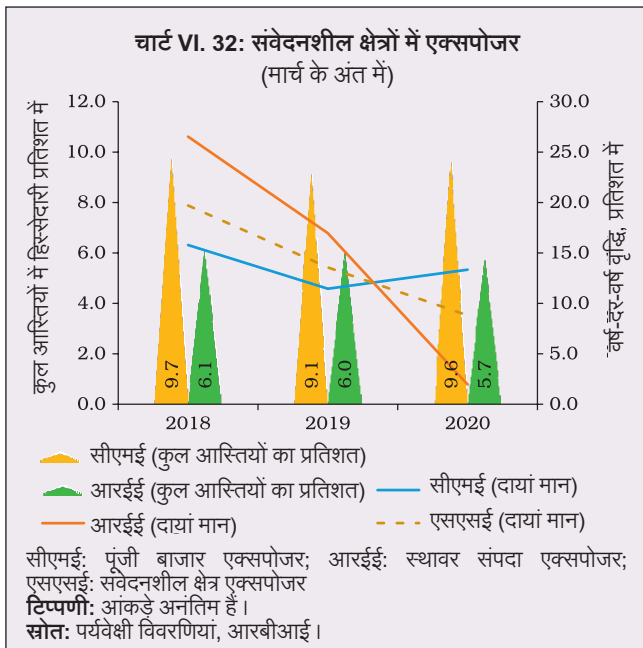
डी द्वारा जमा जुटाने में वृद्धि जारी रही। एनबीएफसी अच्छी तरह पूंजीकृत बने रहे और उनके आरओए और आरओई ने सुधार दर्ज किया। आस्ति गुणवत्ता की बात करें तो जीएनपीए अनुपात में गिरावट आई, परंतु पीसीआर के सुधार दर्ज करने के साथ एनएनपीए स्थिर रहा, जो इस क्षेत्र की समग्र मजबूती का संकेत दे रहा है।

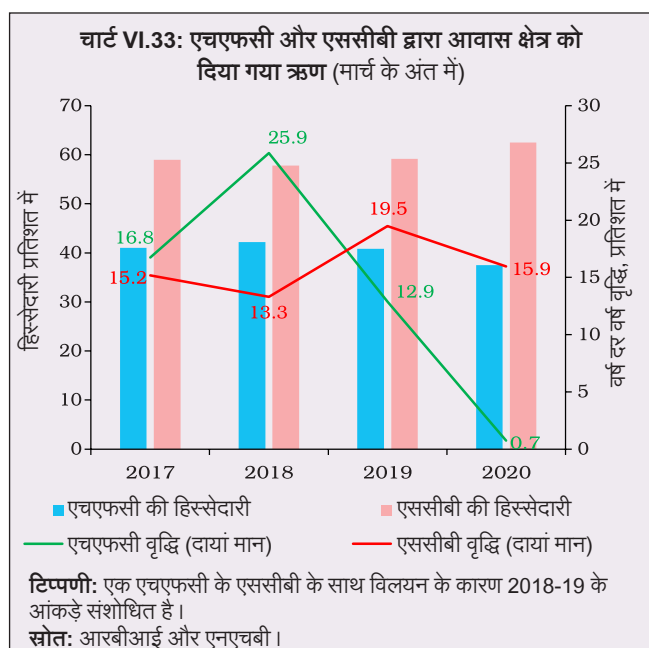
2.14 आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी)

VI.51 आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी) ऋण देने वाली विशेष संस्थाएं हैं जो एससीबी के साथ-साथ आवास वित्त की मुख्य प्रदाता हैं। एनएचबी अधिनियम, 1987 को वित्त (सं.2) अधिनियम, 2019 से संशोधित करके एचएफसी का विनियमन 09 अगस्त 2019 से रिजर्व बैंक को स्थानांतरित कर दिया गया है। इसलिए अब से विनियामकीय प्रयोजनों के लिए एचएफसी को एनबीएफसी के रूप में माना जा रहा है।

VI.52 17 जून 2020 को रिजर्व बैंक ने एचएफसी के लिए विनियामकीय फ्रेमवर्क का मसौदा बनाकर सार्वजनिक डोमेन में रखकर हितधारकों से टिप्पणियां मंगवाई थीं। 'आवास वित्त', 'प्रमुख कारोबार' और 'एचएफसी के लिए अर्हक आस्तियां' को परिभाषित करते हुए, एचएफसी और एलसीआर के लिए न्यूनतम निवल स्वामित्व निधियों वाली पूंजीकृत एचएफसी जो वर्तमान में एचएफसी के रूप में अर्हक नहीं है, का सुचारू रूप से संक्रमण के लिए प्रावधान जैसी अन्य बातों के साथ-साथ 22 अक्टूबर, 2020 को एचएफसी के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए (अध्याय 3 पैरा III.47 देखें)। एचएफसी और एनबीएफसी के बीच विनियमों का सामंजस्य दो साल की अवधि में चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जाएगा; तब तक, एचएफसी मौजूदा मानकों का पालन करेगा।

VI.53 डीएचएफएल की घटना के बाद एचएफसी ने 2019-20 में चलनिधि दबावों और बाजार तक पहुंचने में कठिनाई संबंधी बाधाओं के कारण विपरीत परिस्थितियों का सामना किया। 2019-20 में आवास क्षेत्र के लिए बैंक ऋण में गिरावट आई (चार्ट VI.33)।





सारणी VI.10. एचएफसी के स्वामित्व का स्वरूप (मार्च के अंत में)

(₹ करोड़ में)

प्रकार	2019		2020	
	संख्या	आस्ति आकार	संख्या	आस्ति आकार
1	2	3	4	5
ए. सरकारी कंपनियां	1	72,839	1	79,535
बी. गैर-सरकारी कंपनियां (1+2)	98	12,72,300	100	13,29,608
1. पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	78	12,69,634	76	13,25,040
2. प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	20	2,667	24	4,568
कुल (ए+बी)	99	13,45,139	101	14,09,143

स्रोत: एनएचबी।

VI.54 मार्च 2020 के अंत में 101 एचएफसी थीं, जिनमें से केवल 17 जमाराशि स्वीकार करने वाली संस्था थीं, इनमें से छह एचएफसी को जमाराशियां स्वीकार करने के लिए पूर्व अनुमति लेनी होगी। गैर-सरकारी स्वामित्व वाली पब्लिक लिमिटेड कंपनियों का कुल आस्तियों में 94 प्रतिशत योगदान के साथ इस क्षेत्र में प्रबल प्रभाव रहा। इन संस्थाओं के तुलन पत्र के विस्तार की गति जो 2018-19 में 14.5 प्रतिशत थी 2019-20 में गिरकर 4.5 प्रतिशत हो गई। कुल आस्तियों में 5.6 प्रतिशत योगदान के साथ एकमात्र सरकारी आवास वित्त कंपनी की वृद्धि 2018-19 में 49 प्रतिशत के मुकाबले गिरकर 2019-20 में 9.2 प्रतिशत हो गई (सारणी VI.10)।

2.14.1 तुलन पत्र

VI.55 वर्ष 2019-20 में कमजोर होती आर्थिक गतिवधि और महामारी से उत्पन्न जोखिमों के कारण ऋणों व अग्रिमों तथा निवेशों में तीव्र गिरावट होने से एचएफसी के समेकित तुलन पत्र के विस्तार की दर घटकर 4.3 प्रतिशत हो गई, जो 2018-19 में 16.4 प्रतिशत थी। देयताओं की ओर से, बैंक उधारियों में

मजबूत गति बरकरार रही अलबत्ता बाजार लिखतों जैसे डिबेंचर और वाणिज्यिक पत्र के माध्यम से ली गई उधारियों में काफी कमी आई, जो बाजार में कम हो रहे भरोसे को दर्शा रही है (सारणी VI.11)।

2.14.2 एचएफसी का स्रोत प्रोफाइल

VI.56 एचएफसी निधियों के लिए मुख्य रूप से डिबेंचर और बैंक उधारियों पर निर्भर है, ये कुल स्रोतों का लगभग 66 प्रतिशत है (चार्ट VI.34)। 2019-20 में बैंक उधारियों पर एचएफसी की निर्भरता प्रमुख रूप से बढ़ी है, जो जोखिम प्रतिकूल बाजार स्थितियों के बीच दीर्घावधि स्रोतों पर निर्भरता को दर्शाती है।

VI.57 आवास वित्त प्रणाली में चलनिधि डालने के लिए एनएचबी ने अगस्त 2019 में एचएफसी के लिए चलनिधि अंतर्वेशन सुविधा (एलआईएफ) योजना के नाम से एक अतिरिक्त विंडो खोला है। इस योजना का उद्देश्य एचएफसी को वैयक्तिक आवास ऋण पोर्टफोलियो जो कि प्राथमिकता सेक्टर के अंतर्गत आता है, को समर्थित करना है। इस योजना के अंतर्गत प्रारम्भिक तौर पर ₹ 10,000 करोड़ की राशि आबंटित की गई थी। वर्ष 2019-20 (जुलाई-जून) के दौरान एनएचबी द्वारा कुल ₹31,258 करोड़ का पुनर्वित्त संवितरण किया गया जिसमें से ₹27,551

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

सारणी VI.11 एचएफसी का समेकित तुलन पत्र (मार्च के अंत में)

(₹ करोड़ में)

मदें	2018	2019	2020	प्रतिशत घट-बढ़	
				2018-19	2019-20
1	2	3	4	5	6
1 शेयर पूंजी	30,548	34,360	37,023	12.5	7.8
2 आरक्षित निधि एवं अधिशेष	1,25,922	1,54,807	1,46,420	22.9	-5.4
3 सार्वजनिक जमाराशियां*	1,21,886	1,07,389	1,19,795	-11.9	11.6
4 डिबेंचर	4,11,317	4,76,297	4,02,926	15.8	-15.4
5 बैंक उधारियां	2,19,003	3,07,426	3,61,416	40.4	17.6
6 एनएचबी से उधारियां§	45,825	48,361	49,673	5.5	2.7
7 अंतर-कॉर्पोरेट उधारियां	4,013	35,627	6,206	787.8	-82.6
8 वाणिज्यिक पत्र	98,324	80,646	46,631	-18.0	-42.2
9 सरकार से उधारियां	0	0	1,282		
10 गौण ऋण	20,200	18,595	17,584	-7.9	-5.4
11 अन्य उधारियां	21,146	25,103	1,49,615	18.7	496.0
12 वर्तमान देयताएं	32,052	14,003	20,501	-56.3	46.4
13 प्रावधान	12,812	8,578	7,524	-33.0	-12.3
14 अन्य**	18,410	40,397	42,548	119.4	5.3
15 कुल देयताएं / आस्तियां	11,61,459	13,51,590	14,09,143	16.4	4.3
16 ऋण एवं अग्रिम	9,45,149	11,91,727	11,97,097	26.1	0.5
17 किराया खरीद और पट्टे पर दी गई आस्तियां	4	0.2	33	-94.6	14855.9
18 निवेश	73,877	90,406	98,062	22.4	8.5
19 नकद और बैंक शेष	19,578	34,376	58,411	75.6	69.9
20 अन्य आस्तियां***	1,22,851	35,082	55,540	-71.4	58.3

* सारणी में दी गई सार्वजनिक जमाराशियों में एक प्रमुख एचएफसी की कॉर्पोरेट जमाराशि शामिल हैं।

** आस्थगित कर देनदारियां एवं अन्य देनदारियां शामिल हैं।

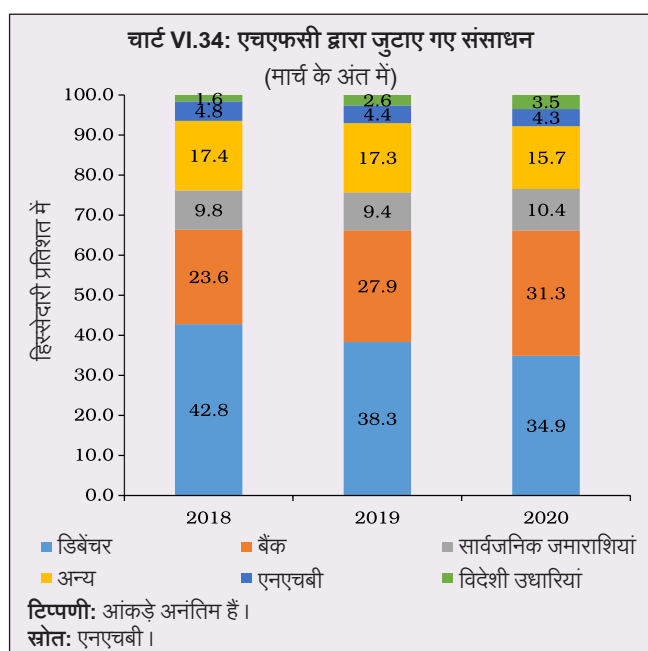
*** अचल आस्तियां, मूर्त व अमूर्त आस्तियां, अन्य आस्तियां एवं आस्थगित कर आस्तियां शामिल हैं।

§ एनएचबी के उधार को सम्मिलित किया गया है, क्योंकि कुछ एचएफसी को बैंक / वित्तीय संस्थाओं की उधारियों में एनएचबी उधारियों के आंकड़ों को मिला दिया गया है।

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं, रिपोर्टिंग कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार इंड ए एस पर आधारित हैं।

स्रोत: एनएचबी

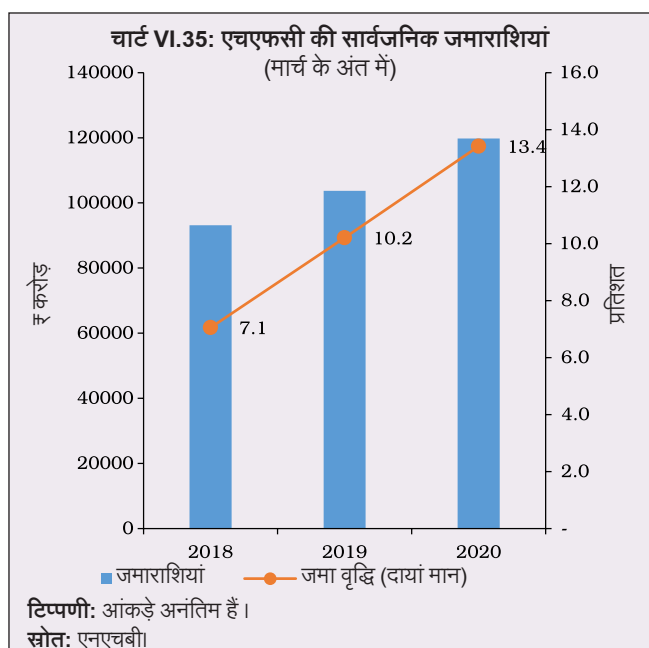
करोड़ एचएफसी को संवितरित कर दिया गया ताकि वे अपनी चलनिधि दबाव की चुनौती को कम कर सकें।



VI.58 एचएफसी के लिए निधि का दूसरा महत्वपूर्ण स्रोत सार्वजनिक जमाराशियां हैं। 2019-20 में सार्वजनिक जमा वृद्धि में बढ़ोतरी हुई (चार्ट VI.35); हालांकि एचएफसी की कुल देयताओं में जमाराशियों की हिस्सेदारी में 2015-16 से 2018-19 तक लगातार गिरावट हुई है, यद्यपि 2019-20 के दौरान इसमें वृद्धि हुई। एचएफसी जमाराशियों का वितरण दर्शाते हैं कि जमाराशियों का लगभग 98 प्रतिशत 6-9 प्रतिशत ब्याज दर ब्रैकेट में केन्द्रित हैं जो घटते ब्याज भार के साथ-साथ सुगम मौद्रिक नीति के रुख को दर्शाते हैं (चार्ट VI.36)। इसके अलावा, परिपक्वता-वार विश्लेषण दर्शाता है कि जमाकर्ताओं की प्राथमिकता मुख्य रूप से 24 से 48 महीनों के बीच की परिपक्वता अवधि है। इस बकेट में जमा वृद्धि में तेजी भी देखी गई।

2.14.3 वित्तीय प्रदर्शन

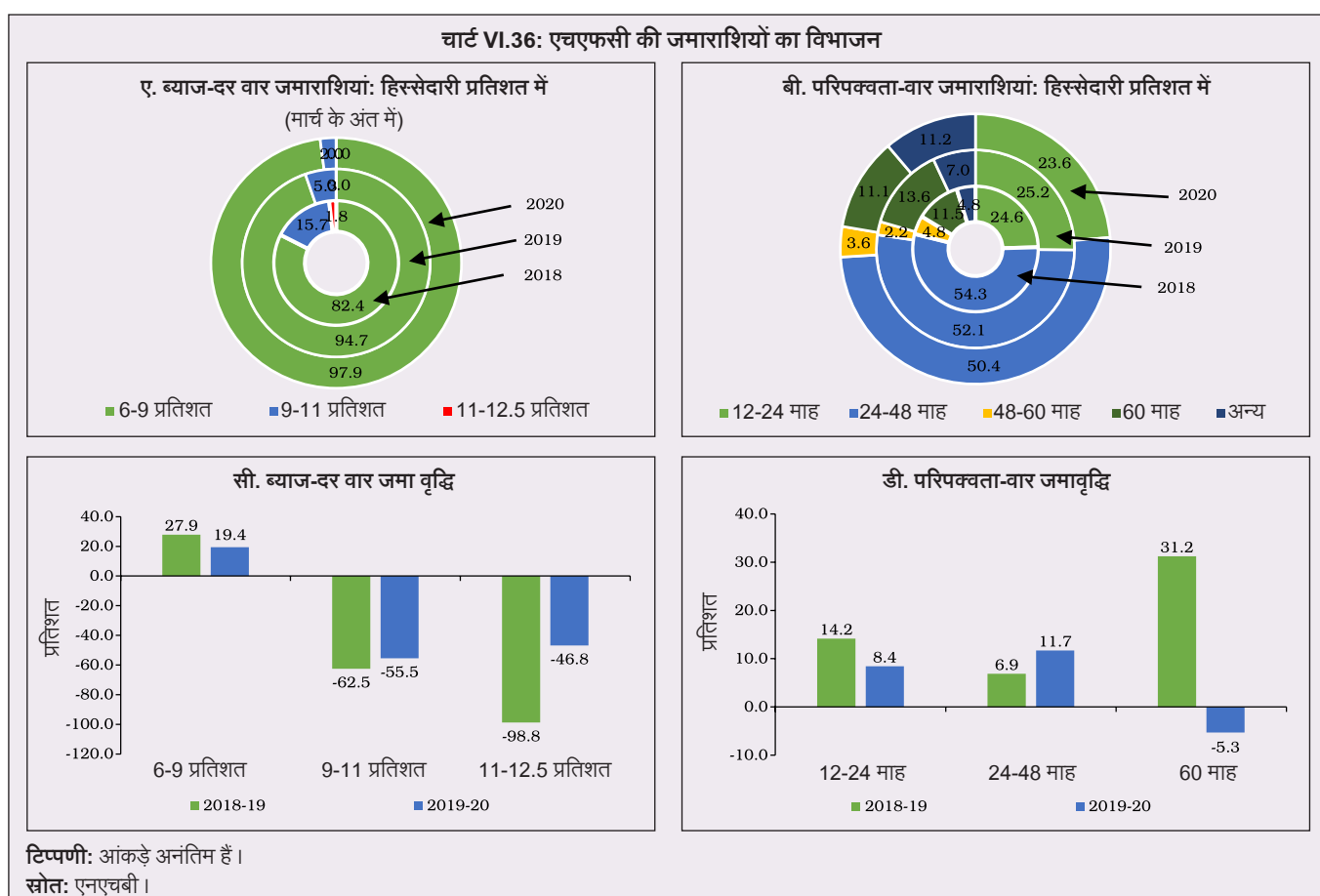
VI.59 निधि से प्राप्त आय में कमी के कारण वर्ष 2019-20 में एचएफसी की समेकित आय में गिरावट आई। दो



एचएफसी⁶ द्वारा परिचालनगत व्यय के बढ़ने और अत्यधिक हानि रिपोर्ट करने के कारण 2019-20 में व्यय भी कम रहा (चार्ट VI.37)। कुल आस्तियों में कमी के चलते कुल आस्तियों के अनुपात के रूप में आय में कमी हुई, जबकि परिचालन व्ययों में वृद्धि के कारण व्ययों में बढ़ोतरी हुई। परिणामस्वरूप, 2019-20 में आय की तुलना में लागत अनुपात में काफी अधिक वृद्धि हुई। इसी बीच, लाभ में गिरावट आने की वजह से आरओए खराब होकर शून्य हो गया (सारणी VI.12)।

2.14.4 सुदृढ़ता संकेतक

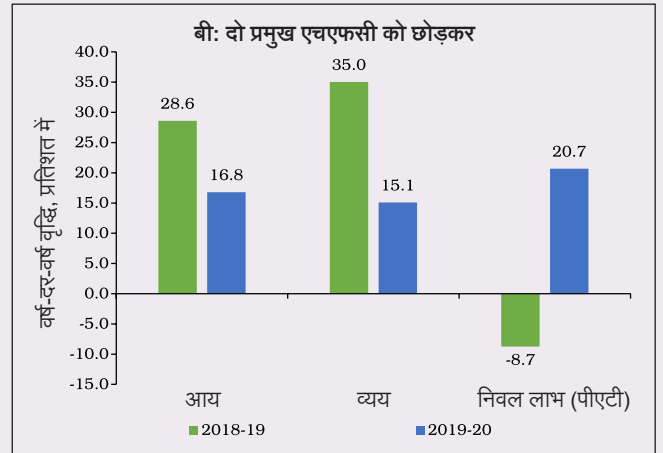
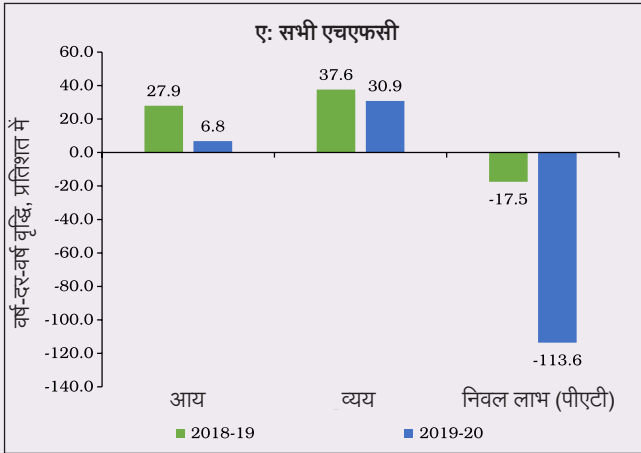
VI.60 वर्ष 2018-19 में जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात में मामूली सी वृद्धि हुई लेकिन निवल लाभ और प्रावधान में उल्लेखनीय गिरावट के कारण इन्होंने 2019-20 में अत्यधिक



⁶ वर्ष के दौरान दो प्रमुख एचएफसी को अत्यधिक हानि हुई है, इनमें वे एचएफसी शामिल नहीं हैं जिन्होंने 2019-20 में ₹ 24,220 करोड़ का लाभ दर्ज किया है।

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

चार्ट VI.37: एचएफसी के वित्तीय मानदंड



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: एनएचबी।

वृद्धि दर्ज की (चार्ट VI. 38)। दो प्रमुख एचएफसी ने 2019-20 में अपने जीएनपीए और एनएनपीए अनुपातों में तेजी से वृद्धि दर्ज की। दो एचएफसी पर विचार किए बगैर जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात 2019-20 में क्रमशः 1.4 प्रतिशत और 0.8 प्रतिशत रहे (चार्ट VI.39)। हालांकि, अन्य एनबीएफसी की तुलना में एचएफसी की आस्ति गुणवत्ता बहुत खराब हो गई।

VI.61 संक्षेप में, 2019-20 में ऋण मांग में कमी, डीएचएफएल की घटना और आवास क्षेत्र में मंदी की वजह से एचएफसी द्वारा ऋणों और अग्रिमों में तेजी से कमी आई। इसने उनकी लाभप्रदता को प्रभावित किया। कोविड-19 के

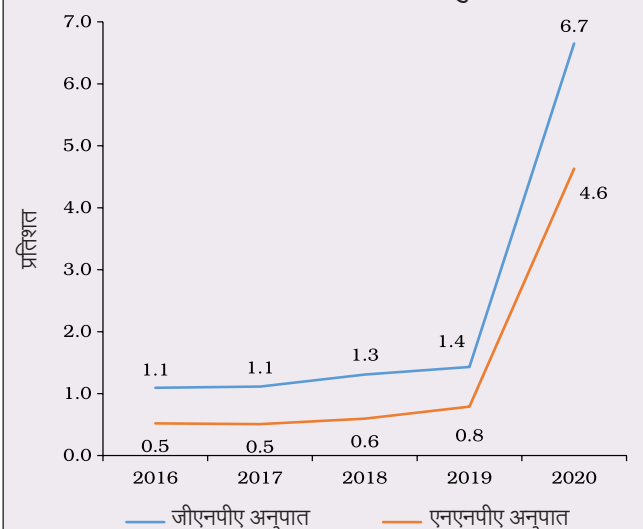
तेजी से प्रसार के बाद, सरकार द्वारा *आत्मनिर्भर भारत अभियान* की घोषणा के साथ-साथ रिजर्व बैंक द्वारा अनेक विनियामकीय और चलनिधि उपायों की घोषणा की गई, परिणामस्वरूप एचएफसी की चलनिधि स्थिति में सुधार हुआ। मजबूत एचएफसी बाजार से कम दरों पर संसाधन जुटाने में सक्षम रहे। चलनिधि अंतर्वेशन सुविधा (एलआईएफ) योजना और एनएचबी द्वारा एचएफसी की इक्विटी शेयर पूंजी में सहभागिता क्षेत्र को तेजी से पुनर्जीवित करने में सहायता करेगी।

सारणी VI.12: एचएफसी के वित्तीय अनुपात
(कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)
(मार्च के अंत में)

विवरण	2016	2017	2018	2019	2020
1	2	3	4	5	6
कुल आय	10.5	10.0	9.0	10.0	10.2
1. निधि आय	10.3	9.8	8.8	9.8	10.0
2. शुल्क आय	0.2	0.2	0.2	0.2	0.1
कुल व्यय	7.5	7.4	6.6	7.9	9.9
1. वित्तीय व्यय	6.8	6.4	5.7	6.4	6.4
2. परिचालन व्यय	0.7	0.9	1.0	1.5	3.5
कर प्रावधान	0.9	0.8	0.7	0.7	0.6
आय की तुलना में लागत अनुपात (कुल व्यय/ कुल आय)	71.6	73.6	73.6	79.1	97.0
आस्ति पर प्रतिलाभ (आरओए) (पीएटी/ कुल आस्ति)	2.0	2.1	2.0	1.4	0.0

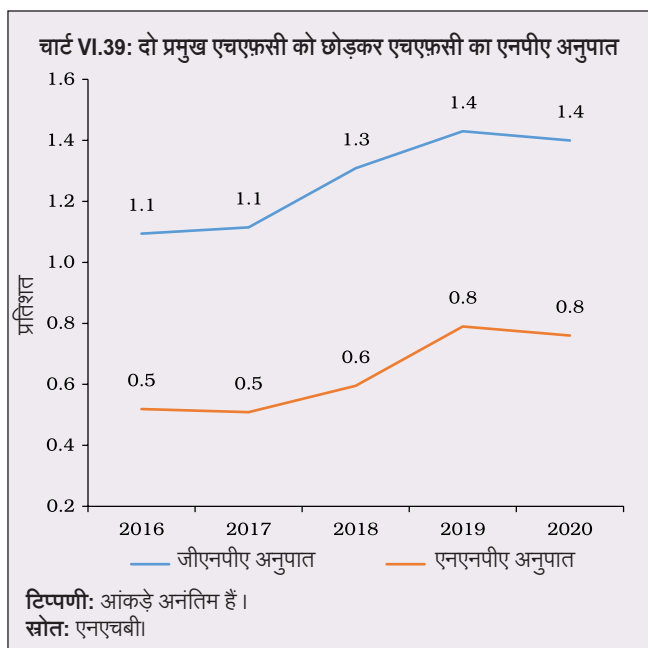
स्रोत: एनएचबी।

चार्ट VI.38: एचएफसी के एनपीए अनुपात



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: एनएचबी।



3. अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाएं

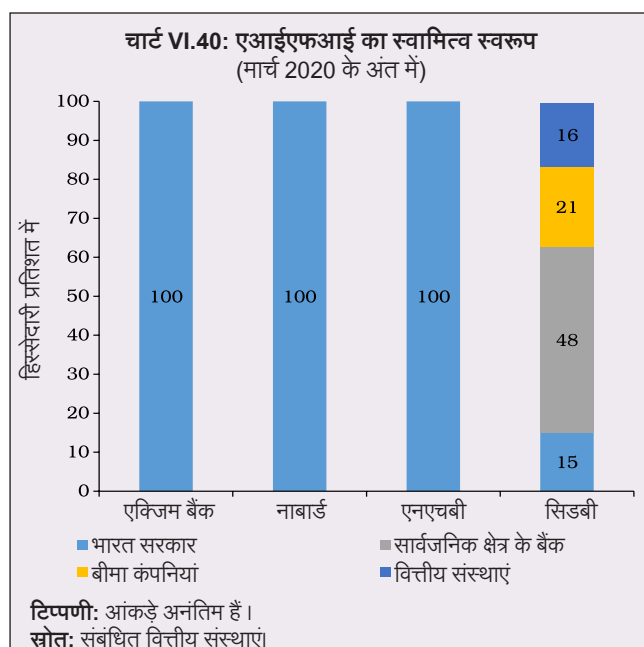
VI.62 राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) जैसी अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं (एआईएफआई) ने कृषि और ग्रामीण क्षेत्र, लघु उद्योगों, आवास वित्त कंपनियों, एनबीएफसी और एमएफआई की दीर्घावधि निधि अपेक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, भारतीय निर्यात आयात बैंक (एक्विजम बैंक) देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने और निर्यातकों और आयातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रमुख वित्तीय संस्था के रूप में कार्य करता है।

VI.63 रिज़र्व बैंक इन सभी चार अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं (एआईएफआई) अर्थात् नाबार्ड, सिडबी, एनएचबी और एक्विजम बैंक का विनियमन और पर्यवेक्षण करता है। 19 मार्च 2019 को रिज़र्व बैंक द्वारा एनएचबी में से अपनी पूर्ण शेयरधारिता निकालने के परिणामस्वरूप नाबार्ड और एक्विजम

बैंक के साथ-साथ एनएचबी भी सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली संस्था बन गई है (चार्ट VI.40)।

3.1 एआईएफआई के परिचालन⁷

VI.64 वर्ष 2019-20 के दौरान एआईएफआई द्वारा संस्वीकृत वित्तीय सहायता में 3.1 प्रतिशत की कमी हुई जो प्रमुखतः नाबार्ड द्वारा कम संस्वीकृती की वजह से थी। दूसरी तरफ, 2019-20 में संवितरण में 7.6 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। सिडबी के बाद एनएचबी ने सबसे अधिक संवितरण वृद्धि दर्ज की जो एमएसएमई के लिए “मेक इन इंडिया” और “वोकल फॉर लोकल” की पहल एवं एनएचबी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत “2022 तक सभी के लिए आवास” पर अपने जोर को दर्शाती है। वर्ष के दौरान नाबार्ड द्वारा संवितरण स्थिर रखा गया। एक्विजम बैंक द्वारा संस्वीकृत वित्तीय सहायता सामान्य रूप से बढ़ी लेकिन निर्यातों में मंदी और समष्टि आर्थिक स्थितियाँ नाजुक होने के चलते संवितरण में गिरावट आई (सारणी VI.13 और परिशिष्ट सारणी VI.6)।



⁷ एक्विजम बैंक, सिडबी और नाबार्ड के लिए वित्तीय वर्ष अप्रैल से मार्च है और एनएचबी के लिए यह जुलाई से जून है।

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

सारणी VI.13: एआईएफआई द्वारा स्वीकृत और संवितरित वित्तीय सहायता

1	2018-19		2019-20	
	एस	डी	एस	डी
	2	3	4	5
एक्विजम बैंक	38,001	36,660	40,255	33,735
नाबार्ड	3,03,870	2,81,947	2,78,883	2,81,811
एनएचबी	32,753	25,177	36,594	31,258
सिडबी	75,386	76,011	1,08,289	1,04,852
कुल	4,50,010	4,19,795	4,64,021	4,51,657

एस: स्वीकृत; डी: संवितरित
टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

3.2 तुलन-पत्र

VI.65 विशेष रूप से नाबार्ड द्वारा ऋण और अग्रिमों में कम वृद्धि और निवेश में कमी के चलते एआईएफआई का समेकित तुलन पत्र एक वर्ष पहले की अपेक्षाकृत 2019-20 में धीमी गति से बढ़ा (सारणी VI.14)। एआईएफआई की कुल आस्तियों में 87.8 प्रतिशत की सबसे बड़ी हिस्सेदारी ऋण और अग्रिमों की है, उसके बाद छह प्रतिशत पर निवेश का स्थान आता है। देयता पक्ष की ओर, नाबार्ड और सिडबी द्वारा दर्ज की गई बड़ी गिरावट की वजह से उधारियों पर एआईएफआई की निर्भरता कम हो गई। एनएचबी ने अपने ज्यादा से ज्यादा ऋण संवितरण और निवेश गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए उच्च उधारियों का सहारा लिया। दूसरी तरफ, सभी एआईएफआई में बॉन्ड और डिबेंचर के जरिए उधारियाँ बढ़ी।

VI.66 एक्विजम बैंक जिसने उच्च विदेशी मुद्रा उधारियों का सहारा लिया, को छोड़कर एआईएफआई के द्वारा ऋण और अग्रिमों एवं निवेश में धीमी गति के चलते एआईएफआई द्वारा जुटाए गए कुल संसाधनों में 2019-20 में गिरावट आई। 2019-20 में जुटाए गए कुल संसाधन का सबसे अधिक हिस्सा एनएचबी द्वारा जुटाया गया था, उसके बाद नाबार्ड, सिडबी और एक्विजम बैंक द्वारा जुटाया गया था। दोनों को एक साथ रखने पर, एनएचबी और नाबार्ड के पास कुल उधारियों का 84 प्रतिशत है। सिडबी

सारणी VI.14: एआईएफआई का तुलन पत्र

देयताएं	2019	2020	प्रतिशत
			घट-बढ़
			2019-20
1	2	3	4
1. पूंजी	26921	29921	11.1
	(3.2)	(3.2)	
2. आरक्षित निधि	57042	63522	11.4
	(6.8)	(6.8)	
3. बॉन्ड एंड डिबेंचर	209059	263425	26.0
	(25.1)	(28.0)	
4. जमाराशियां	336914	386674	14.8
	(40.4)	(41.1)	
5. उधारियां	149318	138621	-7.2
	(17.9)	(14.7)	
6. अन्य देयताएं	54293	58452	7.7
	(6.5)	(6.2)	
कुल देयताएं/ आस्तियां	833548	940615	12.8
आस्तियां			
1. नकद एवं बैंक शेष	23437	35079	49.7
	(2.8)	(3.7)	
2. निवेश	61257	59867	-2.3
	(7.3)	(6.4)	
3. ऋण एवं अग्रिम	729226	825620	13.2
	(87.5)	(87.8)	
4. भुनाया गया / पुनः भुनाया गया बिल	700	1395	99.3
	(0.1)	(0.1)	
5. असल आस्तियां	1052	1220	16.0
	(0.1)	(0.1)	
6. अन्य आस्तियां	17876	17433	-2.5
	(2.1)	(1.9)	

टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़ें कुल देयताओं / आस्तियों का प्रतिशत हैं।
आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

के सिवाय, एआईएफआई अपनी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए मुख्य रूप से अल्पावधि निधियों पर निर्भर रहते हैं, विशेष रूप से एनएचबी जो कि अपने संसाधन का 94 प्रतिशत अल्पावधि लिखतों द्वारा जुटाता है। 2019-20 में दीर्घावधि उधारियों की ओर उतरोत्तर रूप से अग्रत्तर होते दिखाई दिए (सारणी VI.15)।

VI.67 एआईएफआई द्वारा मुद्रा बाजार से जुटाए गए संसाधनों का लगभग 77 प्रतिशत नाबार्ड और सिडबी ने मिलकर जुटाए हैं। हालांकि, सभी एआईएफआई में जमा प्रमाणपत्रों के माध्यम से जुटाए गए संसाधन में वृद्धि हुई। उधारी सीमा का उपयोग तुलनात्मक रूप से थोड़ा अधिक ही बना रहा (सारणी VI.6)।

सारणी VI.15: वर्ष 2019-20 में एआईएफआई द्वारा जुटाए गए संसाधन

(₹ करोड़ में)

संस्था	जुटाए गए कुल संसाधन				कुल बकाया
	दीर्घ-अवधि	अल्प-अवधि	विदेशी मुद्रा	कुल	
1	2	3	4	5	6
एक्विजम बैंक	990	12,478	14,460	27,928	1,05,166
नाबार्ड	98,115	1,82,090	0	2,80,205	4,42,886
एनएचबी	18,123	2,76,755	0	2,94,877	79,005
सिडबी	52,118	29,115	10	81,244	1,61,200
कुल	1,69,346	5,00,438	14,470	6,84,254	7,88,257

टिप्पणी: दीर्घ अवधि के रुपये वाले संसाधनों में बॉन्ड /डिबेंचर के माध्यम से हासिल की गई उधारियां शामिल हैं, जबकि अल्प अवधि संसाधनों में सीपी, सावधि जमाएं, आईसीडी, सीडी और मीयादी मुद्रा बाजार से प्राप्त उधारियां शामिल हैं। विदेशी मुद्रा संसाधनों में मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में बांड आदि के द्वारा उधारियां शामिल हैं। आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

3.3 निधियों के स्रोत और उपयोग

VI.68 एआईएफआई द्वारा जुटाई गई निधि और उसका विनियोजन 2019-20 में 12 प्रतिशत बढ़ गया, जो पिछले वर्ष थोड़ा कम था। हालांकि, एनएचबी और सिडबी ने नए विनियोजन में वृद्धि दर्ज की, लेकिन नाबार्ड ने नए विनियोजन में मामूली सी गिरावट दर्ज की। पिछली उधारियों की चुकौती का हिस्सा जुटाए गए संसाधनों के 64.3 प्रतिशत से गिरकर 53.4 प्रतिशत हो गया (सारणी VI.17)।

सारणी VI.16: मुद्रा बाजार से एआईएफआई द्वारा जुटाए गए संसाधन

(मार्च के अंत तक)#

(₹ करोड़ में)

लिखत	2018-19	2019-20
1	2	3
ए. कुल	1,18,717	1,20,294
i) सावधि जमाराशियां	5,420	1,298
ii) मियादी मुद्रा	4,067	7,211
iii) अंतर-कॉर्पोरेट जमाराशियां	7,431	8,177
iv) जमा प्रमाण-पत्र	32,436	46,240
v) वाणिज्यिक पत्र	69,363	57,368
मेमो: मद		
बी. संपूर्ण सीमा	1,03,887	1,17,538
सी. संपूर्ण सीमा का उपयोग *	131	104
(बी के प्रतिशत के रूप में ए)		

#: एनएचबी के लिए जून अंत। *: ए के तहत जुटाए गए संसाधन।
टिप्पणी: एआईएफआई को समग्र 'क्षेत्रव्यापी सीमा', जोकि संबंधित एफआई के नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार निवल स्वाधिकृत निधियों (एनओएफ) से संबद्ध है, के भीतर संसाधन जुटाने की अनुमति है। क्षेत्रव्यापी सीमा इन पांच लिखतों पर लागू है - सावधि जमाराशियां; सावधि जमा उधारियां; जमा प्रमाण-पत्र (सीडी); वाणिज्यिक पत्र (सीपी); और अंतर-कॉर्पोरेट जमाराशियां।
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

सारणी VI.17: एआईएफआई के स्रोतों और निधियों के विनियोजन का स्वरूप

(₹ करोड़ में)

मदें	2018-19	2019-20	प्रतिशत घट-बढ़
1	2	3	4
ए. निधियों का स्रोत			
i. आंतरिक	31,32,555 (82.0)	36,18,908 (84.3)	15.5
ii. बाह्य	5,99,920 (15.7)	5,50,496 (12.8)	-8.2
iii. अन्य@	87,930 (2.3)	1,24,634 (2.9)	41.7
कुल (i+ii+iii)	38,20,405 (100)	42,94,037 (100)	12.4
बी. निधियों का विनियोजन			
i. नवीन विनियोजन	7,77,016 (20.3)	8,05,091 (18.7)	3.6
ii. पिछली उधारियों की चुकौती	24,58,210 (64.3)	22,93,775 (53.4)	-6.7
iii. अन्य विनियोजन	5,85,179 (15.3)	11,95,171 (27.8)	104.2
जिसमें से:	42,007	39,408	-6.2
ब्याज भुगतान	(1.1)	(0.9)	
कुल (i+ii+iii)	38,20,405	42,94,037	12.4

@ इसमें बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंक में धारित नकद और जमाशेष शामिल हैं।

टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल का प्रतिशत हैं। आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

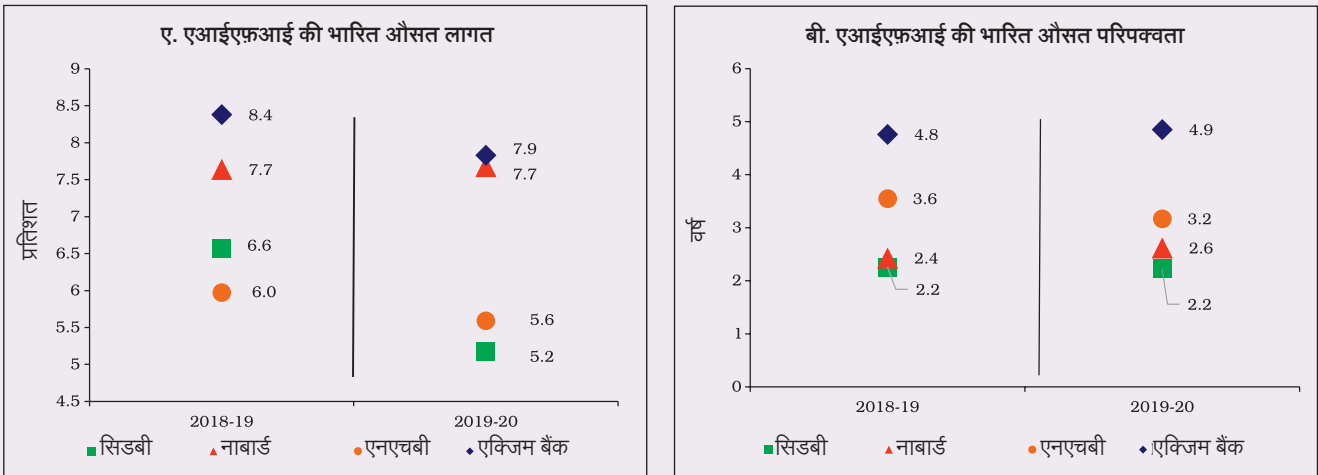
3.4 उधार लेने और देने की परिपक्वता एवं लागत

VI.69 एआईएफआई निम्न दरों पर उधार लेने में सक्षम थी क्योंकि नाबार्ड के सिवाय एआईएफआई द्वारा जुटाए गए रुपए संसाधनों की भारित औसत लागत (डबल्यूएसी) पिछले वर्ष की तुलना में 2019-20 में कम हो गई (चार्ट VI.41ए)। नाबार्ड और एक्विजम बैंक के लिए रुपए संसाधनों की भारित औसत परिपक्वता (डबल्यूएएम) बढ़ गई लेकिन एनएचबी और सिडबी के लिए कम हो गई (चार्ट VI.41बी)। नाबार्ड की डबल्यूएसी 2019-20 में बढ़ गई क्योंकि नाबार्ड ने बढ़ती हुई दीर्घावधि लागत के साथ-साथ अपनी डबल्यूएएम को भी बढ़ा दिया।

VI.70 वर्ष 2019-20 के दौरान सभी एआईएफआई के लिए दीर्घावधि मूल उधार दर (पीएलआर) मामूली रूप से कम हो गई; एनएचबी ने 60 बीपीएस की उच्चतम गिरावट दर्ज की, जिसके

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

चार्ट VI.41: एआईएफआई द्वारा जुटाए गए रुपया संसाधनों की भारत औसत लागत एवं परिपक्वता



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

बाद सिडबी का स्थान आता है, जो मौद्रिक सहजता चक्र को दर्शाती है (चार्ट VI.42)।

3.5 वित्तीय प्रदर्शन

VI.71 ब्याज आय जो कि आय में सबसे अधिक हिस्सेदारी रखती हैं, इसमें कमी के फलस्वरूप एआईएफआई ने 2019-20 के दौरान आय में कम वृद्धि दर्ज की। ब्याज व्यय, जो कि व्यय

का सबसे बड़ा कारक है, में हुई उल्लेखनीय गिरावट के चलते व्यय में तेजी से कमी आई। मजदूरी बिल में वृद्धि के कारण परिचालन व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हो गई और इसके परिणामस्वरूप, 2019-20 के दौरान एआईएफआई के निवल लाभ में मामूली वृद्धि दर्ज की गई (सारणी VI.18)।

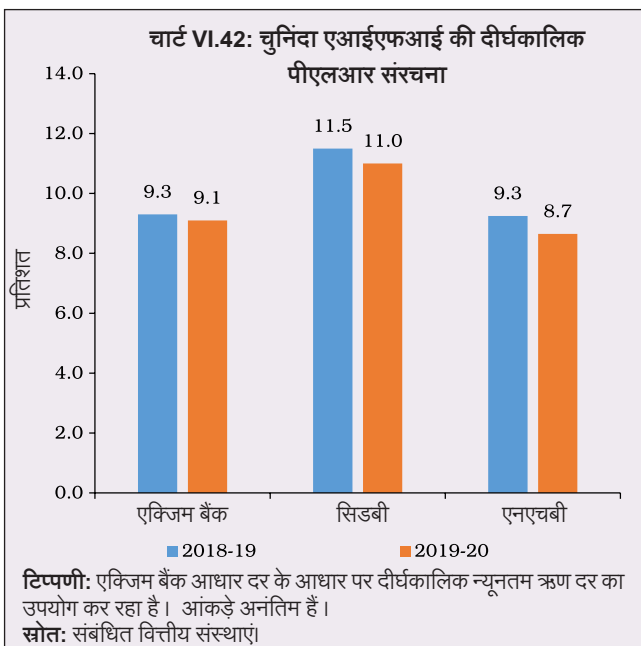
सारणी VI.18 : एआईएफआई का वित्तीय प्रदर्शन

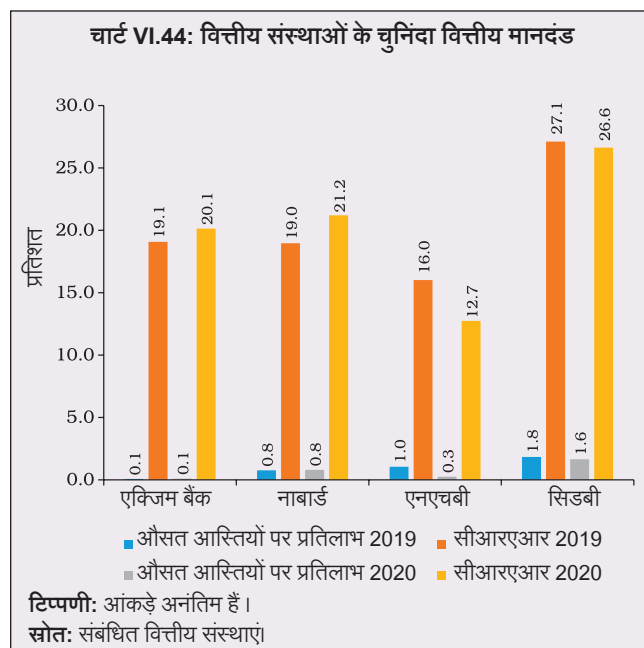
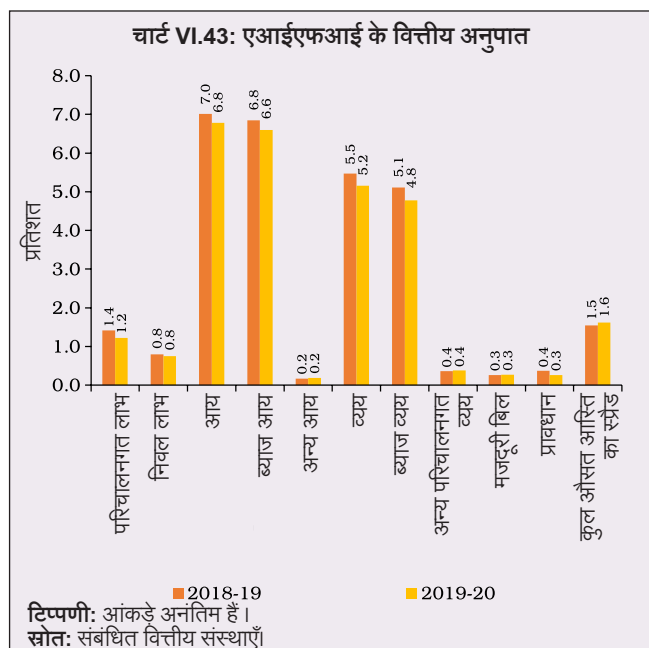
(राशि ₹ करोड़ में)

प्रकार	2018-19	2019-20	प्रतिशत घट-बढ़	
			2018-19	2019-20
1	2	3	4	5
ए) आय	53,957	58,461	22.1	8.3
ए) ब्याज आय	52,699	56,863	22.6	7.9
	(97.7)	(97.3)		
बी) ब्याजतर आय	1,258	1,597	4.2	27.0
	(2.3)	(2.7)		
बी) व्यय	42,109	44,500	22.2	5.7
ए) ब्याज व्यय	39,321	41,237	24.3	4.9
	(93.4)	(92.7)		
बी) परिचालन व्यय	2,789	3,263	-1.2	17.0
	(6.6)	(7.3)		
जिसमें से मजदूरी बिल	1,987	2,323	-3.9	16.9
सी) कराधान हेतु प्रावधान	2,834	2,244	354.2	-20.8
डी) लाभ				
परिचालनगत लाभ (पीबीटी)	10,845	10,525	15.9	-3.0
निवल लाभ (पीएटी)	6,132	6,493	142.9	5.9

टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल आय/व्यय के प्रतिशत हैं। आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।





VI.72 वित्तीय अनुपातों में, कुल औसत आस्तियों के अनुपात के रूप में परिचालन लाभ ब्याज आय में कटौती के साथ कम हो गया। हालांकि, 2019-20 में कुल औसत आस्तियों की तुलना में स्प्रेड के अनुपात को छोड़कर अन्य वित्तीय अनुपात वर्ष-दर-वर्ष आधार पर या तो बढ़ गए या अपरिवर्तित रहे (चार्ट VI.43)।

VI.73 वर्ष 2019-20 के दौरान एआईएफआई के लिए आय के प्रमुख स्रोत के रूप में ब्याज आय रही है। नाबार्ड को छोड़कर सभी एआईएफआई के लिए औसत कार्यशील निधियों के अनुपात के रूप में ब्याज आय घट गई। नाबार्ड और सिडबी के परिचालन लाभ में सुधार हुआ, जो कार्यशील निधि के कुशल उपयोग को दर्शाता है; हालांकि, वर्ष के दौरान एक्विजम बैंक और

एनएचबी का परिचालन लाभ घटती ब्याज आय के साथ-साथ कम रहा (सारणी VI.19)।

VI.74 वर्ष 2019-20 के दौरान नाबार्ड को छोड़कर सभी एआईएफआई के लिए आस्ति पर प्रतिफल (आरओए) स्थिर या मध्यम रहा। सिडबी का आरओए एआईएफआई के औसत की तुलना में उच्चतर रहा, इसके बाद नाबार्ड और एनएचबी का रहा। हालांकि, सभी एआईएफआई के लिए सीआरएआर 9 प्रतिशत के निर्धारित मानदंड की तुलना में अधिक रहा (चार्ट VI.44)।

3.6 सुदृढ़ता संकेतक

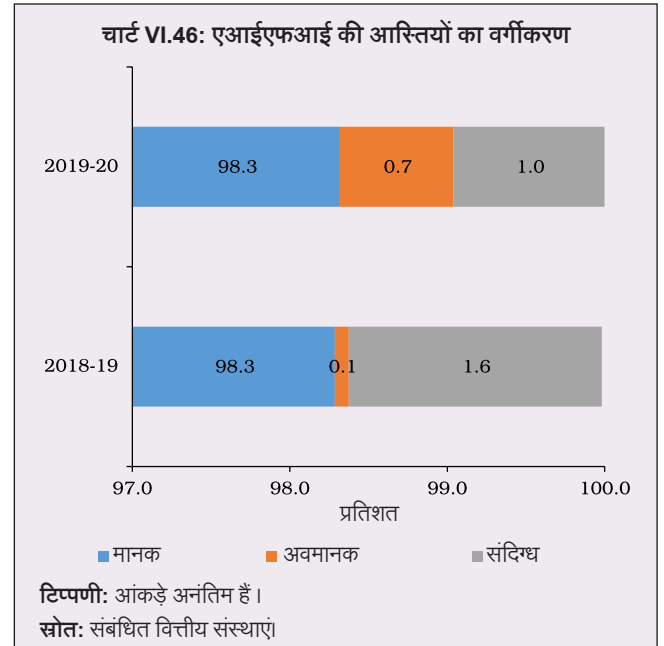
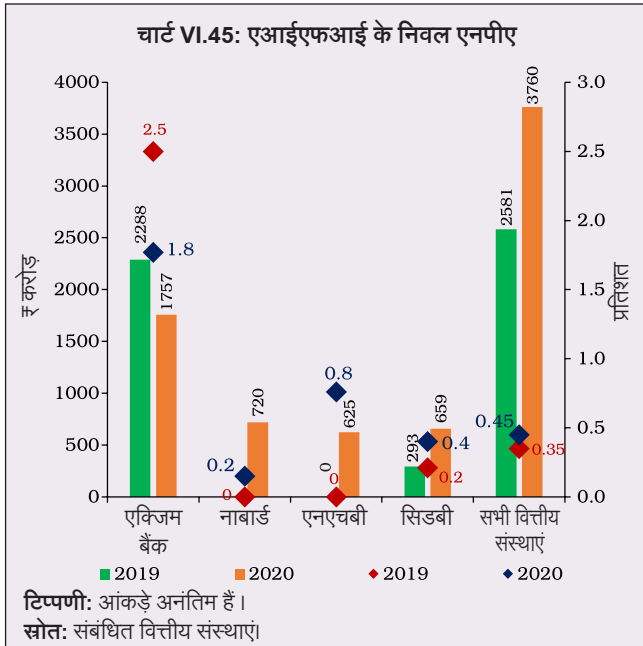
VI.75 वर्ष 2019-20 के लिए एआईएफआई का निवल एनपीए बढ़ गया। एक्विजम बैंक के एनपीए में पर्याप्त कमी आई, जबकि

सारणी VI.19: एआईएफआई के चुनिंदा वित्तीय मानदंड

मद	ब्याज आय/औसत कार्यशील निधियां (प्रतिशत)		ब्याजेतर आय/औसत कार्यशील निधियां (प्रतिशत)		परिचालनगत लाभ/ औसत कार्यशील निधियां (प्रतिशत)		निवल लाभ प्रति कर्मचारी (₹ लाख में)	
	2019	2020	2019	2020	2019	2020	2019	2020
एक्विजम बैंक	7.8	7.2	0.3	0.4	1.9	1.8	23	35
नाबार्ड	6.6	6.7	0.0	0.0	1.2	1.4	89	108
एनएचबी	7.1	6.3	0.4	0.1	2.6	1.9	672	153
सिडबी	6.9	6.5	0.3	0.6	1.8	2.2	176	221

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20



सिडबी ने वृद्धि दर्ज की (चार्ट VI.45)। एक्जिम बैंक के निवल एनपीए में तीव्र गिरावट आंशिक रूप से उच्च प्रावधान को दर्शाती है।

VI.76 कुल मिलाकर, एआईएफआई ने स्थिर आस्ति गुणवत्ता को बनाए रखा जो 2019-20 में मानक आस्तियों के अनुपात के रूप में दर्शाई गई है (चार्ट VI.46)। एक्जिम बैंक अपने पोर्टफोलियो में संदिग्ध आस्तियों का एक बड़ा हिस्सा बनाए हुए हैं, इस पोर्टफोलियो में सभी एआईएफआई की संदिग्ध आस्तियों का लगभग 96 प्रतिशत था।

4. प्राथमिक व्यापारी

VI.77 मार्च 2020 की समाप्ति के अनुसार 21 प्राथमिक व्यापारी (पीडी) थे जिसमें से 14 बैंक विभागों के रूप में काम कर रहे थे और 7 भा.रि. बैंक अधिनियम, 1934, की धारा 45आईए के तहत एनबीएफसी पंजीकृत एकल पीडी (एसपीडी) के रूप में काम कर रहे थे।

4.1 पीडी के परिचालन और प्रदर्शन

VI.78 पीडी को सरकारी दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गम में हामीदार बनने और प्राथमिक नीलामी में भाग लेने का अधिदेश दिया गया है। उनको यह अधिदेश भी दिया गया है कि वे टी-बिल

और नकदी प्रबंधन बिलों (सीएमबी) की प्राथमिक नीलामी में न्यूनतम 40 प्रतिशत का सफलता अनुपात (बोली-प्रक्रिया प्रतिबद्धता के समानुपात के रूप में स्वीकृत बोली) हासिल करें जिसका छमाही आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। वर्ष 2019-20 में सभी पीडी ने अपनी न्यूनतम बोली-प्रक्रिया प्रतिबद्धता से बेहतर प्रदर्शन किया। वर्ष के दौरान कुल निर्गमित टी-बिल / सीएमबी में से 71.7 प्रतिशत की हिस्सेदारी उनकी थी, जो पिछले वर्ष के 71.4 प्रतिशत की उपलब्धि से थोड़ी अधिक है। पीडी की दिनांकित प्रतिभूतियों के प्राथमिक निर्गमन के आबंटन की भागीदारी पिछले वर्ष के 50.6 प्रतिशत की तुलना में 2019-20 में मामूली रूप से घटकर 48.0 प्रतिशत हो गई है (सारणी VI.20)। 2020-21 की पहली छमाही में टी-बिल और सीएमबी के कुल निर्गम में पीडी की कुल हिस्सेदारी 68.05 प्रतिशत रही। 2020-21 की पहली छमाही के दौरान ₹ 7,66,000 करोड़ के कुल निर्गम में से पीडी को 2019-20 की पहली छमाही के 44.8 प्रतिशत की तुलना में 52.4 प्रतिशत आबंटित किया गया।

VI.79 वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 14,600 करोड़ की राशि के सात प्रकरणों के मुकाबले 2019-20 के दौरान दो प्रकरणों में ₹ 3,606 करोड़ की राशि का आंशिक अंतरण (डिवोल्वमेंट)

सारणी VI.20: प्राथमिक बाजार में पीडी का प्रदर्शन

(₹ करोड़ में)

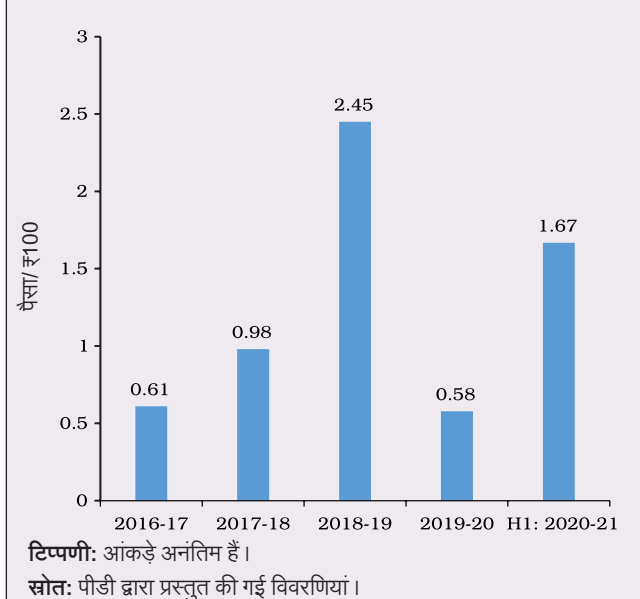
मद	2018-19	2019-20	2020-21 छ1
1	2	3	4
खजाना बिल एवं सीएमबी			
(ए) बोली लगाने की प्रतिबद्धता	9,99,551	13,83,666	12,05,743
(बी) लगाई गई वास्तविक बोलियां	37,32,398	41,92,322	34,05,613
(सी) अनुपात को कवर करने के लिए बोली	3.7	3.0	2.8
(डी) स्वीकार्यी गई बोलियां	6,70,849	8,51,816	7,03,521
(ई) सफलता अनुपात (डी)/(ए) (प्रतिशत में)	67.1	61.6	58.3
केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां			
(एफ) अधिसूचित राशि	5,71,000	7,10,000	7,66,000
(जी) लगाई गई वास्तविक बोली	12,60,201	15,31,570	13,97,830
(एच) अनुपात को कवर करने के लिए बोली	2.2	2.2	1.8
(आई) पीडी की स्वीकार्यी गई बोलियां	2,88,748	3,40,610	4,01,701
(जे) पीडी का हिस्सा (आई)/(एफ) (प्रतिशत में)	50.6	48.0	52.4

स्रोत: पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

हुआ। वर्ष 2019-20 के दौरान पीडी को भुगतान किया गया हामीदारी कमीशन पिछले वर्ष के ₹ 139.9 करोड़ की तुलना में बहुत कम अर्थात ₹ 41.0 करोड़ था। अर्थव्यवस्था में पर्याप्त चलनिधि सुनिश्चित करने और अस्थिरता को कम करने के लिए रिज़र्व बैंक के परिचालनों से हामीदारी कमीशन घट गया जिसके परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान पीडी के अंतरण जोखिमों में कमी आ गई। परिणामस्वरूप, हामीदारी कमीशन की औसत दर 2018-19 में ₹ 2.45 पैसे/₹ 100 से घटकर 2019-20 में ₹ 0.58 पैसे / ₹ 100 की गिरावट हो गई (चार्ट VI. 47)। 2020-21 के कुल वार ₹ 58,455 करोड़ के आंशिक अंतरण (डिवोल्वमेंट) के चार प्रकरण हुए। आधे वर्ष के दौरान पीडी को ₹ 116.41 करोड़ की राशि का हामीदारी कमीशन भुगतान किया गया जो ₹ 1.67 पैसे / ₹ 100 होता है।

VI.80 द्वितीयक बाजार में, सभी पीडी ने पृथक रूप से अपेक्षित न्यूनतम वार्षिक टर्नओवर अनुपात हासिल कर लिया। दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों के लिए रेपो लेनदेन और एकमुश्त लेनदेन को मिलाकर न्यूनतम टर्नओवर लक्ष्य पीडी द्वारा माह के अंत में धारित प्रतिभूतियों के औसत स्टॉक का 5 गुना निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार, केवल एकमुश्त लेनदेन के ज़रिए प्राप्त किया

चार्ट VI.47: पीडी के हामीदारी कमीशन की औसत दर



जाने वाला न्यूनतम अनुपात 3 गुना है। कुल टर्नओवर लक्ष्य जिसमें रेपो लेनदेन शामिल है, को दिनांकित जी-सेक और टी-बिल औसत माह के अंत में स्टॉक का क्रमशः 10 गुना तथा 6 गुना निर्धारित किया गया है।

4.2 एकल पीडी के वित्तीय प्रदर्शन

VI.81 द्वितीयक बाजार एकमुश्त खंड में एकल प्राथमिक व्यापारियों (एसपीडी) का टर्नओवर पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ गया। एसपीडी के टर्नओवर (32 प्रतिशत) की तुलना में कुल बाजार का टर्नओवर (42 प्रतिशत) तुलनात्मक रूप से उच्च रहने के कारण 2019-20 के दौरान कुल बाजार के टर्नओवर में एसपीडी की हिस्सेदारी में कमी देखी गई। रेपो खंड में, कुल बाजार टर्नओवर में एसपीडी की मात्रा और हिस्सेदारी पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ गई। वर्ष 2019-20 के लिए दोनों खंडों में कुल बाजार टर्नओवर में एसपीडी की हिस्सेदारी 37.7 प्रतिशत थी जो कि रेपो टर्नओवर में वृद्धि के चलते बढ़ गई। 2020-21 की पहली छमाही में, द्वितीयक बाजार में एकमुश्त और रेपो खंड में एसपीडी की हिस्सेदारी क्रमशः 23.7 प्रतिशत और 45.4 प्रतिशत थी। इस अवधि के दौरान दोनों खंडों में कुल बाजार की हिस्सेदारी 38.0 प्रतिशत थी (सारणी VI.21)।

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

सारणी VI.21: जी-सेक द्वितीयक बाजार में एसपीडी के प्रदर्शन

(₹ करोड़ में)

मद	2018-19	2019-20	छा: 2020-21
1	2	3	4
एकमुश्त			
एसपीडी का टर्नओवर	27,74,591	36,56,472	13,27,615
मार्केट टर्नओवर	93,55,007	1,33,08,365	56,13,228
एसपीडी का शेयर (प्रतिशत)	29.7	27	23.7
रेपो			
एसपीडी का टर्नओवर	47,57,405	69,29,624	49,71,439
मार्केट टर्नओवर	1,35,66,142	1,47,99,714	1,09,56,860
एसपीडी का शेयर (प्रतिशत)	35.1	47	45.4
कुल (एकमुश्त+ रेपो)			
एसपीडी का टर्नओवर	75,31,996	1,05,86,096	62,99,054
मार्केट टर्नओवर	2,29,21,149	2,81,08,079	1,65,70,088
एसपीडी का शेयर (प्रतिशत)	32.9	37.7	38
टिप्पणी: 1. एकमुश्त और रेपो ट्रेड के संबंध में स्टैंडअलोन पीडी के लिए कुल टर्नओवर में दोनों पक्षों की मात्रा, अर्थात् खरीद + बिक्री शामिल हैं। 2. रेपो के मामले में, सिर्फ पहले चरण को एसपीडी का कुल टर्नओवर माना जाता है। 3. एकमुश्त और रेपो वॉल्यूम दोनों के लिए कुल मार्केट टर्नओवर में स्टैंडअलोन पीडी टर्नओवर शामिल हैं। स्रोत: भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड।			

4.3 एसपीडी की निधियों के स्रोत और उसका उपयोग

VI.82 एसपीडी द्वारा जुटायी गयी निधियां 2019-20 में वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर 26.2 प्रतिशत बढ़ गई। एसपीडी की निधियों का मुख्य स्रोत उधारियां रही, जो निधियों के कुल स्रोतों का 90.3 प्रतिशत है। इस अवधि के दौरान प्रत्याभूत और अप्रत्याभूत ऋणों की मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ोत्तरी हुई (सारणी VI.22)।

VI.83 एसपीडी के निवेशों का सबसे बड़ा हिस्सा चालू आस्ति के रूप में रखा गया है, इसमें भी वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 27.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी VI.22)।

4.4 एसपीडी के वित्तीय प्रदर्शन

VI.84 वर्ष 2018-19 की तुलना में 2019-20 में एसपीडी के कर उपरांत लाभ (पीएटी) में मजबूत वृद्धि देखी गई थी (परिशिष्ट सारणी VI.7)। ट्रेजरी बिल तथा सरकारी प्रतिभूतियों की धारिता बढ़ जाने के कारण ब्याज और बट्टा आय बढ़ गई। अवधि के दौरान सीमित अस्थिरता और अनुकूल ब्याज दर परिदृश्य के चलते व्यापार लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। कुल

सारणी VI.22: एसपीडी की निधियों के स्रोत और प्रयोग

(₹ करोड़ में)

मद	2018-19	2019-20	छा: 2020-21	2018-19 की तुलना में 2019-20 में घट-बढ़ प्रतिशत में
1	2	3	4	5
निधियों के स्रोत	55,133	69,573	80,591	26.2
1. पूंजी	1,609	1,609	1,849	0.0
2. आरक्षित और अधिशेष निधियां	4,052	5,154	6,569	27.2
3. ऋण (ए+बी)	49,472	62,810	72,173	27.0
(ए) प्रत्याभूत	38,696	49,181	60,261	27.1
(बी) गैर-प्रत्याभूत	10,776	13,629	11,912	26.5
निधियों का प्रयोग	55,133	69,573	80,591	26.2
1. अचल आस्तियां	30	44	46	42.7
2. एचटीएम निवेश (ए+बी)	454	493	144	8.6
(ए) सरकारी प्रतिभूतियां	447	358	-	-19.9
(बी) अन्य	7	135	144	1765.2
3. चालू आस्तियां	55,608	71,074	81,120	27.8
4. ऋण और अग्रिम	640	809	2,450	26.5
5. चालू देयताएं	1,601	2,847	3,254	77.8
6. आस्थगित कर	7.5	1	90.1	-86.7
7. अन्य	-5.6	-1	-5.6	-85.6
स्रोत: पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।				

मिलाकर, आय व्यय से अधिक बढ़ गई जिसके परिणामस्वरूप 2019-20 के दौरान एसपीडी के लिए लाभ अधिक रहा। 2020-21 की पहली छमाही के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में व्यापार लाभ में बढ़ोत्तरी के कारण पीएटी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (सारणी VI.23)।

VI.85 वर्ष 2019-20 में पीएटी में वृद्धि के अनुरूप निवल मालियत पर एसपीडी के प्रतिफल में भी वृद्धि हुई। बढ़े हुए ब्याज और बट्टा के साथ-साथ व्यापार लाभ और व्यय समान स्तर पर रहने के कारण आय की तुलना में लागत अनुपात पिछले वर्ष की तुलना में 2019-20 के दौरान कम हो गया। 2020-21 की पहली छमाही के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बाजार स्थितियां अनुकूल रहने के कारण एसपीडी के आय की तुलना में लागत अनुपात और कम हो गया (सारणी VI.24)।

VI.86 सभी एसपीडी के संयुक्त सीआरएआर 2019-20 में आंशिक रूप से बढ़ गए और 15 प्रतिशत की अनिवार्यता से

सारणी VI.23: एसपीडी के वित्तीय प्रदर्शन

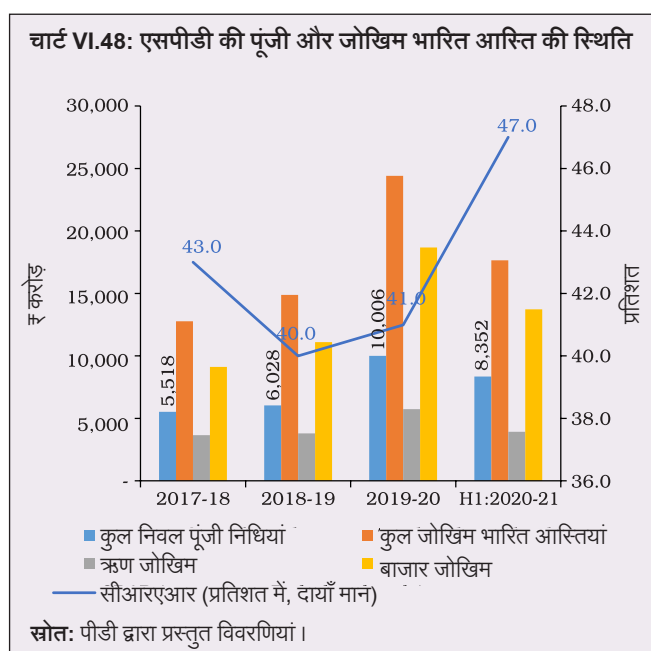
(₹ करोड़ में)

मद	2018-19	2019-20	छ1: 2020-21	2018-19 की तुलना में 2019-20 में घट-बढ़	
				राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
ए. आय (I से III)	3,518	5,367	3,412	1,849	52.6
(i) ब्याज और छूट	3,799	4,628	2,333	829	21.8
(ii) ट्रेडिंग लाभ	-344	682	1,082	1,026	298.3
(iii) अन्य आय	63	57	-3	-6	-9.5
बी. व्यय (I से II)	3,402	3,663	1,347	261	7.7
(i) ब्याज	3,038	3,209	1,186	171	5.6
(ii) स्थापना और प्रशासनिक लागत सहित अन्य व्यय	363	454	161	91	25.1
सी. कर पूर्व लाभ	444	1,687	1,673	1,243	280
डी. कर पश्चात लाभ	304	1,276	1,240	972	319.7

टिप्पणी: पूर्णांकन की वजह से आंकड़ों को जोड़ा नहीं जा सकता है।

स्रोत: पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

अधिक पर बने रहे। वर्ष के दौरान एसपीडी के पूंजी बफर में विशेष सुधार हुआ (परिशिष्ट सारणी VI.8)। 2020-21 की पहली छमाही में, सभी एसपीडी के सीआरएआर में और अधिक सुधार हुआ (चार्ट VI.48)।



सारणी VI.24: एसपीडी के वित्तीय संकेतक

(₹ करोड़ में)

संकेतक	2018-19	2019-20	छ1: 2020-21	
			1	4
1	2	3	4	4
(i) निवल लाभ	304	1276		1240
(ii) औसत आस्तियां	54,487	69,631		80,855
(iii) औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (प्रतिशत)	0.56	1.87		1.52
(iv) निवल मालियत पर प्रतिलाभ (प्रतिशत)	5.8	21.31		16.67
(v) आय की तुलना में लागत अनुपात (प्रतिशत)	75.7	21.05		7.24

स्रोत: पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

5 समग्र मूल्यांकन

VI.87 वर्ष 2019-20 में एनबीएफसी के तुलन-पत्र में वृद्धि अत्यधिक कम रही; हालांकि, एससीबी की तुलना में एनबीएफसी मजबूत आस्ति गुणवत्ता के साथ अच्छी तरह पूंजीकृत रहे। 2020-21 की पहली छमाही में, ऋण और अग्रिमों में बढ़ोतरी के साथ आशा की किरणें दिखाई देने लगी थीं। इस क्षेत्र द्वारा जिन चुनौतियों का सामना किया जा रहा था उन्हें कोविड-19 महामारी ने बढ़ा दिया जिससे निधी संबंधी समस्या पैदा हो गई और आस्ति-गुणवत्ता संबंधी चिंताएं बढ़ गईं। रिजर्व बैंक और सरकार ने चलनिधि को बढ़ाने और बाजार में भरोसा पुनः स्थापित करने के लिए विभिन्न चलनिधि और विनियामकीय उपाय किए।

VI.88 ऋण चुकौती के अधिस्थगन और आस्ति वर्गीकरण में गतिरोध के कारण आस्ति गुणवत्ता मजबूत हो गई। हालांकि, बहुत सी एनबीएफसी ने अनुमानित ऋण हानि (ईसीएल) मानदंड के अनुसार अतिरिक्त प्रावधानीकरण कर लिया है; और लाभांश पुनर्निवेश के द्वारा अपनी पूंजीगत स्थिति को मजबूत किया है। आगे चलकर, ऋण क्षति, ऋण की कम मांग और नकदी को संरक्षित करने की प्रवृत्ति की वजह से एनबीएफसी की लाभप्रदता कम हो सकती है। यद्यपि वित्त वर्ष 2020-21 में आर्थिक गतिविधियां धीमी रहने की अपेक्षा है, मजबूत एनबीएफसी 'सतर्कतापूर्वक आशावादी' दृष्टिकोण बनाए हुए है और उन्हें अच्छे प्रदर्शन की आशा है क्योंकि बहुत सी एनबीएफसी ने संवितरण और संग्रहण में प्रायः कोविड से पूर्व के स्तर से पुनः अच्छा प्रदर्शन किया है। रिजर्व बैंक अपनी भूमिका में दृढ़तापूर्वक खड़ा हुआ है और क्षेत्र की दीर्घकालिक सुदृढ़ता और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है।